RNI No. DELHIN/2010/35423, Postal: DL(E)-20/5435/2016-18 राष्ट्रीय संस्करण www.swarajkhabar.com, Email :- editorswarajkhabar@gmail.com

खबरों का स्वराज

स्वराज ख़बर

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

● दिल्ली ● नोएडा ● देहरादून ● पटना से एक साथ प्रकाशित

11 पैसा दो, टीम में घुसो, असली टैलेंट बाहर

दिल्ली ● वर्ष : 17 ● अंक : 360 ● बुधवार 10 दिसम्बर 2025 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य ₹3

रात अकेली... में रियल कॉप जैसे दिखेंगे नवाज 08

चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों को दिया निर्देश

30 दिन के अंदर अपना संविधान जमा करें...

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने राष्ट्रीय और मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय दलों से कहा है कि 30 दिनों के अंदर सभी संशोधनों के साथ अपने-अपने संविधान का अपडेटेड वर्जन उसके पास जमा करें। चुनाव आयोग ने यह निर्देश ऐसे समय में दिया है, जब सुप्रीम कोर्ट उस जनहित याचिका पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें राजनीतिक दलों के रजिस्ट्रेशन से लेकर उसके संचालन तक को लेकर वैधानिक नियावली बनाने की मांग की गई है, ताकि इसमें पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके।

राजनीतिक दल अपना संविधान जमा करें

सोमवार को राजनीतिक दलों को भेजी चिट्ठी में चुनाव आयोग ने कहा है कि जब जनप्रतिनिधित्व कानून, 1951 की धारा 29ए के तहत एक राजनीतिक दल का रजिस्ट्रेशन होता है, तब उनकी ओर से रूल्स और रेगुलेशन को लेकर मेमोरेंडम भी जमा किया जाता है।

- **पार्टी का संविधान एक आवश्यक दस्तावेज-** आयोग ने राजनीतिक दलों को लिखा है, .. पार्टी का संविधान एक आवश्यक दस्तावेज होता है, जिसमें पार्टी का उद्देश्य और उसमें लोकतांत्रिक तरीके से काम करने के लिए जरूरी प्रक्रिया के बारे में आवश्यक जानकारी शामिल होती है। इसलिए यह जानकारी पार्टी के सभी सदस्यों तक भी पहुंचना जरूरी है, जिससे वे इसका पालन कर सकें और आम जनता भी इससे अवगत रहे।
- **पार्टी का संविधान राजनीतिक दलों का दर्पण-** चुनाव आयोग ने पॉलिटिकल पार्टियों से कहा है कि पिछली बार जब उन्होंने दस्तावेज सौंपा था, उसके बाद से उसमें जितने भी बदलाव हुए हैं, उन सबकी कॉपी भी साथ ही जमा करें। इन अपडेटेड कॉपी से पार्टी के अंदर वैधानिक जरूरतों के पालन होते रहने की पुष्टि होती है और यह सुनिश्चित हो जाता है कि जनता को यह पता रहे कि पार्टी किन नियमों के तहत संचालित हो रही है।

सोनिया गांधी को दिल्ली कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी को नोटिस दिया है। यह नोटिस उस याचिका पर आया है, जिसमें दावा किया गया कि सोनिया गांधी का नाम 1980-81 की वोटर लिस्ट में गलत तरीके से जोड़ा गया था।

इसके अलावा याचिका में मजिस्ट्रेट के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें सोनिया गांधी के खिलाफ दायर शिकायत को खारिज कर दिया गया था। कोर्ट ने इस मामले में राज्य सरकार को भी नोटिस जारी किया है और पूरे केस का रिकॉर्ड (टीसीआर) मंगाया है। अगली सुनवाई 6 जनवरी को होगी।

लखनऊ में गुरिल्ला बनकर रह रहे बांग्लादेशी-रोहिंग्या

● नाम पूछने से पहले आईडी कार्ड दिखाते हैं, 7335 झुग्गी-झोपड़ियों में 90 प्रतिशत मुस्लिम

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में अवैध रूप से बसे बांग्लादेशी और रोहिंग्याओं का हर काम में एक पैटर्न है। ये सभी खुद को असम के बारपेटा का निवासी बताते हैं। ये घुसपैठिए झुग्गी-झोपड़ी में गुरिल्लों की तरह रहते हैं। सभी के पास पास एनआरसी, आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड हैं। नाम पूछने से पहले सभी अपना आइडी कार्ड दिखाते हैं। जिन झुग्गी झोपड़ियों में रहते हैं, वहां के स्थानीय नेताओं और प्रभावशाली लोगों का इनको संरक्षण है। क्योंकि ये वोटर भी बन चुके हैं। तकरीबन 90 प्रतिशत असमी-बांग्लादेशी हैं।

सीएम योगी की सख्ती, पुलिस और एटीएस ने मांगी रिपोर्ट- लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट और आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने बांग्लादेशियों और रोहिंग्या घुसपैठियों की पहचान उजागर करने और इन्हें डिपोर्ट करने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले में सीएम योगी आदित्यनाथ के कार्यालय की तरफ से एक्शन के बाद पूरा महकमा सक्रिय हो गया है।

गोवा क्लब अग्निकांड

थाईलैंड भागे दोनों मालिक, इंटरपोल से ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी, क्लब ढहाया

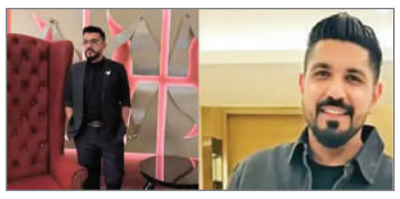

पणजी (एजेंसी)। गोवा के अरपोरा गांव में 'बिर्च बाय रोमियो लेन' नाइटक्लब में 6 दिसंबर की देर रात लगी आग के कुछ घंटे बाद ही क्लब के दोनों मालिक सौरभ और गौरव लूथरा थाईलैंड भाग गए। पुलिस ने हादसे के बाद एफआईआर दर्ज कर दोनों की तलाश शुरू की थी। 7 दिसंबर को दोनों के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया, लेकिन इमिग्रेशन रिकॉर्ड से पता चला कि वे इंडिगो फ्लाइट 6ई 1073 से देश छोड़ चुके थे। गोवा के सीएम प्रमोद सावंत ने वागाटोर में सौरभ और गौरव लूथरा की रोमियो लेन बीच शैक को गिरा दिया

मप्र खजुराहो के रिसॉर्ट में खाने से 3 कर्मचारियों की मौत

भोपाल (एजेंसी)। मप्र छतरपुर के खजुराहो स्थित एक रिसॉर्ट में खाना खाने के बाद कर्मचारियों की तबीयत बिगड़ गई। गंभीर हालत में 9 कर्मचारियों को जिला अस्पताल से ग्वालियर रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान 3 की मौत हो गई, जबकि 5 की हालत नाजुक बनी हुई है।

मौलाना मदनी बोले- मर जाऊंगा, 'वंदे मातरम्' नहीं गाऊंगा

सहारनपुर (एजेंसी)। हमें किसी के 'वंदे मातरम्' गाने या पढ़ने पर ऐतराज नहीं है, लेकिन मुसलमान अल्लाह के अलावा किसी की इबादत नहीं कर सकता। हम एक खुदा (अल्लाह) को मानने वाले हैं, अल्लाह के सिवा न किसी को पूजनीय मानते हैं और न किसी के आगे सिर झुकाते हैं।

नीतीश कैबिनेट ने सरकारी कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़ाया

पटना (एजेंसी)। नीतीश सरकार की कैबिनेट की दूसरी बैठक मंगलवार को हुई। इसमें 19 एजेंडे पर कैबिनेट ने मुहर लगाई। सरकारी कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 5 प्रतिशत बढ़ा दिया गया है। यह एक जुलाई 2025 से प्रभावी होगा। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए बीएसएफ के सब इंस्पेक्टर मो इम्तियाज के पुत्र मो इमदाद रजा को अनुकंपा पर नियुक्ति दी जाएगी।

सीएम ममता बोलीं

बंकिम बाबू को उचित सम्मान नहीं मिला, पीएम माफी मांगें

कोलकाता (एजेंसी)। संसद में वंदे मातरम् पर चर्चा के बीच कूचबिहार में मंगलवार को आयोजित एंटी एसआईआर रैली में ममता बनर्जी ने कहा कि मोदी सरकार ने बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को वो इज्जत नहीं दी जो उन्हें मिलनी चाहिए थी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से माफी की मांग की और आरोप लगाया कि उन्होंने उपन्यासकार बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को बंकिम दा कहकर उनका अपमान किया है। उन्होंने कहा कि जब देश को आजादी मिली थी तब पीएम पैदा भी नहीं हुए थे और फिर भी उन्होंने बंगाल के सबसे बड़े सांस्कृतिक प्रतीकों में से एक को यूं ही संबोधित करना चुना। ममता ने आरोप लगाया कि पीएम ने उन्हें वह न्यूनतम सम्मान भी नहीं दिया जिसके वे हकदार हैं। दरअसल, सोमवार को लोकसभा में वंदे मातरम् की चर्चा की में पीएम मोदी ने बंकिमचंद्र चटर्जी को बंकिम दा कह कर संबोधित किया। तभी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद सौगत रॉय ने उन्हें टोक दिया था।

● पीएम मोदी एनडीए की संसदीय दल की बैठक में बोले

फालतू पेपरवर्क खत्म हो, नियम-कानून परेशानी के लिए नहीं, जिंदगी आसान बनाने के लिए हो

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद की लाइब्रेरी बिल्डिंग में मंगलवार को नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) की संसदीय दल की बैठक हुई। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की जीत पर प्रधानमंत्री का माला पहनाकर सम्मान किया गया।

पीएम ने बैठक में कहा, मैं फालतू पेपरवर्क और 30-40 पेज के फॉर्म का कल्चर खत्म करना चाहता हूं। हमें नागरिकों के दरवाजे पर सर्विस देनी होगी, बार-बार डेटा जमा करने की जरूरत को खत्म करना होगा। पीएम ने इंडिगो संकट पर कहा- लोगों को परेशान नहीं किया जाना चाहिए, उन्हें असुविधा नहीं होनी चाहिए। नियम और कानून अच्छे हैं, लेकिन सिस्टम को ठीक करने के लिए लोगों को परेशान करना सही नहीं है।

● संसद में वंदे मातरम् चर्चा पर गृहमंत्री शाह बोले

वंदे मातरम् का विरोध गांधी परिवार के खून में

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' पर मंगलवार को चर्चा हुई। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा- जो लोग वंदे मातरम् के महत्व को नहीं जानते वे इसे चुनाव से जोड़ रहे हैं। शाह के बयान को प्रियंका गांधी के बयान से जोड़ कर देखा जा रहा है। हालांकि शाह ने प्रियंका का नाम नहीं लिया। शाह ने संबोधन में कहा- जब वंदे मातरम् 100 साल का हुआ, पूरे देश को बंदी बना दिया गया। वंदे मातरम् का विरोध गांधी परिवार के खून में है।जब 150 साल पर कल सदन (लोकसभा) में चर्चा शुरू हुई, गांधी परिवार के दोनों सदस्य (राहुल-प्रियंका) नदारद थे। वंदे मातरम् का विरोध नेहरू से लेकर आज तक कांग्रेस नेतृत्व के खून में है। दरअसल राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने के मौके पर भारत सरकार की ओर से सालभर का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

● लोकसभा में चुनाव सुधार पर राहुल गांधी ने कहा-

वोट चोरी एक राष्ट्र विरोधी काम, आरएसएस सभी संस्थाओं पर कंट्रोल चाहता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने मंगलवार को लोकसभा में चुनाव सुधार (एसआईआर) पर 28 मिनट की स्पीच दी। कहा कि आरएसएस और भाजपा देश की संस्थाओं पर कब्जा कर रही हैं। इनमें चुनाव आयोग, ईडी, सीबीआई, आईबी, इनकम टैक्स डिपार्टमेंट शामिल हैं। इससे साफ है कि बीजेपी चुनाव आयोग को कंट्रोल और निर्देशित (डायरेक्ट) कर रही है। इससे लोकतंत्र को नुकसान हो रहा है।

5 बार हुआ हंगामा

राहुल की स्पीच के दौरान 5 बार हंगामा हुआ। हरियाणा की वोटर लिस्ट में ब्राजीलियन मॉडल के जिक्र के समय कांग्रेस सांसदों द्वारा मॉडल की तस्वीर दिखाने पर स्पीकर ओम बिरला नाराज हो गए। कहा- ऐसे सदन नहीं चलेगा।

3 मांगें रखीं, कहा- ईवीएम देखने दी जाए

- मशीन रीडेबल वोटर लिस्ट सभी राजनीतिक दलों को चुनाव से एक महीने पहले दी जानी चाहिए।
- सीसीटीवी फुटेज डिस्ट्रॉय करने का नियम भी बदला जाना चाहिए।
- चुनाव के बाद ईवीएम देखने के लिए दी जाए। वोट चोरी से बड़ा कोई एंटी नेशनल काम नहीं है। सरकार चुनाव सुधार नहीं चाहती।

वन्यजीव संरक्षण के लिए अनंत अंबानी को ग्लोबल ह्यूमैनिटेरियन अवॉर्ड

● यह प्रतिष्ठित अमेरिकी अवॉर्ड पाने वाले सबसे युवा और पहले एशियाई बने

नई दिल्ली/ वाशिंगटन (एजेंसी)। वन्यजीव संरक्षण और पशु कल्याण के क्षेत्र में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों के लिए अनंत अंबानी को अमेरिका में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में 'ग्लोबल ह्यूमैनिटेरियन अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें वनतारा के जरिए जानवरों के बचाव, इलाज, पुनर्वास और संरक्षण में उनके नेतृत्व के लिए दिया गया। इस उपलब्धि के साथ अनंत अंबानी ने एक खास रिकॉर्ड भी बनाया है। वह इस सम्मान को पाने वाले सबसे युवा और पहले एशियाई व्यक्ति बन गए हैं। इससे पहले यह अवॉर्ड अमेरिकी राष्ट्रपतियों जॉन एफ कैनेडी और बिल क्लिंटन सहित हॉलीवुड हस्तियों और कई वैश्विक नेताओं को दिया जा चुका है।

सोनमर्ग में सीजन की पहली बर्फबारी, हिमाचल के रोहतांग में मनाली-लेह रोड बंद

मप्र में तापमान 4.2 डिग्री पहुंचा, शीतलहर का अलर्ट

नई दिल्ली/देहरादून/भोपाल/लखनऊ (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में बर्फीली हवाओं ने सर्दी बढ़ा दी है। कई शहरों में रात को तापमान 6 डिग्री से नीचे चला गया। मप्र शहडोल के कल्याणपुर में सबसे कम तापमान 4.2 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। भोपाल, इंदौर समेत 9 जिलों में शीतलहर का अलर्ट है। कई शहरों में तापमान 5 डिग्री से नीचे जा सकता है।

राजस्थान के 19 शहरों में तापमान 10 डिग्री से नीचे दर्ज हुआ। फतेहपुर में सबसे कम, 4.4 डिग्री पारा दर्ज हुआ। मौसम विभाग ने राज्य में 10 दिसंबर से शीतलहर चलने की आशंका जताई है।

दूसरी तरफ, पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी का दौर शुरू हो गया है। उत्तराखंड के चमोली, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़ समेत कई जिलों में दोपहर को तेज बर्फबारी हुई। पहाड़ पूरी तरह से सफेद नजर आए।

कश्मीर के गांदरबल जिले के सोनमर्ग में सीजन की पहली बर्फबारी हुई। बड़ी संख्या में पर्यटक और स्थानीय लोग बर्फबारी का मजा लेते हुए दिखे। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिला स्थित रोहतांग दर्रे में बर्फबारी हुई। इसके कारण मनाली-लेह सड़क बंद कर दिया गई। मध्य प्रदेश में अगले 3 दिन शीतलहर का अलर्ट है। राजस्थान में शीतलहर की चेतावनी, शेखावाटी में रहेगा ज्यादा असर। तापमान 1 डिग्री से नीचे आने की संभावना।

नवजोत कौर फिर बोलीं- चोरों का साथ नहीं दूंगी

● ऐसे नोटिस बहुत निकलते हैं, रंधावा के स्मगलरों से संबंध, इतनी फार्म लैंड कहां से आई

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस से सस्पेंड किए जाने के बावजूद नवजोत कौर सिद्धू के तेवर तीखे हैं। मंगलवार को अमृतसर में नवजोत कौर ने सस्पेंड किए जाने पर राजा वड़िंग के लिए कहा- यह कार्रवाई उस प्रधान ने की, जिसे कोई नहीं मानता। राणा गुरजीत भी इसी नोटिस से चल रहे हैं। मेरी हाईकमान से बात हो रही है। हम चोरों का साथ नहीं देंगे। अगर 4-5 लोगों को हटा दें तो फिर देखेंगे।

गांजा तस्कर भाई से एमपी की मंत्री प्रतिमा बागरी ने झाड़ा पल्ला

● बोलीं- कोई भी अपने आप से रिश्तेदार बना लेता है

भोपाल (एजेंसी)। गांजे की तस्करी के मामले में गिरफ्तार भाई अनिल बागरी से नगरीय विकास एवं आवास मंत्री प्रतिमा बागरी ने पल्ला झाड़ लिया है। भाई की गिरफ्तारी के अगले दिन मंगलवार को खजुराहो में मीडिया के सवालों पर उन्होंने कहा- कोई भी अपने आप से रिश्तेदार बना लेता है। मेरा अनुरोध है कि पहले आप उसकी पुष्टि कर लें। तथ्यों की जानकारी के बाद ही बात करें।

दरअसल, सोमवार को सतना की रामपुर बघेलान पुलिस ने अनिल बागरी को गांजा तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया था।

अमरोहा में सोते समय माता-पिता के बीच दबा 26 दिन का मासूम, सुबह मिला बेजान शरीर

अमरोहा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले से झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। यहां पति और पत्नी अपने 26 दिन के बेटे के साथ सो रहे थे। मासूम बेटे को बीच में सुलाकर दोनों उसके अगल-बगल खुद लेट गए।

रात में सोते समय गहरी नींद में दोनों ने करवट बदली। इससे बच्चा अपने माता पिता के नीचे दब गया और उसका दम घुट गया। कुछ देर बाद महिला अपने बेटे को दूध पिलाने को उठी तो देखा बच्चे में कोई हरकत नहीं हो रही। महिला ने बच्चे को हिलाया-डुलाया, लेकिन कुछ हरकत नहीं दिखी तो उसके बाद उसने पति को जगाया। पति-पत्नी आनन फानन में 26 दिन के बच्चे को लेकर सीएचसी गजरौला पहुंचे, जहां डॉक्टर ने बच्चे का प्राथमिक चेकअप करने के बाद उसको मृत घोषित कर दिया। इकलौते बेटे की मौत की खबर सुनते ही पति-पत्नी फूट-फूटकर रोने लगे। अस्पताल में ही दोनों एक-दूसरे पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए झगड़ा करने लगे। परिवार के लोगों ने किसी तरह दोनों को समझा-बुझाकर शांत कराया। माता-पिता रोते बिलखते हुए अपने 26 दिन बच्चे के शव को अपने साथ घर ले गए।

देश की पहली स्लीपर वंदे भारत बिहार से

● पटना से दिल्ली 8 घंटे में, लग्जरी होटल जैसी फीलिंग, 160 किमी की स्पीड से दौड़ेगी

पटना (एजेंसी)। राजधानी सा आराम और वंदे भारत जैसी टेक्नोलॉजी, सबसे तेज रफ्तार, इसी महीने से पटना-नई दिल्ली के बीच वह ट्रेन चलने जा रही है, जिसका लोग लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। यह है वंदे भारत स्लीपर ट्रेन।

ट्रेन 160 किमी घंटे की रफ्तार से दौड़ रही हो तब भी कप में रखी चाय नहीं गिरेगी। यात्रियों को लग्जरी होटल सा आराम मिलेगा। नहाने के लिए गर्म पानी और टच फ्री टॉयलेट जैसी कई खास सुविधाएं होंगी।

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में होंगे 16 कोच- वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में 16 कोच होंगे। इनमें एसी3 के 11, एसी2 के 4 और एसी1 का 1 कोच होगा। कुल 827 सीट होंगी, जिनमें से एसी3 की 611, एसी2 की 188 और एसी1 की 24 सीट होंगी। मांग बढ़ने पर बोगियों की संख्या बढ़ाई जा सकती है। किराया राजधानी एक्सप्रेस के आसपास रखे जाने की उम्मीद है।

संक्षिप्त समाचार

यमुना एक्सप्रेसवे पर फिर घटेगी गाड़ियों की स्पीड लिमिट

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। यमुना एक्सप्रेसवे पर कोहरे के चलते गाड़ियों के लिए स्पीड लिमिट में बदलाव करने की तैयारी है। संभवत: यहां 15 दिसंबर से नई स्पीड लिमिट लागू हो जाएगी। हालांकि, यमुना प्राधिकरण की ओर से अभी मामले में पत्राचार नहीं किया गया है। सर्दियों में कोहरे के कारण सड़कों पर विजिबिलिटी कम होने से वाहन चलाना मुश्किल हो जाता है। ठंड के कारण सड़कों पर फिसलन रहने से दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए यमुना एक्सप्रेसवे पर स्पीड लिमिट कम करने की योजना बनाई है और इसे 15 दिसंबर से लागू करने पर विचार है। प्रबंधन ने सर्दियों के चलते हल्के वाहनों के लिए स्पीड लिमिट 100 किलोमीटर से घटाकर 75 किलोमीटर और भारी वाहनों के लिए 80 से घटाकर 60 किलोमीटर प्रति घंटे करने की तैयारी है। यमुना एक्सप्रेसवे के वरिष्ठ प्रबंधक जेके शर्मा ने बताया कि 15 दिसंबर तक फेरबदल किया जा सकता है। इसके लिए प्राधिकरण के पत्राचार का इंतजार है। वहीं, नोएडा सेक्टर-96 में बन रहे नोएडा प्राधिकरण् के नए दफ्तर के सामने से सेक्टर-98 स्काईमार्क की इमारत के पास तक फुटपाथ बनाया जाएगा। यह फुटपाथ दोनों तरफ बनेगा। यह फुटपाथ दोनों तरफ नौ किलोमीटर लंबा बनेगा। इसको बनाने के लिए नोएडा प्राधिकरण के सीईओ ने मंजूरी दे दी है। प्राधिकरण के नए दफ्तर के सामने के अलावा यह सड़क नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे से सटी हुई भी है। इसके निर्माण में 5 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट की 130 मीटर चौड़ी सड़क यमुना सिटी से जुड़ेगी

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट की 130 मीटर चौड़ी सड़क को यमुना सिटी से जोड़ने की योजना है। वर्ष 2026 में इस सड़क का निर्माण कार्य शुरू हो

सके इसे लेकर जल्द ही यमुना और ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण के अधिकारी बैठक करेंगे। यमुना विकास प्राधिकरण (यीडा) ने क्षेत्र में बनने वाली 25 किलोमीटर सड़क के लिए भूमि खरीद और सड़क का निर्माण एनएचएआई से कराने की योजना बनाई है। यह सड़क यमुना सिटी में सेक्टरों को आपस में जोड़ेगी, जो अलौंदा गांव से शुरू होकर एयरपोर्ट के पास से होकर एनसीआर प्लानिंग बोर्ड द्वारा प्रस्तावित पलवल-खुर्जा एक्सप्रेसवे से मिलेगी। 25 किलोमीटर लंबी सड़क के लिए प्राधिकरण करीब 812 एकड़ भूमि खरीदेगा। जमीन खरीद पर 1400 करोड़ से अधिक खर्च आएगा। सड़क के निर्माण में 300 करोड़ रुपये लगेंगे। सड़क को पूरा करने के लिए ग्रेटर नोएडा और यमुना विकास प्राधिकरण के अधिकारियों ने प्रस्ताव तैयार किए हैं। इनमें सड़क निर्माण में आने वाली कुल लागत का संयुक्त रूप से भुगतान करने तथा अपने अपने इलाके की जमीन अपने स्तर से खरीदने पर विचार किया गया है। अब जल्द ही बैठक कर सड़क को पूरा करने पर जोर दिया जाएगा, अधिकारी एक साथ बैठक ग्रेटर नोएडा वेस्ट से यमुना सिटी तक इस सड़क को पूरा करने की योजना तैयार करेंगे। यह सड़क यीडा के सेक्टर-11 के पास से सेक्टर-21 होते हुए यमुना एक्सप्रेसवे से मिलने वाले प्रस्तावित गंगा एक्सप्रेसवे को जोड़ने के लिए प्रस्तावित 74 किलोमीटर लंबे लिंक एक्सप्रेसवे से भी जुड़ेगी। इससे सेक्टरों का यमुना एक्सप्रेसवे के दोनों तरफ जुड़ाव हो जाएगा। वहीं, आगरा, मथुरा, अलीगढ़ की तरफ से आने वाले लोगों को भी परी चौक आने की जरूरत नहीं होगी।

पति ने खाना मांगा तो पत्नी ने चाकू से रेत दिया गला, मां-भाई से सास-सुसर को पिटवाया

बांदा, एजेंसी। यूपी के बांदा से एक हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। यहां खाना मांगने पर पति-पत्नी के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि पत्नी ने पति का चाकू से गला रेत दिया। यही नहीं मायकेवालों को बुलवाकर सास-ससुर को भी पिटवाया। घटना में पति गंभीर रूप से घायल हो गया। आरोप है कि मौके पर पहुंचे साले और सास ने घायल के पिता और मां को भी जमकर पीटा। खून से लथपथ पति को छोड़कर पत्नी घर से नगदी और मोबाइल लेकर चली गई। परिजनों ने गंभीर रूप से घायल युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

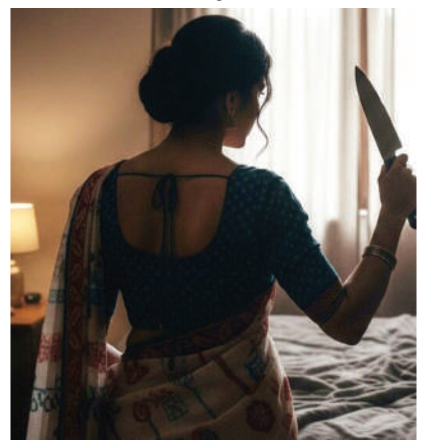

बिसंडा थाना क्षेत्र के घूरी गांव निवासी 28 वर्षीय बलराम पुत्र बच्ची मजदूरी करता है। शनिवार को वह मजदूरी करने गया था। शाम को वह मजदूरी करने के बाद घर लौटा उसने रात में पत्नी से खाना मांगा। इस पर पत्नी ने कहा कि खुद ही निकाल कर खा लो। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। बात मारपीट तक पहुंच गई। इसी दौरान पत्नी ने बलराम को जमीन पर गिरा दिया और चाकू से गला रेत दिया। वह लहूलुहान होकर तड़पने लगा। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। उसे पीएचसी में भर्ती कराया। इसी बीच पत्नी ने घटना की जानकारी अपनी मां और भाइयों को भी दे दी। सूचना पाकर वे मौके पर पहुंच गए। आरोप है कि तीनों ने घायल बलराम के पिता और मां माया को मारपीट कर जख्मी कर दिया।

बलराम का कहना है कि उसकी पत्नी घर में रखे दस हजार रुपये नगद और मोबाइल लेने के बाद मकान का ताला लगाकर अपने मायके चली गई। घायल ने मामले की तहरीर पुलिस को दी है। थानाध्यक्ष राममोहन राय का कहना कि आरोपी पत्नी, उसकी मां और दोनों भाइयों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है। जो भी तथ्य सामने आएंगे उनके आधार पर दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वित्त मंत्री के नाम पर दिया मुनाफे का लालच, फिर ठग लिए 42 लाख

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में ऑनलाइन ठगी का एक बड़ा मामला सामने आया है। इसमें सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक पर दिखाए गए एक भ्रामक विज्ञापन और फर्जी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के जरिए एक शख्स से लगभग 42 लाख रुपये की ठगी कर ली गई। इस मामले में पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने शिमला स्थित साइबर थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता ने बताया कि फेसबुक पर उन्हें एक वीडियो ऐड दिखाई दिया, जिसमें केंद्रीय वित्त मंत्री के नाम और फोटो का गलत इस्तेमाल करते हुए यह दावा किया गया था कि 22,000 रुपये निवेश करने पर हर दिन भारी मुनाफा कमाया जा सकता है। इसे सच मानते हुए शिकायतकर्ता ने 21,246 रुपये जमा कर दिए। इसके बाद उन्हें एक कॉल आया जिसमें बताया गया कि उनका रजिस्ट्रेशन हो गया है और उनके नाम से एक वेबसाइट पर ट्रेडिंग अकाउंट बना दिया गया है। शिकायतकर्ता को नियमित तौर पर जूम मीटिंग के माध्यम से ज्यादा निवेश करने के लिए प्रेरित और लालच दिया गया। शुरू में उन्हें 50,000 रुपये तक की छोटी रकम निकालने की अनुमति दी गई, जिससे उनका विश्वास और बढ़ गया। शिकायतकर्ता के ट्रेडिंग डैशबोर्ड पर बड़े मुनाफे दिखते रहे, जिससे उन्हें लगा कि उनके खाते में भारी लाभ जमा हो चुका है। जब उन्होंने पैसा निकालने की कोशिश की तो उनसे कहा गया कि धनराशि रिलीज करने से पहले कैपिटल गेन टैक्स जमा करना होगा। शिकायतकर्ता ने टैक्स के नाम पर और पैसे जमा किए, लेकिन बाद में उन्हें बताया गया कि एक्सचेंज रेट लैप्स होने के कारण रकम फंस गई है और उन्हें फिर से कैपिटल गेन टैक्स भरना पड़ेगा। अगले दिन एक ईमेल में उनसे स्ष्ठ को ढ्ढह्क्र में बदलने के लिए 15 फीसदी अतिरिक्त शुल्क जमा करने को कहा गया। इसके बाद उनके पास कई अज्ञात नंबरों से व्हाट्सएेप कॉल और संदेश आते रहे।

हरियाणा में पुलिस नियमों में बदलाव

मंत्रिमंडल ने दी मंजूरी

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा मंत्रिमंडल ने कांस्टेबल और उप-निरीक्षकों की भर्ती प्रक्रिया को अपडेट करने के लिए पंजाब पुलिस नियम, 1934 (हरियाणा में लागू) में बदलाव को सोमवार को मंजूरी दे दी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि ये बदलाव पंजाब पुलिस (हरियाणा संशोधन) नियम, 2025 के रूप में जारी किए जाएंगे। संशोधनों के अनुसार, शारीरिक माप परीक्षण (पीएमटी) और शारीरिक स्क्रीनिंग टेस्ट (पीएसटी) पास करने वाले उम्मीदवारों को हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा शॉर्टलिस्ट किया जाएगा।

आयोग अगले चरण ज्ञान परीक्षा के लिए रिक्तियों की संख्या के दस गुना उम्मीदवारों को बुलाएगा। ज्ञान परीक्षा का 97 प्रतिशत भारांक होगा और इसमें हिंदी और अंग्रेजी में वस्तुनिष्ठ, बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे। वहीं, सरकार ने प्रवर्तन तंत्र को मजबूत करने और अवैध खनन पर अंकुश लगाने के प्रयास के तहत खान एवं भूविज्ञान विभाग में पदों की संख्या 632 से बढ़ाकर 890 करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में यह निर्णय लिया गया। बयान में कहा गया कि मंत्रिमंडल ने युक्तिकरण आयोग की सिफारिशों को मंजूरी दे दी, जिसका गठन सरकारी विभागों में कर्मियों की जरूरतों की समीक्षा के लिए किया गया था। आयोग ने कई दौर के विचार-विमर्श के बाद खान एवं भूविज्ञान विभाग में स्वीकृत पदों की संख्या बढ़ाकर 848 करने की सिफारिश की थी। खान एवं भूविज्ञान मंत्री के साथ प्रस्ताव पर चर्चा के बाद, विभाग ने अपनी प्रवर्तन इकाई को और मजबूत करने के लिए 42 और पद जोड़ने का सुझाव दिया, जिससे कुल पदों की संख्या 890 हो गई।

आदित्य ठाकरे का दावा- एकनाथ शिंदे के 22 विधायक बदलेंगे पाला?

मुंबई, एजेंसी।
शिवसेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे ने सोमवार को दावा किया कि महायुति के एक सहयोगी दल के 22 विधायक महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के 'करीबी' हो गए हैं और पाला बदलने को तैयार हैं। उनका परोक्ष तौर पर इशारा उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना की ओर था। हालांकि, सीएम ने इस दावे से इनकार कर दिया है। साथ ही कहा है कि शिंदे सेना सहयोगी दल है।

जून 2022 में, शिंदे के नेतृत्व में विधायकों के विद्रोह के बाद शिवसेना विभाजित हो गई थी, जिसके परिणामस्वरूप तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था। बाद में, जनवरी 2024 में, विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने कहा था कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाला गुट 'असली' शिवसेना है, जो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उपमुख्यमंत्री अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के साथ राज्य में सत्तारूढ़ महायुति का एक घटक है।

आदित्य ठाकरे ने शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना का नाम लिए बिना दावा किया, 'सत्ता पक्ष की एक पार्टी है और दो गुट हैं। एक गुट के 22 विधायक मुख्यमंत्री के करीबी हो गए हैं। उनके पास अच्छा धन है और वे मुख्यमंत्री के इशारों पर नाचने लगे हैं।' उन्होंने विधान भवन परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए दावा किया कि 22 विधायक 'पाला बदलने को तैयार हैं।' वर्ली से विधायक ठाकरे ने कहा कि इन 22 विधायकों में से एक खुद को 'उप-कप्तान' कहता है। उनका परोक्ष तौर पर इशारा उद्योग मंत्री उदय सामंत की ओर था। अतीत में, शिवसेना (यूबीटी) ने दावा किया था कि शिंदे और अजित पवार के साथ सामंत राज्य के तीसरे मुख्यमंत्री हो सकते हैं। राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों में विपक्ष के

नेताओं की नियुक्ति को लेकर निष्क्रियता के मुद्दे पर, आदित्य ठाकरे ने सवाल किया कि सरकार विपक्ष के नेताओं से क्यों डरती है।

फडणवीस ने कहा, 'अगर कोई ऐसा कहता है, तो कल कोई और दावा कर सकता है कि आदित्य ठाकरे के 20 विधायक भी भाजपा के साथ हैं। सिर्फ कह देने से कुछ नहीं होता।' उन्होंने साफ किया है कि भाजपा को उनके विधायक लेने की कोई जरूरत नहीं है।

शिवसेना (यूबीटी) नेता भास्कर जाधव को उनकी पार्टी ने विधानसभा में विपक्ष के नेता के पद के लिए नामित किया है, लेकिन विधानसभाध्यक्ष द्वारा कैबिनेट स्तर की इस नियुक्ति पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है। शिवसेना (यूबीटी) 20 विधायकों के साथ निचले सदन में सबसे बड़ा विपक्षी दल है।

पूर्व में, जाधव ने राज्य विधानमंडल को पत्र लिखकर जानना चाहा था कि क्या ऐसा कोई नियम है जो यह अनिवार्य करता हो कि विपक्ष के नेता के पद पर दावा करने के लिए किसी विपक्षी दल के पास विधानसभा की कुल संख्या का 10 प्रतिशत (288 में से 29 सीट) होना चाहिए। पिछले साल राज्य विधानसभा चुनाव में विपक्ष की करारी हार के बाद, कोई भी पार्टी कुल 288 सीट में से 10 प्रतिशत सीट नहीं जीत सकी।

शिवसेना के पूर्व विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) अंबादास दानवे का विधान परिषद में विपक्ष के नेता के तौर पर कार्यकाल अगस्त में समाप्त हो गया था। कांग्रेस ने अपने एमएलसी सतेज पाटिल को उच्च सदन में विपक्ष के नेता के रूप में नियुक्त करने के लिए नामित किया है। राज्य विधान परिषद के सभापति राम शिंदे ने रविवार को कहा कि उनके कार्यालय को विपक्ष के नेता की नियुक्ति का प्रस्ताव मिला है।

उत्तर प्रदेश: शामली में पुलिस से मुठभेड़ में 50 हजार का इनामी डकैत ढेर, 23 से ज्यादा केस थे दर्ज

शामली , एजेंसी।
उत्तर प्रदेश के शामली जिले में हुई पुलिस मुठभेड़ में 50 हजार रुपए का इनामी डकैत समयदीन उर्फ सामा को मार गिराया गया। समयदीन मूल रूप से कांधला कस्बे का रहने वाला था, लेकिन लंबे समय से कर्नाटक के तुमकुर में छिपकर रह रहा था। उस पर उत्तर प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में 23 से अधिक गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज थे। समयदीन अक्टूबर में कांधला में मारे गए एक लाख के इनामी नफीस का साथी रह चुका था। नफीस के एनकाउंटर के बाद सामा पंजाब भाग गया था और वहां से लगातार पुलिस की पकड़ से बचता रहा। पुलिस को सूचना मिली कि थानाभवन थाना क्षेत्र के भेसानी के जंगलों में स्थित एक भट्टे पर समयदीन अपने साथियों के साथ डकैती की योजना बना रहा है। मौके पर टीम ने घेराबंदी की, लेकिन जैसे ही पुलिस आगे बढ़ी, बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में समयदीन गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मुठभेड़ के दौरान एक पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हुआ, जिसे जिला अस्पताल रेफर किया गया।

बाबरी थाना प्रभारी राहुल सिसोदिया की जैकेट पर भी गोली लगी, लेकिन वह सुरक्षित हैं। घटनास्थल से दो पिस्तौल, एक तमंचा और भारी मात्रा में कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस के अनुसार मौके पर करीब छह बदमाश मौजूद थे। गोलीबारी के बाद समयदीन के पांच साथी भागने में सफल रहे। पुलिस उनकी तलाश में जंगलों में सर्च ऑपरेशन चला रही है।

एसपी एनपी सिंह ने बताया, 'हमें सूचना मिली थी कि भट्टे के अंदर गैंग बैठा हुआ है। जैसे ही पुलिस ने घेराबंदी की, बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। हमारी जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश गंभीर रूप से घायल हुआ जिसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी मौत हो गई। एक पुलिसकर्मी भी गंभीर रूप से घायल है, जिसका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। आज एक बड़े बदमाश का अंत हुआ है।'

समयदीन पर उत्तर प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में 23 से अधिक मुकदमे दर्ज थे। पुलिस के अनुसार वह कई राज्यों में सक्रिय गिरोहों के साथ मिलकर डकैतियां और लूट की घटनाएं अंजाम देता था।

नए साल से गाजियाबाद की 11 पंचायतों को मिलेगी सीएससी की सौगात, एक छत के नीचे होंगे ये काम

गाजियाबाद , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए उनमें कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) बनाए जा रहे हैं। यह सर्विस सेंटर नए साल से शुरू हो जाएंगे। इन सेंटरों में विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्र, पेन कार्ड, पेंशन, राशन कार्ड से लेकर अन्य सुविधाएं मिल सकेंगी। जिले की पंचायतों में लोगों के जीवन को तकनीक के माध्यम से आसान बनाने के लिए कॉमन सर्विस सेंटर बनाए जा रहे हैं। प्रत्येक सेंटर को पांच लाख रूपये की लागत से बनाया जा रहा है। इन सेंटरों का संचालन जनवरी यानी नए वर्ष से शुरू किया जा सकेगा। इससे ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं से लेकर अपने विभिन्न कार्य कराने के लिए सुविधा मुहैया हो सकेगी। यह सेंटर नाहल, मोह डबारसी, तलहेटा और मुरादगाम पुर्सी, रिवाली कला, बड़का आरिफपुर, मोरटी, नूरपुर, मसूरी, कौशलिया, सादतनगर इकला ग्राम पंचायत में बनाए जा रहे हैं। पांच लाख रुपये की लागत से बन रहे इन केंद्रों को कंप्यूटर सिस्टम, इंटरनेट कनेक्शन और साफ-सुथरे कार्यालय के साथ ग्रामीणों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किए जा रहे हैं। प्लास्टर, बिजली फिटिंग और फर्नीचर का काम पूरा हो चुका है। अब तक ग्रामीणों को किसी भी प्रकार का प्रमाण पत्र बनवाने, पेंशन से जुड़ी प्रक्रिया पूरी करने, राशन कार्ड संशोधन कराने या पैन कार्ड बनवाने के लिए शहरों में स्थित साइबर कैफे या सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे।

ठाकुर का कोना

ब्रह्मानन्द ठाकुर

आम आदमी की पहुंच से दूर होती स्वास्थ्य सुविधा

विश्व स्वास्थ्य संगठन और वर्ल्ड बैंक द्वारा जारी संयुक्त रिपोर्ट में कहा गया है कि स्वास्थ्य पर खर्च के बोझ ने दुनिया भर में 1.6 अरब लोगों को गरीबी में धकेल दिया है। इस रिपोर्ट में यह भी खुलासा किया गया है कि दुनिया भर में अरबों लोगों की पहुंच स्वास्थ्य सेवाओं तक नहीं है। स्वास्थ्य सेवाओं के लगातार महंगे हो जाने के कारण आम लोग उसपर होने वाला खर्च वहन कर पाने में असमर्थ हैं। इसका मुख्य कारण दवाओं की अधिक लागत है। दुनिया में अब भी लगभग 4.6 अरब लोगों को अभी भी आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। रिपोर्ट में दिए गये आंकड़ों में कहा गया है कि भारत में 30.9 प्रतिशत लोग स्वास्थ्य पर खर्च में वित्तीय संकट का सामना कर रहे हैं। स्वास्थ्य सेवा सूचकांक में भारत का 100 में 69 अंक हैं। हम अपने राज्य बिहार के संदर्भ में बात करें तो यहां स्वास्थ्य सेवाओं का बड़ा बुरा हाल है। यहां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों की दशा बड़ी खराब है। अधिकांश पीएचसी और सीएचसी में तो मरीजों को ठीक से प्राथमिक चिकित्सा की सुविधा भी नहीं मिल पाती है। कतिपय गंभीर मामलों में मरीजों को मरहम पट्टी कर रेफर कर दिया जाता है। पीएचसी में सर्जन और पारा मेडिकल स्टाफ की कमी के कारण दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल मरीजों को ड्रेसिंग के बाद जिला अस्पताल में रेफर कर दिया जाता है। पीएचसी में तो ड्रेसर भी नहीं होते हैं। मुजफ्फरपुर के श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज अस्पताल में प्रायः हर रोज ऐसे मरीज पीएचसी और सीएचसी से रेफर किए जाते हैं। बदहाल सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां गरीब मरीजों के लिए ÷सस्ता और सुलभ इलाज÷ एक कल्पना बनकर रह गया है। गांव-कस्बों के अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी, दवाइयों का अभाव, टूटी मशीनें और जर्जर इमारतें आम बात हो चुकी हैं। वहीं दूसरी ओर, सरकारी अस्पतालों पर बोझ बढ़ता जा रहा है लेकिन संसाधन लगातार घट रहे हैं। इसी कमजोरी का फायदा उठाकर स्वास्थ्य सेवाओं का तेज़ी से निजीकरण किया जा रहा है। निजी अस्पताल अब स्वास्थ्य सेवा नहीं, बल्कि पूंजी निवेश के लाभकारी उद्योग में बदल चुके हैं। अस्पताल से लेकर एंबुलेंस तक सब कुछ कारोबार की तर्ज पर चलाया जा रहा है। कहीं भर्ती होने के नाम पर मोटी रकम वसूली जाती है, तो कहीं इलाज के नाम पर फर्जी टेस्ट और अनावश्यक ऑपरेशन कराए जाते हैं। सबसे दर्दनाक दृश्य तब देखने को मिलता है जब ऐसे निजी अस्पतालों में मृत मरीजों की लाशें बकाया बिल के भुगतान के नाम पर रोक ली जाती है। यही है बाजारीकरण का घिनौना चेहरा! निजी अस्पतालों की फीस गरीब तो क्या, मध्यम वर्ग की पहुंच से भी बाहर हो चुकी है। मामूली बीमारी का इलाज हजारों में और गंभीर बीमारी के इलाज का खर्च लाखों में पहुंच जाती है। गंभीर दुर्घटना, प्रसव या हार्ट अटैक जैसे मामलों में भी पहले पैसे जमा कराने का दबाव बनाया जाता है। कई जिंदगियां इसी प्रोटोकॉल के कारण चली जाती है। जब देश का गरीब केवल इस डर में जी रहा हो कि बीमारी हुई तो घर बिक जाएगा, तो यह सिर्फ स्वास्थ्य का संकट नहीं, बल्कि सिस्टम की विफलता है।

संक्षिप्त समाचार

रेलवे क्वार्टरों की होगी नापी, रेल कर्मियों पर दर्ज होगा एफआईआर

धनबाद, एजेंसी। पूजा टॉकीज के पास 20 डिसमिल जमीन को लेकर जिला परिषद और रेलवे के बीच विवाद गहराता जा रहा है। जिला परिषद ने हाल ही में चार लाख रुपये की लागत से जमीन की बाउंडरी करायी थी। रविवार को बाउंडरी पर जिला परिषद का नाम लिखवाया गया, लेकिन सोमवार सुबह तक किसी ने उस नाम को पूरी तरह मिटा दिया। इस घटना के बाद विवाद गहरा गया है। जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह ने इसे गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच का आदेश दिया है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जानकारी और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर पता चला है कि एक रेल कर्मी बाउंडरी के अंदर घुसकर पेंट कर रहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि इसी दौरान जिला परिषद का लिखा गया नाम मिटा दिया गया। उन्होंने कहा कि इस काम को नुकसान पहुंचाने और अतिक्रमण की कोशिश बताते हुए रेल कर्मियों के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराने की तैयारी की जा रही है। जिप अध्यक्ष शारदा सिंह ने कहा कि उक्त जमीन जिला परिषद की संपत्ति है और उसकी सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि रेलवे के क्वार्टर भी इसी क्षेत्र में बने हुए हैं। अंचलाधिकारी को नापी कराने के लिए पत्र लिखा जायेगा। उन्होंने कहा कि सरकारी संपत्ति से छेड़छाड़ गंभीर अपराध है और किसी भी स्तर पर सहन नहीं किया जायेगा। बाउंडरी पर से जिला परिषद का नाम मिटाने की घटना न सिर्फ संपत्ति पर दावा कमजोर करने की कोशिश है, बल्कि कानून व्यवस्था को चुनौती भी है।

होटलों, रेस्टोरेंट और बार में दूसरे दिन भी जांच, गड़बड़ी पर कई को नोटिस

धनबाद, एजेंसी। गोवा के एक नाइट क्लब में हुए दर्दनाक हादसे के बाद सुरक्षा को लेकर धनबाद पुलिस भी अलर्ट मोड में है। एसएसपी प्रभात कुमार के निर्देश पर सोमवार की रात दूसरे दिन भी जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों के होटलों, रेस्टोरेंट, कैफे, बार और मनोरंजन स्थलों पर व्यापक औचक जांच की गयी। पुलिस ने न सिर्फ प्रतिष्ठानों की संरचनात्मक सुरक्षा देखी, बल्कि फायर सुरक्षा उपकरणों की मौजूदा स्थिति, आग बुझाने वाले यंत्रों की वैधता, आपातकालीन निकास, सीसीटीवी कैमरों का कवरेज, विद्युत वायरिंग सिस्टम, धूम्रपान नियमों का पालन तथा कर्मचारियों की सुरक्षा जागरूकता का भी मूल्यांकन किया। बैंक मोड़, हीरापुर, सरायढेला, राजगंज, कतरास, झरिया और तेतुलमारी क्षेत्र में देर रात तक यह जांच अभियान चलता रहा। कई प्रतिष्ठानों में जहां सीसीटीवी और अग्निशमन व्यवस्था संतोषजनक मिली, वहीं कुछ स्थानों पर गम्भीर खामियां सामने आयीं। कई जगहों पर आग बुझाने वाले यंत्र या तो एक्सपायर्ड पाये गये या फिर कर्मचारियों को उनका उपयोग ही नहीं आता था। जिन प्रतिष्ठानों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी पायी गयी, उन्हें 48 घंटे के भीतर सुधार करके रिपोर्ट देने का निर्देश दिया गया है। ऐसा नहीं करने वालों पर पुलिस कार्रवाई ले तहत लाइसेंस निलंबन और आवश्यकतानुसार सील करने की प्रक्रिया शुरू करेगी। एसएसपी ने स्पष्ट कहा कि जनसमूह वाले जगहों पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं की जायेगी। पुलिस प्रशासन की प्राथमिकता नागरिकों की सुरक्षा है। नियमों का पालन नहीं करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह अभियान सिर्फ एक दिन की औपचारिकता नहीं, बल्कि निरंतर निरीक्षण प्रक्रिया का हिस्सा है। आने वाले दिनों में भी इसी प्रकार जांच जारी रहेगी और आवश्यकता पड़ने पर संयुक्त अभियान में नगर निगम, अग्निशमन विभाग और जिला प्रशासन को भी शामिल किया जाएगा।

प्रबंधन 24 घंटे में गैस रिसाव रोके, अन्यथा होगा चक्का जाम

केंदुआ, एजेंसी। केंदुआ में जहरीली गैस रिसाव की घटना के छठे दिन सोमवार को कुसुंडा एरिया गेस्ट हाउस परिसर में गैस की दुर्गंध आनेवाले स्थल पर मिट्टी भरायी की गयी। इधर दोपहर साढ़े बारह बजे केंदुआ पांच नंबर इमामबाड़ा के पास स्थानीय गैस प्रभावित लोग जुटे। उन लोगों ने यहां प्रेसवार्ता कर अपनी बात रखी। बताया कि बीसीसीएल प्रबंधन दबाव बना यहां से लोगों को विस्थापित करने पर जोर दे रहा है। प्रबंधन की मंशा गैस रिसाव रोकने की नहीं है। प्रबंधन ने छठे दिन भी गैस रिसाव रोकने के कोई ठोस प्रयास नहीं किये। यहां प्रभावित लोगों ने निर्णय लिया है कि अगर बीसीसीएल प्रबंधन ने गैस रिसाव रोकने के लिए 24 घंटे में कोई ठोस प्रयास नहीं किया गया तो पीबी एरिया के सभी खदानों का चक्का जाम किया जायेगा। स्थानीय लोगों ने कहा कि यहां दादा-परदादा के समय से रहते आ रहे हैं। बेलगड़िया में कोई साधन नहीं है। वहां जाने का कभी सोचा भी नहीं है। प्रशासन व बीसीसीएल प्रबंधन लोगों को नहीं डरायें। यहां से जाने से गैस रिसाव बंद नहीं होगा। सभी लोग यहां से हटाने की बात कर रहे हैं, गैस रिसाव को रोकने के लिए कोई काम नहीं किया जा रहा है। अंडरग्राउंड खदानों के पंखों को चालू किया जाये ताकि भूमिगत गैस निकल सके। गैस प्रभावितों ने कहा कि वर्ष 2002 में झरिया दौरे पर पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम ने कहा था कि यहां की आग को आबादी को हटाये बिना भी बुझाया जा सकता है।

झारखंड कैबिनेट ने दी 33 प्रस्तावों को मंजूरी

बालूमाथ में डिग्री कॉलेज के लिए 38 करोड़ रुपये स्वीकृत

रांची, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में सोमवार को प्रोजेक्ट भवन में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में कुल 33 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इस बैठक में बालूमाथ में डिग्री कॉलेज के निर्माण के लिए 38 करोड़ रुपये की स्वीकृति को विशेष रूप से अहम माना गया। बैठक के निर्णयों की जानकारी कैबिनेट सचिव वंदना डादेल ने दी।

बैठक में रिम्स के सरकारी सह-प्राध्यापकों को पदोन्नति देने का निर्णय लिया गया, जबकि गोड्डा सदर अस्पताल के एक चिकित्सा पदाधिकारी को निलंबित करने का भी प्रस्ताव मंजूर किया गया। इसके अलावा, राज्य में आधारभूत संरचना विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को भी हरी झंडी दी गई। गोड्डा में सड़क निर्माण के लिए 127 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई, वहीं साहेबगंज में पथ निर्माण के लिए 61 करोड़ रुपये मंजूर किए गए। डाल्टेनगंज-चैनपुर सड़क पर कोयल नदी के ऊपर नए पुल के निर्माण को भी मंजूरी मिली। गुमला जिले के बानो पथ के लिए 140 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई।

अन्य प्रमुख निर्णयों में वर्ष 2026 के सरकारी अवकाश कैलेंडर को मंजूरी, बांध सुरक्षा अधिनियम के तहत राज्य बांध सुरक्षा समिति के गठन की स्वीकृति और गिद्ध प्रजनन कार्यक्रम के लिए एमओयू की मंजूरी शामिल है। इसके अतिरिक्त एजी प्रतिवेदन को भी कैबिनेट की मंजूरी दी गई।

कैबिनेट के अनुसार, स्वीकृत प्रस्तावों का विस्तृत विवरण जल्द ही संबंधित विभागों द्वारा जारी किया जाएगा। माना जा रहा है कि ये निर्णय अगले वित्तीय वर्ष की तैयारियों को मजबूती देंगे और राज्य के विकास कार्यों को गति प्रदान करेंगे। सरकार ने संकेत दिया है कि रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और आधारभूत संरचना से जुड़े क्षेत्रों में आने वाले दिनों में और महत्वपूर्ण कदम उठाए जा सकते हैं। कैबिनेट ने 1 जुलाई 2019 से प्रभावी प्रोफेसर पदोन्नति को दी मंजूरी, रिम्स के 16 सह-प्राध्यापकों के प्रमोशन का रास्ता साफ रिम्स के अधीन कार्यरत सह-प्राध्यापकों के लिए लंबे समय से लंबित पदोन्नति प्रक्रिया आखिरकार आगे बढ़ गई है। राज्य कैबिनेट ने महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए रिम्स के सरकारी सह-प्राध्यापकों को 01 जुलाई 2019 से प्रभावी प्रोन्नति प्रदान करने की स्वीकृति दी है। इस फैसले से रिम्स के कुल 16 सह-प्राध्यापकों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा, जिन्हें अब प्राध्यापक (प्रोफेसर) पद पर पदोन्नत होने का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

करीब सात वर्ष से अटकी प्रक्रिया को मंजूरी मिलने के बाद रिम्स के डॉक्टरों में उत्साह है। वर्षों से लंबित यह प्रोन्नति न केवल उनके करियर ग्रोथ का हिस्सा थी, बल्कि वरिष्ठता, सम्मान और संस्थान में शैक्षणिक मजबूती के लिए भी अनिवार्य मानी जा रही थी। इस निर्णय के बाद अब डॉक्टरों को उम्मीद है कि विभाग की ओर से सरकारी अधिसूचना भी जल्द जारी होगी, जिससे उन्हें प्रोफेसर पद का लाभ औपचारिक रूप से मिल सकेगा।

प्रोन्नति की इस लड़ाई में सक्रिय भूमिका निभाने वाले डा. प्रभात कुमार ने कैबिनेट के निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि 'देर से ही सही, लेकिन सरकार ने एक अहम और सकारात्मक फैसला लिया है। इससे रिम्स के डॉक्टरों का मनोबल बढ़ेगा और संस्थान को भी शैक्षणिक मजबूती मिलेगी।'

उन्होंने विभागीय मंत्री, स्वास्थ्य सचिव और संबंधित अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि प्रोन्नति से जुड़ी आगे की प्रक्रिया जल्द ही पूरी कर ली जाएगी। डॉक्टरों का मानना है कि प्राध्यापक पद पर प्रमोशन मिलने से रिम्स में मेडिकल शिक्षा की गुणवत्ता और शोध क्षमता में भी सुधार होगा। वरिष्ठ विशेषज्ञों की बढ़ी संख्या से विभागों में शिक्षण-प्रशिक्षण मजबूत होगा और मरीजों के उपचार व चिकित्सा सेवाओं में भी सकारात्मक बदलाव आएगा।

उद्योगपति गौतम अडानी आज आयेंगे धनबाद, सेंटर आफ एक्सीलेंस का करेंगे उद्घाटन

धनबाद, एजेंसी। आइआइटी आइएसएम मंगलवार को अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने पर ऐतिहासिक उत्सव मनाने जा रहा है। यह दिन अत्यंत विशेष होगा, क्योंकि यह समारोह एक सदी की शैक्षणिक उत्कृष्टता, वैज्ञानिक योगदान और राष्ट्रीय सेवा के अद्वितीय सफर को सलाम करेगा। इस अवसर पर अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। मुख्य कार्यक्रम पेनमैन सभागार में आयोजित किया जायेगा। इस दौरान संस्थान में इनोवेशन व 100 साल के सफर पर आधारित एक शॉर्ट फिल्म दिखायी जायेगी। शुरुआत निदेशक प्रो सुकुमार मिश्रा और बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरपर्सन प्रो प्रेमव्रत के संबोधन से होगी। इसके बाद श्री अडानी का संबोधन होगा। मौके पर अकादमिक और संस्थागत सेवाओं में उत्कृष्ट योगदान देनेवालों को सम्मानित किया जायेगा। गौतम अडानी आइटूएच बिल्डिंग में अडानी ग्रुप द्वारा स्थापित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन करेंगे।

श्री अडानी के आगमन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद है। वह अपने चार्टर्ड प्लेन से दुर्गापुर आयेंगे। वहां से चॉपर से धनबाद आयेंगे। वह लगभग तीन घंटे तक आइआइटी आइएसएम में रहेंगे। इधर, नगर निगम व ट्रैफिक पुलिस ने सोमवार को ज्वाइंट स्पेशल ड्राइव चलाया। सिंफर गेट से सिटी सेंटर और सिटी सेंटर से पुलिस लाइन तक सड़क के दोनों किनारे से अतिक्रमण हटाये गये। अवैध निर्माण तोड़ डाले गये और कुछ लौह सामग्री जब्त की गयी। बताते चलें कि साल 1926 में देश के औद्योगिक और खनन क्षेत्र को तकनीकी समर्थन देने के उद्देश्य से स्थापित यह संस्थान आज इंजीनियरिंग, पृथ्वी विज्ञान, ऊर्जा, कंप्यूटिंग, प्रबंधन और पर्यावरण अध्ययन जैसे विविध क्षेत्रों में देश का महत्वपूर्ण शक्ति केंद्र बन चुका है। पिछले वर्षों में आइआइटी आइएसएम ने डिजिटल माइनिंग, उन्नत भू-स्थानिक तकनीक तथा महत्वपूर्ण खनिज अन्वेषण के रणनीतिक क्षेत्रों में राष्ट्रीय नेतृत्व स्थापित किया है।

दो हजार व्यावसायिक प्रशिक्षकों का फूटा गुस्सा, मानदेय संकट पर जेईपीसी ऑफिस में अनिश्चितकालीन धरना

रांची, एजेंसी। झारखंड के सरकारी प्लस-टू उच्च विद्यालयों में कार्यरत लगभग दो हजार व्यावसायिक प्रशिक्षक झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद (जेईपीसी) कार्यालय पहुंचकर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए। प्रशिक्षकों का आरोप है कि पिछले तीन से आठ महीनों से मानदेय नहीं मिलने के कारण गहरा आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने साफ चेतावनी दी है कि जब तक लंबित भुगतान नहीं किया जाता, तब तक धरना जारी रहेगा।

धरना दे रहे प्रशिक्षकों ने अपनी प्रमुख मांगों में लंबित मानदेय का तत्काल भुगतान, राज्य वित्त पोषित योजना के नवनियुक्त प्रशिक्षकों का मानदेय जल्द जारी करना और केंद्र सरकार द्वारा की गई मानदेय वृद्धि का अप्रैल 2025 से एरियर सहित भुगतान शामिल किया है। वे यह भी चाहते हैं कि मानदेय हर माह की 7 तारीख तक नियमित रूप से दिया जाए।

प्रशिक्षकों ने छात्रों की शिक्षा गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए। उनका कहना है कि व्यावसायिक शिक्षा में लैब मेंटेनेंस, रॉ मैटेरियल और अन्य संसाधनों की भारी कमी है। प्रशिक्षक श्रवण मेहता और करीमणि करकेटा ने बताया कि वे रोजाना चार-चार पाली में कक्षाएं लेते हैं, लेकिन आठ महीनों से वेतन न मिलने की वजह से उनका गुजारा बेहद मुश्किल हो गया है।

कई बार परियोजना कार्यालय में गुहार लगाने के बावजूद उन्हें सिर्फ़ आश्वासन और भ्रमित करने वाली बातें मिलीं। धरना स्थल पर प्रदेशभर से लगभग आठ सौ प्रशिक्षक मौजूद हैं। इसी बीच आजसू विधायक निर्मल महतो और बीजेपी विधायक रोशनलाल भी मौके पर पहुंचे और प्रशिक्षकों की मांगों को जायज़ बताते हुए सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। दोनों विधायकों ने कहा कि वे इस मुद्दे को विधानसभा के अंदर और बाहर जोरदार तरीके से उठाएंगे।

1971 युद्ध में शहीद माइकल मिंज का परिवार बदहाल

चतरा, एजेंसी। चतरा जिले के टंडवा प्रखंड के खंधार गांव में 1971 के भारत-पाक युद्ध के शहीद हुए माइकल मिंज का परिवार आज भी बदहाली में जीवन यापन कर रहा है। देश के लिए बलिदान देने के 54 साल बाद भी इनका परिवार सरकारी दावों के विपरीत मूलभूत सुविधाओं से वंचित है।

शहीद माइकल मिंज को भारत सरकार ने 16 दिसंबर 1999 को सर्वोच्च बलिदान सम्मान से सम्मानित किया था। हालांकि, उनके परिवार को अब तक न तो सरकार द्वारा घोषित पांच एकड़ जमीन मिली है और न ही किसी सदस्य को सरकारी नौकरी। परिवार आज भी मिट्टी के कच्चे मकान में रहने को मजबूर है।

पटना के फ्लैट पर भी दबंगों का कब्जा : शहीद की बहू पुष्पा एक्का और पोते सुमित मिंज ने प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। पुष्पा एक्का ने बताया कि परमवीर अल्बर्ट एक्का को बचाने के दौरान शहीद हुए माइकल मिंज की पत्नी अलबीना तिर्की को तत्कालीन बिहार सरकार ने पटना के लोहिया नगर में एक फ्लैट दिया था। उस फ्लैट पर आज किसी दबंग का कब्जा है।

इसके अलावा, टंडवा स्थित बहेरा पंचायत में दी गई पांच एकड़ जमीन भी परिवार को नहीं मिल पाई है। शहीद की पत्नी की मृत्यु के बाद उन्हें मिलने वाला पेंशन भी बंद हो गया। परिजनों का आरोप है कि उन्होंने कई विभागीय अधिकारियों से गुहार लगाई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। उन्हें कई सरकारी कार्यालयों में प्रवेश भी नहीं करने दिया गया।

शहीद के बेटे की हत्या, न्याय भी अधूरा : परिवार का दर्द यहीं खत्म नहीं होता। 2017 में शहीद के पुत्र अजय मिंज की कथित तौर पर दबंगों ने हत्या कर दी। परिजन आज तक न्याय के लिए भटक रहे हैं, पर हत्यारों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी। अजय मिंज सरकारी नौकरी पाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे थे, लेकिन सरकारी तंत्र से लड़ते-लड़ते उनकी भी जान चली गई। मानवाधिकार आयोग की प्रदेश अध्यक्ष प्रेमलता कहती हैं कि आज यह परिवार दो वक्त की रोटी तक के लिए जूझ रहा है। आवास योजना का लाभ तक नहीं मिला।

प्रशासन से अब मदद की उम्मीद : निराशा से घिरे परिवार को अब देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से उम्मीद है। समाजसेवी अमरदीप ने चतरा डीसी से मिलकर पूरे मामले की जानकारी दी है। राष्ट्रपति कार्यालय में याचिका देने का भरोसा दिलाया है। पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष मोहन कुमार साहा ने जांच कमेटी बैठाने की बात कही और कहा कि यदि परिवार को सरकारी सुविधाएं नहीं मिली हैं, तो संगठन हर संभव मदद करेगा।

एसडीएम ने बरडीहा क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ चलाया अभियान, की कार्रवाई

गढ़वा, एजेंसी। रविवार को सदर एसडीएम संजय कुमार ने बरडीहा प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध महुआ शराब निर्माण की मिल रही शिकायतों के मद्देनजर सघन छापेमारी की। इस क्रम में लोका गांव में बड़ी मात्रा में अवैध शराब निर्माण का अड्डा मिला। इस गांव में की गई छापेमारी के दौरान दो दर्जन से अधिक बड़े ड्रमों में भरी हुई अर्ध निर्मित जावा महुआ शराब मिली। जिनमें से करीब 10 ड्रम जमीन में गाड़कर छुपाए गए थे। जिन्हें एसडीएम ने अपनी टीम की सहायता से मौके पर ही निकलवा कर नष्ट कराया। छापेमारी स्थल पर बड़े पैमाने पर खौलती भट्ठियों और निर्माण सामग्री को देखकर स्पष्ट हुआ कि यहां लंबे समय से मिनी-फैक्ट्री जैसी व्यवस्था में अवैध शराब निर्माण जारी था। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि यह अवैध कारोबार पिछले चार-पांच वर्षों से संचालित हो रहा था और यहां से पूरे क्षेत्र में अवैध शराब की आपूर्ति की जाती थी। इस अवैध गतिविधि के स्थान तक पहुंचने के लिए एसडीएम एवं उनकी टीम को पैदल नदी पार कर काफी दूर चलना पड़ा।

इस कार्रवाई के दौरान एसडीएम के साथ कंचन प्रसाद, अनिल कुमार, रविंद्र पासवान, रमेश प्रसाद, राम प्यारे राम तथा प्रिंस कुमार भी उपस्थित रहे और अभियान में सक्रिय भूमिका निभाई। एसडीएम के लोका गांव पहुंचने की सूचना मिलते ही अवैध कारोबारी मौके से फरार हो गए। गांव के लोग प्रारंभ में जानकारी देने से हिचकिचाते दिखे। जिसके मद्देनजर एसडीएम ने संबंधित आबकारी एवं पुलिस अधिकारियों को विधिसम्मत आगे की कार्रवाई और शामिल व्यक्तियों की पहचान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। हालांकि बाद में स्थानीय जानकारी के अनुसार तीन लोगों पर निरोधात्मक कार्रवाई की जा रही है। इन लोगों में बसंत पासवान, पिंटू पासवान व संतोष पासवान शामिल हैं। एसडीएम ने कहा कि इतने बड़े पैमाने पर वर्षों से खुलेआम अवैध शराब निर्माण जारी रहना गंभीर चिंता का विषय है। यदि भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति पाई जाती है तो संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों के विरुद्ध भी कार्रवाई की अनुशंसा की जाएगी। छापेमारी के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हो गए थे। एसडीएम ने कहा कि अवैध शराब ग्रामीण क्षेत्रों में विधि-व्यवस्था एवं सामाजिक स्वास्थ्य दोनों के लिए बड़ी चुनौती बन चुकी है।

पलामू में मोटर पार्ट्स दुकान में लगी आग, 5 लाख रुपए से अधिक के नुकसान का अनुमान

पलामू, एजेंसी। पलामू जिले के हैदरनगर थाना क्षेत्र के इस्लामगंज में सोमवार को एक मोटर पार्ट्स और टायर की दुकान में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और कुछ ही देर में पूरी दुकान जलकर राख हो गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर हैदरनगर थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक दुकान में रखा सारा सामान नष्ट हो चुका था। दुकानदार खुर्शीद ने बताया कि इस घटना में उन्हें पांच लाख रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है। दुकान में रखे उपकरण, मशीनरी और अन्य सामग्री पूरी तरह जल गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दुकान के पास लगे बिजली मीटर में अचानक शॉर्ट सर्किट हुआ, जिसके बाद आग की लपटें तेजी से फैल गईं। आग लगने के दौरान दुकानदार खुर्शीद खुद ग्राहकों के साथ दुकान में मौजूद थे, लेकिन सभी ने समय रहते बाहर भागकर अपनी जान बचाई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पिछले कई महीनों से हैदरनगर क्षेत्र में लो और हाई वोल्टेज की गंभीर समस्या बनी हुई है। वोल्टेज में बार-बार उतार-चढ़ाव के कारण उपकरण जलने और शॉर्ट सर्किट से आग लगने की घटनाएं लगातार हो रही हैं। लोगों ने बिजली विभाग की लापरवाही को इस नुकसान का जिम्मेदार ठहराया है।

एक सप्ताह पहले भी हैदरनगर बाजार में शॉर्ट सर्किट के कारण एक ज्वेलरी और बर्तन की दुकान में आग लगी थी, जिसमें दुकानदार को लाखों रुपए का नुकसान हुआ था। इन लगातार हो रही घटनाओं से क्षेत्र के व्यवसायियों में दहशत का माहौल है।

रांची के तीन बस टर्मिनल की बदलेगी सूरत, सीएम हेमंत सोरेन ने दिए निर्देश, मिलेगी हाईटेक

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के तीनों बस टर्मिनल राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप संसाधनों और सुविधाओं से लैस होंगे। आईटीआई बस स्टैंड, सरकारी बस डिपो और बिरसा मुंडा बस टर्मिनल खादगढ़ा का कायाकल्प अब अब शीघ्र ही किया जाएगा।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शहरीकरण के कार्यों में तेजी लाने के क्रम में इन सभी टर्मिनलों के आधुनिकीकरण, नवीनीकरण और जीर्णोद्धार का निर्देश दिया है। इस कार्य को आरंभ करने के लिए विभागीय मंत्री सुदिव्य कुमार के निर्देश पर निविदा निकाल दी गयी है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर नगर विकास एवं आवास मंत्री सुदिव्य कुमार कुल 48.72 करोड़ रुपये व्यय करने की स्वीकृति पहले ही दे चुके हैं। इसमें आईटीआई बस स्टैंड के लिए 24.77 करोड़, सरकारी बस डिपो के लिए 20.19 करोड़ और बिरसा मुंडा बस स्टैंड के लिए 3.76 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गयी है है। मंत्री ने विभागीय प्रधान सचिव सुनील कुमार को जुडको के माध्यम से निविदा के शीघ्र निष्पादन का निर्देश दिया है।

वर्तमान में यात्रियों के लिए न्यूनतम सुविधाओं वाले इस बस स्टैंड को आधुनिक रूप में विकसित किया जाएगा। यह तीन एकड़ क्षेत्रफल में बनेगा, जिसमें 2330 वर्गमीटर ग्राउंड फ्लोर और 880 वर्गमीटर प्रथम तल पर टर्मिनल भवन होगा। बसों के परिचालन के लिए 13 बस वे बनाया जाएगा यहां 35 बसों के लिए स्टैंड बाई पार्किंग की सुविधा रहेगी। भूतल पर ड्राइवर कैंटीन, मेंटेनेंस शेड, गार्ड रूम, स्लाइडिंग प्रवेश द्वार, वातानिकुलित प्रतीक्षालय, कार, फूड कियोस्क, परिवहन कार्यालय, कैफेटेरिया, महिला एवं पुरुष शौचालय, ऑटो और ई-रिक्शा पार्किंग की सुविधा होगी।

प्रथम तल पर रेस्टोरेंट, प्रशासनिक भवन, टिकट काउंटर, चार डोरमेट्री, लाकर युक्त गेस्ट रूम तथा हरियाली के लिए लैंडस्केपिंग की व्यवस्था रहेगी। प्रति दिन 416 बसों का परिचालन सुनिश्चित किया गया है।

यह डिपो अब जर्जर अवस्था में है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर इसे 20.19 करोड़ रुपये की लागत से इंडियन रोड कांग्रेस के मानकों के अनुसार पुनर्निर्मित किया जाएगा। पुराने भवन को तोड़ कर नया टर्मिनल भवन बनाया जायेगा। यहां नए भवन में 1771 वर्गमीटर ग्राउंड फ्लोर और 845 वर्गमीटर प्रथम तल में सुविधाएं विकसित होंगी।

गार्ड रूम, मेंटेनेंस क्षेत्र, कैंटीन का प्रविधान होगा। यात्रियों के लिए डोरमेट्री, गेस्ट रूम, प्रतीक्षालय, फूड कियोस्क, शेडयुक्त बस-वे, टिकट काउंटर, परिवहन प्रबंधन कार्यालय, हेल्प डेस्क, 12 फ़ूड कियोस्क, कैफेटेरिया, रेस्टोरेंट, शौचालय तथा स्लाइडिंग गेट, कार व ऑटो स्टैंड जैसी सुविधाएं होंगी। आठ बस वे के जरिये रोजाना लगभग 512 बसों का परिचालन होगा।

इस बस स्टैंड को 3.76 करोड़ रुपये की लागत से और अधिक सुविधाजनक बनाया जाएगा। 11.6 एकड़ में फैले इस परिसर में 31 बस वे, 89 बसों व 70 कारों के लिए पार्किंग, स्मार्ट शेड, 50 बेड की डोरमेट्री, रेस्टरूम, स्नानागार, गेस्टहाउस, हाइमास्ट लाइट, बाउंड्री वॉल और महिला सुरक्षा की विशेष व्यवस्था की जाएगी। टेरेस एरिया की वाटर प्रूफिंग, पुराने टर्मिनल भवन का नया प्लास्टर एवं पेंटिंग, क्षतिग्रस्त टाइल्स का बदलाव, सभी वाटर टैप का परिवर्तन, सीसीटीवी, नए फर्नीचर, दो हाई वाल्यूम, लो स्पीड फैन लगाये जायेंगे। प्रधान सचिव सुनील कुमार ने जुडको को निर्देश दिया है कि तीनों बस टर्मिनलों के टेंडर का शीघ्र निष्पादन कर कार्य प्रारंभ किया जाए। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने के बाद रांची के बस टर्मिनल राज्य ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर के मॉडल स्टैंडर्ड पर नजर आएंगे, जहां यात्रियों को सुरक्षा, स्वच्छता और आधुनिक सुविधाओं का बेहतर अनुभव मिलेगा।

तियरपारा पंचायत को मिलेगा सांस्कृतिक विरासत को दर्शाने वाला प्रवेश द्वार

अमौर/पूर्णिया, संवाददाता। अमौर प्रखंड मुख्यालय के तियरपारा पंचायत में जल्द ही एक भव्य प्रवेश द्वार का निर्माण शुरू होने वाला है। पंचायत की अलग पहचान गढ़ने और क्षेत्र के सौंदर्य में नया आयाम जोड़ने की दिशा में यह पहल की जा रही है। मुखिया राजेश कुमार विश्वास ने बताया कि यह प्रवेश द्वार केवल ईंटङ्गारे का ढांचा नहीं होगा, बल्कि पंचायत की सांस्कृतिक विरासत, गरिमा और सामूहिक पहचान को दर्शाने वाला प्रतीक बनेगा। मुखिया ने ग्रामीणों संग चर्चा करते हुए कहा कि इस प्रवेश द्वार से पंचायत में प्रवेश करने वाले हर व्यक्ति को गांव की मर्यादा, परंपरा और विकास की झलक मिलेगी। मुख्य मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों के लिए भी यह आकर्षण का केंद्र बनेगा और तियरपारा पंचायत की पहचान को एक नई परिभाषा देगा। ग्रामीणों ने इस पहल के लिए मुखिया राजेश कुमार विश्वास के प्रति आभार जताया। बैठक के दौरान मुखिया ने चल रही विकास योजनाओं और पंचायत स्तर पर प्रगति कर रहे कार्यों की भी विस्तार से चर्चा की।

चौकीदार योगेंद्र राय नहीं रहे, थाना परिसर में शोक परेड आयोजित

अमौर/पूर्णिया, स्वराज खबर। थाना में कार्यरत चौकीदार योगेंद्र राय के निधन की खबर से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है। इलाज के दौरान उनकी मौत हो जाने की सूचना मिलते ही अमौर थाना परिवार समेत स्थानीय लोग गमगीन हो उठे। वहीं मंगलवार को थाना परिसर में थानाध्यक्ष अवधेश कुमार के नेतृत्व में शोक परेड का आयोजन किया गया, जिसमें सभी पुलिस पदाधिकारी, चौकीदार एवं दफादार मौजूद रहे। सभी ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। बताया जाता है कि चौकीदार योगेंद्र राय अपने मृदुल स्वभाव, कार्य के प्रति गंभीरता और कर्तव्यनिष्ठा के लिए जाने जाते थे। वे पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे और पूर्णिया में उनका इलाज चल रहा था, जहां उपचार के दौरान उनका निधन हो गया। उनके असमय चले जाने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वे अपने पीछे भराङ्पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन से अमौर थाना परिवार ने एक समर्पित और कर्तव्यनिष्ठ सहयोगी को खो दिया है, जिसकी कमी लंबे समय तक महसूस की जाएगी।

लीबीया में फंसे प्रो. संजीव की भारत वापसी के लिए मानवाधिकार आयोग से गुहार

मुजफ्फरपुर, स्वराज खबर। पटना के राजेंद्र नगर इलाके के निवासी प्रोफेसर डॉ.संजीव धारी सिन्हा लीबीया के यूनिवर्सिटी में अंग्रेजी विभाग में प्रोफेसर हैं, जो वापस बिहार आने के लिए वर्ष-2014 से ही प्रयास कर रहे हैं, लेकिन वे अपने वतन वापस नहीं लौट पा रहे हैं। प्रोफेसर सिन्हा भारतीय दूतावास की लापरवाही का खामियाजा भुगत रहे हैं। लीबीया के त्रिपोली यूनिवर्सिटी में सेवा देते रहने के बावजूद 2014-15 और 2015-16 में कागजी कार्रवाई पूरी नहीं की गई। वीजा की दुश्वारियों के कारण 2017 में त्रिपोली यूनिवर्सिटी ने उन्हें 39 माह की बजाय सिर्फ 21 माह का ही वेतन दिया, जो उस दौरान वीजा नहीं होने के कारण हवाला के दायरे में है। अलमेरगिब यूनिवर्सिटी में भी सेवा के दौरान उन्हे वैध वीजा नहीं दिया गया। बगैर वीजा विदेशों में सेवा गैरकानूनी है। उस दौरान अर्जित राशि विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम के दायरे में होंगी और पूरी सैलरी हवाला के दायरे में होंगी। प्रो. सिन्हा ने मानवाधिकार मामलों के अधिवक्ता एस.के.झा से फोन पर बात कर मदद की गुहार लगाई हैं। तत्पश्चात् मानवाधिकार अधिवक्ता एस.के.झा ने इस संबंध में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग और बिहार राज्य मानवाधिकार आयोग के समक्ष दो अलग-अलग याचिका दायर की हैं। मानवाधिकार मामलों के अधिवक्ता एस.के.झा ने बताया कि प्रो.डॉ.संजीव धारी सिन्हा के मामले में सरकार गंभीर नहीं हैं, कारण कि विशेष स्थिति में पूर्व की तिथि से वीजा देने का प्रावधान हैं, लेकिन इसके लिए संबंधित संस्थान और सरकार की भूमिका अहम हैं। लेकिन इस मामले में सरकार गंभीर नहीं हैं, जिस कारण प्रोफेसर सिन्हा की वतन वापसी संभव नहीं हो पा रही है। यह मानवाधिकारों का उल्लंघन हैं। हालांकि मामले के संबंध में लीबीया के उपशिक्षा मंत्री ने पहल भी की तथा अलमेरगिब विश्वविद्यालय ने भी सैलरी उनके एकाउंट में भेजने पर सहमति दे दी लेकिन भारतीय दूतावास की सुस्ती के कारण मामला सुलझ नहीं रहा है। सिर्फ वैध तरीके से पूरी अवधि के वीजा मिलने पर ही उनकी वतन वापसी संभव हैं। वहीं मानवाधिकार मामलों के अधिवक्ता एस.के.झा ने कहा कि प्रो. डॉ.संजीव धारी सिन्हा की सुरक्षित व सकुशल वतन वापसी अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कानून के अनुसार हर हाल में सुनिश्चित होनी चाहिए।

जानकीनगर को प्रखंड बनाने की मांग हुई तेज

बनमनखी/पूर्णिया, स्वराज खबर। जानकीनगर को प्रखंड बनाने की मांग एक बार फिर ज़मीन पर तेज़ी से उभरने लगी है। तीन दशक से अधिक समय से लंबित यह मुद्दा अब स्थानीय जनप्रतिनिधियों और आम लोगों की प्राथमिकता बन गया है। वर्षों से चली आ रही इस अपेक्षा के पूरे न होने से पश्चिमी क्षेत्र के लोगों में गहरी नाराज़गी देखी जा रही है। पंचायत समिति सदस्य बीरबल कुमार, किशोर कुमार, लूसी कुमारी, अभय पासवान, सोनी कुमारी, कुमारी पूनम और सिया चरण ऋषि ने कहा कि सन् 1990 में तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने जनमानस की भावना को सम्मान देते हुए जानकीनगर को प्रखंड बनाने की घोषणा की थी। लेकिन समय बीतते-बीतते यह पहल भी अन्य अधूरी योजनाओं की तरह फाइलों में धूल खाती रह गई। प्रतिनिधियों के अनुसार, बनमनखी अनुमंडल में फिलहाल केवल एक प्रखंड होने के कारण ग्रामीण इलाकों के लोगों को हर छोटे-बड़े काम के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। करीब 36 किलोमीटर में फैले इस क्षेत्र में पश्चिमी हिस्से के लोग, खासकर विद्यार्थी और महिलाएं, 25 से 30 किलोमीटर की यात्रा करके बनमनखी पहुंचते हैं। इससे स्कूल-कॉलेज, सरकारी कागजात, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं और शिकायतों के निपटारे के काम में अनावश्यक देरी होती है। जनप्रतिनिधियों ने यह भी कहा कि पश्चिमी क्षेत्र की करीब 10 पंचायतें लगातार नई प्रशासनिक इकाई की मांग उठाती रही हैं, लेकिन इसके बावजूद अभी तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। स्थानीय विकास योजनाओं पर भी इसका सीधा असर पड़ रहा है, जिससे क्षेत्र पिछड़ता जा रहा है। उन्होंने बिहार सरकार से मांग की कि जनता की तकलीफों और वर्षों से लंबित उम्मीदों को देखते हुए जानकीनगर को तत्काल प्रखंड का दर्जा दिया जाए। साथ ही चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द निर्णय नहीं लिया, तो जनआंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

आगजनी कांड में दो गिरफ्तार, बाकी आरोपियों की तलाश जारी

केनगर /पूर्णिया, स्वराज खबर। केनगर थाना क्षेत्र के काझा पंचायत में 24 सितंबर 2025 की शाम हुई दिल दहला देने वाली आगजनी की घटना एक बार फिर सुर्खियों में है। गाँव में फैली इस बर्बर वारदात के बीच पुलिस ने सोमवार की देर रात दो नामजद आरोपियों को धर दबोचा, जबकि शेष अभियुक्त अब भी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। थानाध्यक्ष मुन्ना कुमार पटेल ने बताया कि गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी—गाँव निवासी 60 वर्षीय उमेश पाल और उनका 35 वर्षीय पुत्र राजेश कुमार पाल घटना के बाद से लगातार फरार चल रहे थे। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर दोनों को पकड़ लिया और मंगलवार को आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया। घटना के संबंध में वादी उमेश महलदार ने आरोप लगाया था कि 24 सितंबर की शाम करीब साढ़े सात बजे उनके घर पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी गई, जिससे घर पूरी तरह जलकर खाक हो गया। उन्होंने 25 सितंबर को थाने में आवेदन देकर कुल सात लोगों—उमेश पाल, सुरेश पाल, राजेश पाल, जीवछ पाल, मुकेश पाल, सुवेश पाल और हिमांशु पाल—को नामजद किया था, जिसके आधार पर कांड संख्या 239/2025 दर्ज की गई।

ग्रामीणों के अनुसार घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस का कहना है कि फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए विशेष टीम सक्रिय है और जल्द ही सभी अभियुक्त कानून के दायरे में होंगे।

दैनिक जीवन में कार्बोहाइड्रेट की भूमिका पर लाभकारी व्याख्यान

आज की भागदौड़ भरी जीवन में संतुलित आहार आवश्यक है: प्रो दिलीप चौधरी

दरभंगा, स्वराज खबर। सीएम साइंस कॉलेज के पीजी रसायन विभाग द्वारा मासिक व्याख्यान शृंखला के अंतर्गत दूसरा व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि प्रो. दिलीप कुमार चौधरी, डीन विज्ञान संकाय एवं रसायन विभागाध्यक्ष, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय ने मंचासीन अतिथियों के साथ दीप प्रज्जवलन के साथ की। मौके पर छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत मनमोहक स्वागत गीत ने कार्यक्रम में गरिमामयी वातावरण का सृजन किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य प्रो संजीव कुमार मिश्र ने की। इस अवसर पर विभाग के अध्यक्ष सह कार्यक्रम संयोजक डॉ. वी डी त्रिपाठी ने अतिथियों का स्वागत करने के क्रम में विषय प्रवेश कराते हुए कहा कि कार्बोहाइड्रेट हमारे स्वस्थ जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह मानव शरीर की प्रत्येक क्रिया में सक्रिय भूमिका निभाता है।

कार्यक्रम के दौरान दो पुस्तकों का लोकार्पण भी किया गया। पहली पुस्तक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी आईपैक्स-25 पर आधारित है, जिसे प्रो. दिलीप कुमार चौधरी एवं डॉ. वी. डी. त्रिपाठी द्वारा संपादित किया गया है। जबकि दूसरी पुस्तक बेसिक आईटी टूल्स है, जिसे महाविद्यालय के भौतिकी विभाग के दिवंगत पूर्व सहायक प्राध्यापक डॉ. अजय कुमार ठाकुर एवं डॉ वी डी त्रिपाठी ने मिलकर लिखा है। मुख्य अतिथि प्रो. चौधरी ने अपने संबोधन में कार्बोहाइड्रेट के वैज्ञानिक महत्व और उसके संतुलित सेवन की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में संतुलित आहार का महत्व और भी बढ़ गया है, जिसके केंद्र में कार्बोहाइड्रेट जैसे पोषक तत्त्व उपलब्ध हैं।

मुख्य वक्ता के रूप में आईआईटी, पटना के प्रो.अमित कुमार ने प्रस्तावित विषय दैनिक जीवन में कार्बोहाइड्रेट विषय पर व्याख्यान देते हुए शरीर में ऊर्जा संरक्षण, प्रतिरक्षा प्रणाली, खाद्य पदार्थों में कार्बोहाइड्रेट की विविधता सहित औद्योगिक और औषधीय उपयोग से जुड़े वैज्ञानिक पहलुओं पर विस्तृत एवं रोचक व्याख्यान दिया।

अध्यक्षीय संबोधन में प्रधानाचार्य प्रो संजीव कुमार मिश्र ने उनके द्वारा किए गये इस शैक्षणिक पहल में शिक्षकों की सकारात्मक भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियां विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की बौद्धिक क्षमता को विकसित करते हुए उनकी प्रतिभा को संपूर्णता प्रदान करती हैं। अपना विचार रखते हुए लनामिवि के उप कुलसचिव- द्वितीय डॉ. मनीष कुमार ने कहा कि प्रधानाचार्य द्वारा शुरू किया गया यह शैक्षणिक कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बनकर भविष्य में विज्ञान शिक्षा के क्षेत्र में नए अध्याय गढ़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

रसायन विभाग की शिक्षिका डॉ. निधि झा संचालन व धन्यवाद ज्ञापन डॉ ए हरिनाथ ने किया। आयोजन को सफल बनाने में डॉ. शाकिर अहमद, डॉ. अनित कुमार, डॉ. फहीमुल हसन, डॉ. इरशाद अहमद, डॉ. गौतम कुमार साह, डॉ. पांशु प्रतीक, डॉ. आदित्य नाथ झा, शिवशंकर झा, डॉ. रोहित कुमार झा, प्रवीण कुमार झा, जयकांत कामती, जय नारायण यादव, कुमार राजर्षि, विकास कुमार, गोपाल सिंह, अनुपम शेखर सिंह आदि रही।

दिलीप जायसवाल का आज का पूर्णिया दौरा

पूर्णिया की उम्मीदें अब भाषणों से नहीं, फैसलों से मापी जाएंगी

पूर्णिया, स्वराज खबर। पूर्णिया आज एक ऐसे राजनीतिक और आर्थिक पल के इंतज़ार में खड़ा है, जो इस पूरे इलाके की दिशा निर्धारित कर सकता है। उद्योग मंत्री बनने के बाद भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल का यह पहला पूर्णिया दौरा है, और शहर का कोना-कोना इस आगमन की तैयारियों का गवाह बन चुका है। मुख्य सड़कों पर टंगे विशाल बैनर, स्वागत संदेशों से सजे होर्डिंग्स और चौक-चौराहों का राजनीतिक रंग यह सब मिलकर इस बात का संकेत दे रहे हैं कि पूर्णिया ने इस यात्रा को केवल एक औपचारिक राजकीय कार्यक्रम की तरह नहीं लिया, बल्कि इसे अपने औद्योगिक भविष्य की परीक्षा के रूप में देखा है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. ए.के. गुप्ता ने दिलीप जायसवाल के दौरे को निर्णायक बताते हुए कहा कि पूर्णिया अब ÷वायदे के मौसम÷ से आगे बढ़ना चाहता है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि उद्योग मंत्री के रूप में जायसवाल जिस भरोसे और अनुभव के साथ काम कर रहे हैं, उससे यह स्वाभाविक उम्मीद है कि इस बार पूर्णिया को केवल आश्वासन नहीं बल्कि ठोस औद्योगिक पहल मिलेगी। स्थानीय स्तर पर खाद्य प्रसंस्करण, एग्रो-बेस्ड इंडस्ट्री, टेक्सटाइल यूनिट और स्वस्थ्य क्लस्टर विकसित करने की संभावना पहले से ही मौजूद है, जरूरत सिर्फ एक मजबूत प्रशासनिक धक्के की है।

भाजपा नेत्री पिंकी गुप्ता ने भी शहर की उम्मीदों को स्पष्ट शब्दों में सामने रखा। उन्होंने कहा कि पूर्णिया आज ऐसे दौर में है जहां ÷विकास÷ का अर्थ केवल सड़क, पुल या भवन निर्माण नहीं, बल्कि रोजगार पैदा करने वाली औद्योगिक संरचना से है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि उद्योग मंत्रालय यदि पूर्णिया में निवेश-अनुकूल वातावरण तैयार करे तो यह इलाका न केवल बिहार बल्कि पूरे पूर्वी क्षेत्र के लिए औद्योगिक पावर सेंटर बन सकता है।

इन तैयारियों और बयानों के बीच एक बात निर्विवाद रूप से उभरकर सामने आती है, पूर्णिया अब ÷उम्मीदों÷ के मोड से निकलकर ÷परिणाम÷ की पगडंडी पर चलना चाहता है। यही वजह है कि दिलीप जायसवाल का यह दौरा जनता की नजर में एक साधारण मंत्री-यात्रा नहीं, बल्कि एक परीक्षा है—नीतियों की भी, नेतृत्व की भी, और उस संकल्प की भी जो बिहार को औद्योगिक रूप से मजबूत बनाने का दावा करता है। शहर तैयार है, जन-प्रतिनिधि तैयार हैं, कारोबारी वर्ग तैयार है। अब सवाल सिर्फ इतना है कि क्या उद्योग मंत्री भी उसी दृढ़ता के साथ तैयार हैं, जिसकी पूर्णिया को जरूरत है।

मातृत्व सुरक्षा अभियान की दस्तक से ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा को मिली नई रफ़्तार

धमदाहा /पूर्णिया, स्वराज खबर। धमदाहा प्रखंड के अतिरिक्त प्राथमिक उप स्वास्थ्य केंद्र चिकनी डुमरिया में प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षा अभियान का आग़ाज़ ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए एक मजबूत संकेत बनकर उभरा। पंचायत के मुखिया उमेश दास, अनुमंडलीय अस्पताल प्रभारी डॉ. नेहा भारती, डॉ. रंजीत रंजन और डॉ. उमेश कुमार ने संयुक्त रूप से फीता काटकर कार्यक्रम को शुरू किया। अभियान के पहले ही दिन चिकनी डुमरिया, चंपावती, दमैली, राजघाट और गरैल पंचायतों से पहुँची 80 महिलाओं ने जांच, परामर्श और आवश्यक दवाइयाँ प्राप्त की। लंबे समय से मातृ स्वास्थ्य सेवाओं में व्यापक सुधार की मांग कर रहे ग्रामीणों के लिए यह आयोजन भरोसे की नई लकीर खींचता दिखाई दिया।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. नेहा भारती ने कहा कि नवनिर्मित स्वास्थ्य केंद्र अब प्रत्येक माह की 9, 15 और 21 तारीख को नियमित रूप से मातृत्व सुरक्षा अभियान के लिए समर्पित रहेगा। इससे करीब 50,000 की आबादी को अस्पताल के भीतर बेहतर और सहज चिकित्सा सुविधा मिल पाएगी।

उन्होंने बताया कि केंद्र में फिलहाल दो चिकित्सक प्रतिदिन सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक ओपीडी सेवा संचालित कर रहे हैं। ग्रामीण इलाकों में डॉक्टरों की उपलब्धता अक्सर चुनौती रही है, ऐसे में यह स्वास्थ्य केंद्र अब एक मजबूत विकल्प बनकर उभर रहा है।

मौके पर डॉ. रंजीत कुमार, डॉ. एस.पी. सिंह, तत्कालीन प्रबंधक विकल कुमार, बीसीएम विनोद कुमार, एएनएम सुमन भारती, पूनम कुमारी, आशा कार्यकर्ता आशा कुमारी और आशा फैसिलिटेटर टीम मौजूद रही, जिन्होंने अभियान को सुचारू संचालन में अहम भूमिका निभाई।

सरकार के खजाने पर पहला अधिकार आपदा पीड़ितों का है: प्रो विनय चौधरी

बहेड़ी/दरभंगा, स्वराज खबर। स्थानीय विधायक प्रो विनय कुमार चौधरी ने मंगलवार को बहेड़ी प्रखंड अंतर्गत समधपुरा पंचायत के अधारपुर गांव पहुंचकर तीन अग्नि पीड़ित महिलाओं को आपदा राहत मद से 12-12 हजार रुपए का चेक प्रदान किया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए कहा कि पीड़ित मानवता की सेवा से बढ़कर दुनिया में कोई दूसरा पुण्य या कर्म नहीं है। और हमारे लोकप्रिय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का स्पष्ट मानना है कि सरकार के खजाने पर पहला अधिकार आपदा पीड़ितों का है। जिसके तहत ही आज घटना के तीन दिनों के अन्दर सभी अग्नि पीड़ित को राहत राशि उपलब्ध करा दी गई है। श्री चौधरी ने कहा कि बहुत पुराने लोग यहां उपस्थित हैं जो दो दशक पुरानी बात बताएंगे जो सरकार से राहत राशि पाना कितना मुश्किल था। विधायक श्री चौधरी ने इस दौरान अधारपुर गांव के मीना कुमारी, चनर देवी एवं सुरती देवी जिनके घर में विगत सात दिसम्बर को अचानक आग लगने से संपति सहित घर जल गई थी उन्हें राहत राशि का चेक हस्तगत कराया। मौके पर युवा जदयू जिलाध्यक्ष राम शंकर सिंह, जदयू प्रखंड अध्यक्ष विपिन कुमार, भाजपा नेता लालबहादुर सिंह, संतोष साह, राजस्व कर्मचारी अमित कुमार, मनीष कुमार, अंकित झा, विदेश्वर मांझी, मोहन सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

मुंबई प्रवास के दौरान सम्मानित हुए भाजपा महामंत्री संजय सिंह

दरभंगा, स्वराज खबर। दरभंगा पूर्वी जिला भाजपा के महामंत्री संजय कुमार सिंह उर्फ़ पप्पू सिंह को मुंबई प्रवास के दौरान विभिन्न स्थानों पर सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान उनके सामाजिक योगदान, संगठन के प्रति समर्पण और क्षेत्रीय विकास में निरंतर सक्रिय भूमिका के लिए दिया गया।

मुंबई के दहिसर विधानसभा परिसर स्थित मुंबई बिहार प्रकोष्ठ कार्यालय में अलीनगर और दरभंगा जिले के प्रवासियों ने श्री सिंह का गर्मजोशी से स्वागत किया। उपस्थित लोगों ने समाज, संगठन और प्रवासी परिवारों के बीच उनकी सक्रिय भागीदारी व सतत सेवा की सराहना की।

गुजरात से मुंबई लौटते समय नालासोपारा विधानसभा क्षेत्र के विरार वेस्ट में भी स्थानीय समर्थकों और साथियों ने उन्हें सम्मानित किया। इस सम्मान को श्री सिंह ने अविस्मरणीय और हृदयस्पर्शी बताया।

इस अवसर पर महासचिव संजय सिंह ने कहा, आप सभी का स्नेह, अपनापन और विश्वास मेरे लिए सर्वोच्च प्रेरणा शक्ति है। यह सम्मान मुझे समाज और क्षेत्र की सेवा के लिए नई ऊर्जा प्रदान करता है। मैं आप सभी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। यह सम्मान व्यक्तिगत नहीं, बल्कि पूरे दरभंगा जिले की सामाजिक एकता और प्रवासी समाज की शक्ति का प्रतीक है।

अवैध हथियार एवं मादक पदार्थ के साथ सुपारी किलर गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर, स्वराज खबर। पुलिस ने सुपारी लेकर हत्या करने की योजना बना रहे तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 3 पिस्टल, 4 कारतूस, 49 पुड़िया स्मैक समेत एक मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन बरामद किया गया है। यह जानकारी एसएसपी कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है।गिरफ्तार अपराधकर्मी का पूर्व में आपराधिक इतिहास रहा है।

गरहाँ ओपी प्रभारी को गुप्त सूचना मिली थी कि सुपारी लेकर हत्या करने के लिए तीन अपराधकर्मी अपराध की योजना बना रहे है। प्राप्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए गरहाँ थाना की गश्ती दल तथा थाना पर उपस्थित अन्य पुलिस पदाधिकारियों द्वारा थाना क्षेत्र में भ्रमणशील होकर सघन जांच अभियान शुरू किया गया। उसी क्रम में गरहाँ थाना के पास मिर्जापुर कट, पटियासा के नजदीक तीन अपराधकर्मी संदिग्ध गतिविधियों के साथ पाए गए। तीनों अपराधकर्मियों द्वारा उनके पास मौजूद अवैध हथियार से पुलिस पर हमला करने का प्रयास किया गया, जिसका सामना पुलिस टीम काफी मुस्तैदी से करते हुए घटना पर काबू पा लिया। तथा तीनों अपराधकर्मियों गौरव निखिल पिता ललन कुमार सिंह ग्राम बेलागोपी थाना गायघाट, रोहित कुमार उर्फ रवि पिता शंकर महतो मुहल्ला अखाड़ाघाट चौक एवं सावन कुमार पिता बिन्दा सहनी मुहल्ला दादर कोलहुआ। गिरफ्तार अपराधकर्मी द्वारा अपने स्वीकारोक्ति बयान में गायघाट के संभावित मुखिया प्रत्याशी की हत्या करने हेतु 03 लाख रूपये की सुपारी लेने की बात स्वीकार की गई है।

बड़हरा कोठी प्रखंड कार्यालय का एसडीओ ने किया औचक निरीक्षण

धमदाहा/पूर्णिया, स्वराज खबर। धमदाहा अनुमंडल पदाधिकारी अनुपम ने मंगलवार को बड़हरा कोठी प्रखंड सह अंचल कार्यालय में औचक निरीक्षण कर प्रशासनिक व्यवस्था की वास्तविक तस्वीर सामने ला दी। बिना किसी पूर्व सूचना के पहुंचे एसडीओ ने आरटीपीएस काउंटर, आधार नामांकन केंद्र, अंचल कार्यालय, प्रखंड कार्यालय तथा एफसीआई गोदाम का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान कई विभागों में सुस्ती और अव्यवस्था साफ झलकती दिखी। निरीक्षण के क्रम में एसडीओ ने आरटीपीएस काउंटर और आधार केंद्र को तत्काल पूर्ण रूप से क्रियाशील करने का निर्देश देते हुए स्पष्ट शब्दों में कहा कि ऽजनता से जुड़े कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।ऽ

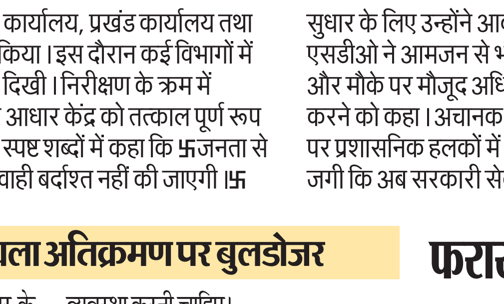

उन्होंने संबंधित कर्मियों को लंबित कार्यों के शीघ्र निष्पादन का कड़ा आदेश दिया। इसके बाद एसडीओ अनुपम गौरीपुर पंचायत सरकार भवन पहुँचे, जहाँ उन्होंने अभिलेखों, पंचायत स्तरीय योजनाओं, कार्य प्रगति और व्यवस्था की बारीकी से जांच की। स्वच्छता व्यवस्था, अभिलेख रखरखाव और सेवा वितरण प्रणाली में सुधार के लिए उन्होंने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीओ ने आमजन से भी बातचीत की, समस्याओं की जानकारी ली और मौके पर मौजूद अधिकारियों को उनका त्वरित समाधान सुनिश्चित करने को कहा। अचानक हुए इस निरीक्षण से प्रखंड और पंचायत स्तर पर प्रशासनिक हलकों में हलचल मची रही, वहीं स्थानीय लोगों में उम्मीद जगी कि अब सरकारी सेवाओं में सुधार दिखेगा।

पटना के बिहटा में चला अतिक्रमण पर बुलडोजर

पटना, एजेंसी। बिहार में नई सरकार के गठन के बाद से अवैध कब्जे और निर्माण के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में पटना के बिहटा में भी अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। पटना जिलाधिकारी के आदेश पर दानापुर की एसडीएम दिव्या शक्ति के नेतृत्व में यह कार्रवाई शुरू की गई। अभियान के तहत सड़क के दोनों ओर किए गए अवैध अतिक्रमण को बुलडोजर से ध्वस्त किया गया। बिहटा नगर परिषद क्षेत्र में बिहटा चौक से लेकर बिहटा डोमनिया पुल बाजार तक सड़क के दोनों किनारों पर हुए अवैध कब्जों को हटाया गया। इस दौरान स्थानीय अंचल अधिकारी राकेश कुमार सिंह और पुलिस टीम मौके पर मौजूद रही। इस कार्रवाई पर स्थानीय निवासी अजय कुमार पिंटू ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई सही है, लेकिन गरीब दुकानदारों के लिए नगर परिषद प्रशासन को ऑप्शनल व्यवस्था करनी चाहिए।

नगर परिषद क्षेत्र में वेंडिंग जोन बनाने की मांग – स्थानीय अजय कुमार पिंटू ने बिहटा नगर परिषद क्षेत्र में वेंडिंग जोन बनाने की मांग की, ताकि सभी दुकानें एक जगह लग सकें। बिहटा में लगने वाले जाम की समस्या का समाधान हो सके। उन्होंने बताया कि बिहटा नगर परिषद बने चार साल हो गए हैं, लेकिन अभी तक वेंडिंग जोन और पार्किंग जैसी कोई व्यवस्था नहीं की गई है, जिसके कारण जाम की स्थिति लगातार बिगड़ रही थी। अंचलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने बताया कि अतिक्रमण के कारण लगातार बिहटा में जाम की स्थिति बन रही थी। पटना जिला प्रशासन और दानापुर अनुमंडल प्रशासन के निर्देश पर बिहटा नगर परिषद क्षेत्र में अवैध कब्जा किए गए निर्माण को प्रशासन के बुलडोजर जरिए हटाया गया है और आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

फरार आरोपियों के घर ढोल-नगाड़े के बीच चिपका कुर्की-जब्ती का इश्तेहार

बड़हरा कोठी/पूर्णिया, स्वराज खबर। रघुवंशनगर थाना पुलिस ने हत्या कांड के फरार आरोपियों—विक्रम कुमार और खेलानंद साह के खिलाफ निर्णायक कदम उठाते हुए मंगलवार को महिखण्ड वार्ड संख्याङ्3 स्थित उनके घरों पर ढोल-नगाड़े की गूंज के बीच विधिवत कुर्की-जब्ती का इश्तेहार चिपकाया। कार्रवाई स्थल पर मौजूद पुलिस टीम ने पूरे इलाके में कानून का संदेश स्पष्ट कर दिया कि फरारी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

थानाध्यक्ष शिशुपाल कुमार ने बताया कि दोनों आरोपी लंबे समय से फरार चल रहे हैं और बार-बार के नोटिस के बावजूद आत्मसमर्पण नहीं किया। ऐसे में न्यायिक प्रक्रिया के तहत उनके विरुद्ध कुर्की-जब्ती की कार्यवाही आगे बढ़ाई जा रही है।

गौरतलब है कि 6 सितंबर 2025 को महिखण्ड नवटोलिया में महज 220 रुपये की उधारी को लेकर हुई कहासुनी ने एक भयावह रूप ले लिया था। जानकारी के अनुसार, अशोक राय पर खेलानंद साह की किराना दुकान का 220 रुपये बकाया था। उसी दिन अपराह्न तीन बजे जब अशोक राय दुकान पर तंबाकू लेने पहुँचे, तो दुकानदार ने उधार चुकाने का दबाव बनाया। मामूली विवाद ने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया और आरोपितों द्वारा की गई निर्मम पिटाई में अशोक राय की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद मृतक के पुत्र राम कुमार ने रघुवंशनगर थाना में कांड संख्या 104/25 दर्ज करवाया था। तभी से दोनों मुख्य आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं।पुलिस की सख्त कार्रवाई के बाद इलाके में यह संदेश गया है कि अपराध कर बच निकलने की कोई राह नहीं, आत्मसमर्पण ही उनका एकमात्र विकल्प है।

संक्षिप्त समाचार

दबंगों ने किया फौजी की जमीन पर कब्जा

हलोर। ठाकुरपुर मजरे भटसरा निवासी मुर्तजा अली भारतीय सेना के नायब सूबेदार हैं। महाराजगंज तहसील दिवस के दौरान उन्होंने पैतृक भूमि पर भू माफिया की ओर से अवैध कब्जा कर निर्माण कराने की शिकायत की। इस मामले में नायब सूबेदार के भाई असगर अली ने सोशल मीडिया के माध्यम से प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री से न्याय की अपील की है। उच्च स्तर तक शिकायत पहुंचने के बाद रायबरेली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शिवगढ़ थाना प्रभारी को जांच के आदेश दिए हैं। उप जिलाधिकारी गौतम सिंह ने बताया कि शिकायत मिली है, राजस्व टीम को कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

'उदय' से बिजली कंपनियों की हालत सुधरी

लखनऊ। आईआईएम लखनऊ के एक ताजा अध्ययन में सामने आया है कि केंद्र सरकार की उज्ज्वल डिस्कॉम एश्योरेंस योजना (उदय) ने देश की बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) की आर्थिक स्थिति को काफी हद तक बेहतर बनाया है। यह योजना उन कंपनियों के कर्ज का बड़ा हिस्सा राज्य सरकारों को सौंपकर और राज्य समर्थित बॉन्ड जारी करके उनके वित्तीय बोझ को कम करने पर आधारित थी। यह अध्ययन एनर्जी पॉलिसी जर्नल में प्रकाशित हुआ है और इसे आईआईएम लखनऊ के प्रो. डी. त्रिपाठी राव, प्रो. हिमाद्री शेखर चक्रवर्ती और रिसर्च स्कॉलर प्रतीक बिस्वास ने मिलकर तैयार किया है। टीम ने एक विशेष मॉडल की मदद से योजना लागू होने से पहले और बाद के नतीजों की तुलना की। अध्ययन में यह भी सामने आया है कि पुरानी और बड़ी बिजली कंपनियों को इस योजना से ज्यादा फायदा हुआ। उदय के बाद डिस्कॉम का कुल कर्ज कम हुआ, मुनाफा बढ़ा और कैश फ्लो स्थिर हुआ। इससे कंपनियों को रोजमर्रा के खर्च संभालने और महंगे कर्ज पर निर्भरता घटाने में मदद मिली। प्रो. राव ने कहा कि उदय योजना ने कंपनियों को कर्ज के चक्र से बाहर निकलने में मदद की है लेकिन दीर्घकालिक सुधार के लिए बिजली ढांचे का आधुनिकीकरण, डिजिटल ग्रिड, नवीकरणीय ऊर्जा और मजबूत निगरानी बेहद जरूरी है। यह अध्ययन पावर सेक्टर में सुधारों पर चल रही राष्ट्रीय चर्चा में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

कटरा-बिल्हौर हाईवे पर हादसा, अज्ञात वाहन ने बाइक को मारी टक्कर

कानपुर , एजेंसी। हरदोई जिले के मल्लावां कोतवाली क्षेत्र में काम कर घर वापस जा रहे बाइक सवार को किसी वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने उसे सीएचसी पर भर्ती कराया, जहां पर चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए हरदोई भेजा है। कोतवाली क्षेत्र के गांव भड़वल सलेमपुर निवासी कृष्णपाल सिंह उर्फ राजू (28) पुत्र अर्जुन सिंह कस्बे की एक निजी पैथोलॉजी पर काम करता था। सोमवार की रात करीब आठ बजे वह बाइक से घर वापस जा रहा था। कटरा-बिल्हौर हाइवे पर स्थित गौरी चौराहे से कुछ दूरी पर उसकी बाइक मे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने घटना की सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस ने उसे सीएचसी पहुंचाया। यहां पर चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिजनों मे कोहराम मच गया। मृतक की पांच वर्ष पूर्व शादी हुई थी और उसकी तीन साल की एक बेटी है। मृतक की पत्नी प्रीती कटियार समेत परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। कोतवाल शिवाकांत पाण्डेय ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

उधार दी रकम वापस मांगने पर जानलेवा हमला

लखनऊ , एजेंसी। दुबग्गा में उधार दी रकम वापस मांगने पर दबंग ने बेगरिया के अनीस पर जानलेवा हमला कर दिया। उनकी बेटी मुस्कान की तहरीर पर पुलिस ने हत्या के प्रयास की धारा में एफआईआर की है। मुस्कान के अनुसार कुछ समय पहले पिता ने छंदोइया खेरवा निवासी आहिद को दस हजार रुपये उधार दिए थे। उसने जल्द रकम लौटाने की बात कही थी, लेकिन बाद में मुकर गया। दबाव बनाने पर पांच दिसंबर को आहिद ने अनीस को छंदोइया कब्रिस्तान के पास बुलाया। इसके बाद वह उन्हें बातों में उलझाकर पुराने खंडहर ले गया और रॉड से हमला कर दिया। अनीस बेहोश हो गए, फिर भी वह हमला करता रहा। अनीस को मरा समझकर भाग निकला। अनीस रातभर वहीं पड़े रहे।मुस्कान ने बताया कि छह की सुबह पड़ोसी तौसीफ ने उनके भाई सुहेल को जानकारी दी। सुहेल व घरवाले मौके पर पहुंचे और पिता को अस्पताल में भर्ती कराया। उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। इंस्पेक्टर अभिनव वर्मा के मुताबिक दो टीमें टीम आरोपी के घर में दबिश दे रही हैं।

रक्त से होगी कैंसर की पहचान छह घंटे में मिलेगा परिणाम

आईवीआरआई के वैज्ञानिकों ने बनाई किट

बरेली, एजेंसी। बरेली के इज्जतनगर स्थित भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के वैज्ञानिकों ने रक्त के नमूने से कैंसर की पहचान के लिए मल्टीपल एलाइजा किट विकसित की है। श्वानों पर इसका परीक्षण सफल रहा। यह किट शुरुआती स्टेज में ही कैंसर की पहचान करने में सक्षम है। यह छह घंटे में परिणाम देती है। वैज्ञानिकों ने वरिष्ठ कैंसर विशेषज्ञ डॉ. आरके चितलांगिया के सहयोग से मानव रक्त के सौ नमूनों का भी इस किट से परीक्षण किया। परिणाम सकारात्मक रहे। डॉ. चितलांगिया ने शोध का दायरा बढ़ाते हुए डेढ़ से दो हजार लोगों के सैंपल की जांच का सुझाव दिया है।

आईवीआरआई के इम्युनोलॉजी विभाग की प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सोनल, डॉ. समीर श्रीवास्तव और उनकी टीम ने सात वर्ष तक चले शोध के बाद किट विकसित करने में सफलता पाई। डॉ. सोनल के मुताबिक, कैंसर से मृत्यु दर कम करने के लिए समय पर इसकी पहचान और निदान बेहद जरूरी है। इसी दिशा में सात वर्ष पूर्व शोध शुरू किया गया था।

डॉ. सोनल ने बताया कि विकसित मल्टीपल एंटीजन एलाइजा किट श्वानों में कैंसर की पहचान में सक्षम है। यह किट कैंसर संबंधी कई बायोमार्कर को एक साथ पहचानने के लिए डिजाइन की गई है। यह रक्त के नमूने की जांच से ही कैंसर की शुरुआत की आशंका दर्शाती है।

जितनी जल्दी होगी पहचान, इलाज भी होगा प्रभावी

विकसित किट का इस्तेमाल रूटीन स्क्रीनिंग में भी कर सकते हैं। जितनी जल्दी कैंसर की पहचान होगी, इलाज उतना ही प्रभावी होगा। डॉ. सोनल के मुताबिक, प्रयोगशाला में कैंसर वैक्सीन और टारगेटेड थेरेपी के विकास पर भी शोध चल रहा है। कैनाइन मैमरी कैंसर की कई सेल लाइनों के विकास में भी सफलता हासिल की है। ये भविष्य में इलाज और अनुसंधान में अहम साबित होंगी।

प्रदूषण, कीटनाशक से श्वानों में कैंसर की आशंका

डॉ. सोनल के मुताबिक, हाल के वर्षों में कुत्तों में कैंसर तेजी से बढ़ा है। लंबे समय तक प्रदूषण और हानिकारक रसायनों के संपर्क में रहने, उम्र बढ़ने पर प्रतिरोधक क्षमता कम होने, मिलावटी और असंतुलित आहार के सेवन और अनुवांशिक परिवर्तन इसकी अहम वजहें हैं।

प्रधानाचार्य से नाराज बच्चे सड़क पर उतरे

लखनऊ , एजेंसी। बख्शी का तालाब। राजकीय इंटर कॉलेज सैरपुर की प्रधानाचार्य पर बच्चे की पिटाई का आरोप लगाकर सोमवार को 150 स्कूली बच्चों ने रैथा अंडर पास के नजदीक आउटर रिंग रोड पर प्रदर्शन किया। कार्रवाई की मांग पर अड़े बच्चे बीडीओ पूजा पांडेय को ज्ञापन देने के बाद स्कूल लौटे। बच्चों का आरोप है कि पार्किंग न होने पर बच्चे कहीं भी साइकिल खड़ी कर देते हैं तो प्रधानाचार्या उन्हें प्रताड़ित करती हैं। सोमवार को इसी बात पर छठवीं के बच्चे को थप्पड़ मार दिया। इसके अलावा बच्चों से धूप में झाड़ू लगवाई जाती है। प्रधानाचार्य शीला चौहान ने बताया कि जुलाई 2025 में उन्होंने जॉइन किया है। इस दौरान 100 बच्चों के दाखिले हुए हैं। इंटर कॉलेज एक शिक्षा का मंदिर है, उसकी तरक्की कुछ लोगों को पच नहीं रही है।

नीले ड्रम वाली मुस्कान का खौफः पति बोला- विधवा मां का अकेला सहारा हूं, जोखिम नहीं लूंगा, पत्नी प्रेमी संग भेजी

मेरठ , एजेंसी। मेरठ के सरूरपुर क्षेत्र में पति, पत्नी और प्रेमी की त्रिकोणीय कहानी उस समय ट्विस्ट आया, जब पति ने अपनी पत्नी को उसके प्रेमी के साथ पकड़ लिया और फिर उसे कमरे में बंद कर पुलिस को बुला लिया। लेकिन असली मोड़ तब आया, जब थाने में पत्नी प्रेमी के साथ जाने पर अड़ गई और पति ने भी उसे रोकने से इनकार कर दिया। युवक का कहना था कि वह अपनी विधवा मां का इकलौता सहारा है और उसे डर है कि कहीं उसकी पत्नी भी नीले ड्रम वाली मुस्कान की तरह प्रेमी के साथ मिलकर उसकी हत्या न कर दे। मुस्कान कांड का खौफ इतना गहरा था कि आखिरकार महिला को उसके प्रेमी के साथ भेज दिया गया।

जानकारी के मुताबिक, सरूरपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में महिला से मिलने के लिए उसका प्रेमी आया, प्रेमी को पति ने कमरे में बंद कर दिया और पुलिस बुला ली। थाने में चले ड्रामे के बीच जब पत्नी प्रेमी के संग जाने की जिद पर अड़ी रही तो उसके पति ने भी अपनी जान का खतरा जताते हुए उसे प्रेमी के साथ जाने के लिए कह दिया। पति बोला कि उसके पिता नहीं है, उसे डर है कि कहीं उसकी पत्नी नीले ड्रम वाली मुस्कान की तरह ही कहीं उसकी हत्या न कर दे। इसके बाद समाज के लोगों ने महिला को उसके प्रेमी के साथ भेज दिया।

मुजफ्फरनगर के एक गांव निवासी युवती की शादी तीन साल पहले सरूरपुर थाना क्षेत्र के एक निवासी युवक के साथ हुई थी। शादी के कुछ दिन बाद ही महिला का गांव निवासी युवक के साथ प्रेम प्रसंग हो गया। अक्सर महिला रात के समय अपने प्रेम को मिलने के लिए बुलाया करती थी। रविवार रात महिला ने अपने प्रेमी को मिलने के लिए अपने घर पर बुलाया। इसी बीच उसके पति को किसी के घर में घुसने की भनक लग गई। महिला के पति ने युवक को एक कमरे में बंद कर पुलिस को सूचना दे दी। मौके पर पहुंची पुलिस महिला और उसके प्रेमी को थाने ले गई। महिला के पति ने कॉल कर पत्नी के मायके पक्ष के लोगों को भी थाने पर ही बुला लिया।

इस दौरान तीनों पक्षों के लोगों की थाने पर भीड़ जमा हो गई। महिला की करतूत सुनकर उसके मायके पक्ष के लोगों ने भी साथ छोड़ दिया। जबकि महिला के पति ने बताया कि उसके पिता नहीं हैं। वह अपनी विधवा मां का इकलौता सहारा है। उसे डर है कि जिस तरह से मेरठ में नीले ड्रम वाली मुस्कान ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी थी कहीं उसकी पत्नी भी अपने प्रेमी के साथ मिलकर उसकी हत्या न कर दे। इसके चलते उसने भी महिला को अपने साथ ले जाने से इन्कार कर दिया।

घंटों चले ड्रामे के बीच महिला प्रेमी के साथ जाने की जिद पर अड़ी रही। इसके बाद समाज के लोगों ने मजबूरन महिला को उसके प्रेमी के साथ जाने का फैसला किया। दोनों पक्षों ने रजामंदी के बाद पुलिस कार्रवाई से इन्कार कर दिया।

सीओ सरधना आशुतोष कुमार का कहना है कि मामले की जानकारी की जा रही है। जानकारी कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।मेरठ में प्रेमी संग मिलकर मुस्कान ने की थी पति की हत्या

लंदन के एक मॉल में काम करने वाला सौरभ राजपूत पूर्व में नेवी मर्चेंट में काम करता था।

सिंगापुर के बाद जापान से निवेश पर फोकस, यमुना एक्सप्रेसवे किनारे 500 एकड़ में बसेगी 'जापानी सिटी'

लखनऊ , एजेंसी। जापानी निवेश को उत्तर प्रदेश की ओर आकर्षित करने के प्रयासों को और गति देते हुए इन्वेस्ट यूपी ने जापान में भारतीय दूतावास के साथ अपने समन्वय को मजबूत किया है। इसी क्रम में इन्वेस्ट यूपी की जापान डेस्क ने अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी शशांक चौधरी के नेतृत्व में जापान स्थित भारतीय दूतावास के उप मिशन प्रमुख आर. मधु सूदन के साथ एक अहम रणनीतिक बैठक आयोजित की।

बैठक के दौरान शशांक चौधरी ने उत्तर प्रदेश को जापानी उद्योगों के लिए एक भरोसेमंद और पसंदीदा निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार जापानी निवेशकों को सुगम और अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के लिए संस्थागत सहयोग को प्राथमिकता दे रही है।

सक्रिय सहभागिता लगातार बढ़ाई जा रही

इस दिशा में यामानाशी प्रीफेक्चरल सरकार, जापान बाह्य व्यापार संगठन, भारतङ्कजापान वाणिज्य एवं संस्कृति परिषद तथा कांसाई औषधि उद्योग संघ जैसे प्रमुख जापानी संस्थानों के साथ सक्रिय सहभागिता लगातार बढ़ाई जा रही है।

इन्वेस्ट यूपी के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने दूतावास को अवगत कराया कि उत्तर प्रदेश में मोटर वाहन और मूल उपकरण निर्माण, इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली अभिकल्प व विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, सूचना प्रौद्योगिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं तथा औषधि उद्योग जैसे क्षेत्रों में जापानी कंपनियों की रुचि तेजी से बढ़ रही है।

'जापानी सिटी' परियोजना पर कार्य जारी

उन्होंने यह भी बताया कि यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में प्रस्तावित 'जापानी सिटी' परियोजना पर कार्य जारी है, जिसे लगभग 500 एकड़ में एक समर्पित औद्योगिक और आवासीय केंद्र के रूप में विकसित किया जाना है।

उप मिशन प्रमुख आर. मधु सूदन ने इन्वेस्ट यूपी के प्रयासों की सराहना करते हुए निवेश प्रोत्साहन के लिए निरंतर संवाद और नियमित अनुवर्ती कार्रवाई पर जोर दिया। उन्होंने विश्वास जताया कि इन पहल से उत्तर प्रदेश में जापानी निवेश को नया बल मिलेगा और भारतङ्कजापान आर्थिक साझेदारी और सशक्त होगी।

बहन को ही कर दिया बदनाम...सौतेले भाई ने की घिनौनी हरकत, मां को भी न आई शर्म

आगरा , एजेंसी। आगरा के थाना छत्ता क्षेत्र की निवासी 24 वर्षीय युवती से रंजिश रख उसके सौतेले भाई ने फर्जी इंस्टाग्राम और फेसबुक आईडी बनाकर बदनाम करने की नीयत से आपत्तिजनक बातें लिख कर फोटो पोस्ट कर दिए। पीड़िता का नंबर भी फोटो के साथ पोस्ट कर दिया। अंजान नंबरों से लोग कॉल कर उल्टी सीधी बातें करने लगे। पोस्ट की जानकारी होने पर परेशान पीड़िता ने पुलिस से शिकायत की। आरोप लगाया कि मां की बचपन में मौत होने के बाद पिता ने दूसरी शादी कर ली और अलग रहने लगे। नानी ने उनका पालन पोषण किया। सौतेला भाई उससे रंजिश मानता है। बदनाम करने के लिए उसने यह कृत्य किया है। इंस्पेक्टर छत्ता ने बताया कि आरोपी सौतेले भाई और सौतेली मां पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

75 वर्ष बाद माघ मेले में बन रहा ऐसा संयोग, महाकुंभ जैसा पुण्य माघ में स्नान करने से होगा प्राप्त

प्रयागराज , एजेंसी। संगम की रेती पर तंबुओं के शहर में इस बार माघ मेले में ऐसा अद्भुत संयोग बन रहा है कि जो लोग महाकुंभ में नहीं आ सके। ऐसे लोग इस माघ मेले में आकर पुण्य के भागी बन सकते हैं। अमावस्या और बसंत पंचमी के दिन इस वर्ष पहली बार 75 वर्षों के बाद यानि 76 वें वर्ष में सूर्य मकर राशि में अपने ही दिन यानी प्रवेश कर रहे हैं जिससे माघ मेले में अद्भुत संयोग बना रहा है। यही वजह है कि खाक चौक के साधु संत माघ मेला को मिनी कुंभ की तर्ज पर तैयारियों में जुटे है। संतों में खासा उत्साह हैं। गुजराज, महाराष्ट्र , राजस्थान, बिहार प्रदेशों के लोगों के

साथ ही जनकपुर नेपाल सहित कई देशों से श्रद्धालु स्नान करने पहली बार आ रहे हैं।

इस बात का दावा करते हुए खाक चौक व्यवस्था समिति के प्रधानमंत्री जगदगुरू संतोष दास उर्फ सतुआ बाबा ने बताया कि माघ मेला अनादि काल से चला रहा है। उन्होंने बताया कि कुंभ, महाकुंभ और माघ मेला मुहूर्त पर लगते हैं।

माघ मास में जब सूर्य मकर राशि में प्रवेश करते हैं। तब माघ मेला लगता है। इस बार आदित्य यानी सूर्य का योग सूर्य के दिवस से ही शुरू हो रहा है जिस दिन सूर्य उत्तरायण होंगे उस दिन रविवार है यह अद्भुत संयोग 75 वर्षों बाद 76 वें वर्ष में हो रहा है। इस बार कई अलग- अलग संप्रदाय के संत भी आ रहे है। थारू, घुमंतु, वनटागियां समुदाय के लोगों के बड़ी संख्या में आने की संभावना हैं।

उन्होंने बताया कि इस संयोग में संगम की त्रिवेणी में स्नान और दान का विशेष महत्व है और इससे जनमानस का भी कल्याण होगा।

इस बार श्रद्धालुओं की संख्या लाखों में बढ़ सकती है इसलिए साधु, संतों के शिविरों में भी लोगों के रहने और भोजन की खास तैयारी की जा रही है। वहीं योगी सरकार भी महाकुंभ के बाद आयोजित होने जा रहे इस माघ मेले को मिनी कुंभ के तौर पर आयोजित करने की तैयारियों में जुटी है। सतुआ बाबा ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री दो बार माघ मेले की तैयारियों को लेकर अधिकारियों की बैठकें कर चुके हैं।

हाईकोर्ट की दो टूकः धर्मोपदेश देना और बाइबिल बांटना अपराध नहीं, राज्य सरकार से मांगा गया जवाब

लखनऊ , एजेंसी। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने अवैध धर्मांतरण के एक मामले में पुलिस की कार्रवाई पर कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने कहा, धर्मोपदेश देना और बाइबिल बांटना अपराध नहीं है। मामले में राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

न्यायमूर्ति अब्दुल मोईन और न्यायमूर्ति बबिता रानी की खंडपीठ ने यह आदेश राम केवल प्रसाद व अन्य आरोपियों की याचिका पर दिया। इसमें याचियों के खिलाफ सुल्तानपुर जिले के धम्मौर थाने में अवैध धर्मांतरण निवारण कानून 2021 समेत भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत दर्ज एफआईआर को रद्द करने का आग्रह किया गया है।

वादी मनोज कुमार सिंह की ओर से 17 अगस्त 2025 को दर्ज कराई एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि याचियों ने प्रार्थना सभा करके दलितों, गरीबों, महिलाओं व बच्चों को बाइबिल बांटी और उनका धर्मांतरण कराने का प्रयास किया। याचियों के अधिवक्ता ने कहा कि झूठी एफआईआर दर्ज करवाई गई है जो रद्द करने योग्य है।

इस पर सरकारी वकील ने याचिका का विरोध किया लेकिन कोर्ट में यह नहीं साबित कर पाए कि बाइबिल बांटना और धर्मोपदेश देना अपराध है। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद सरकारी वकील को चार बिंदुओं पर जवाबी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। कहा, इसके बाद दो सप्ताह में याची इसका प्रतिउत्तर दाखिल कर सकते हैं। कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए मामले को छह सप्ताह बाद सूचीबद्ध करने का आदेश दिया है।

यूपी में एक और बदमाश का एनकाउंटरः 50 हजार का इनामी समयदीन मुठभेड़ में ढेर, घिरा तो पुलिस पर किए अंधाधुंध फायर

मेरठ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के शामली जिले में पुलिस ने एक इनामी बदमाश को मुठभेड़ में मार गिराया है। शामली जिले की थानाभवन और बाबरी पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। सोमवार देर रात थाना थानाभवन और थाना बाबरी पुलिस की संयुक्त टीम ने मुठभेड़ मे 50 हजार रुपये के इनामी वांछित हिस्ट्रीशीटर अपराधी समयदीन उर्फ सामा को मुठभेड़ में ढेर कर दिया।

अपराधी लंबे समय से पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहा था। पुलिस अधीक्षक शामली एनपी सिंह ने पूरी घटना की विस्तृत जानकारी दी। एसपी ने बताया कि समयदीन, निवासी मोहल्ला रायजादगान थाना कांधला, जो कुछ समय से जनता कॉलोनी ऊरुकेरे जनपद तुमकुर (कर्नाटक) में छिपकर रह रहा था।

शामली का कुख्यात अपराधी था। उसके खिलाफ कई गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज थे और वह लंबे समय से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर जनपद स्तर पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस उसकी गतिविधियों पर लगातार नजर रखे हुए थी।

समयदीन ने पुलिस पर की अंधाधुंध फायरिंग : देर रात पुलिस को सूचना मिली कि समयदीन किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के इरादे से क्षेत्र में सक्रिय है। जानकारी मिलते ही थाना थानाभवन एवं थाना बाबरी पुलिस ने संयुक्त रूप से घेराबंदी शुरू की। पुलिस को देखते ही समयदीन ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी।

घायल को अस्पताल में ले जाया गया : एसपी के अनुसार, पुलिस ने भी आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें समयदीन घायल हो गया। घायल अवस्था में उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

भारी मात्रा में हथियार बरामद : मुठभेड़ स्थल से पुलिस ने भारी मात्रा में हथियार बरामद किए। इनमें एक 9 एमएम की पिस्टल, दो खोखा कारतूस, एक पिस्टल .32 बोर, दो खोखा कारतूस, एक तमंचा 315 बोर, दो खोखा तथा चार जिंदा कारतूस शामिल हैं।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि समयदीन गैंगस्टर एक्ट सहित कई संगीन मामलों में वांछित था। पुलिस उसकी आपराधिक कुंडली खंगालने में जुटी है ताकि उसके नेटवर्क और संभावित सहयोगियों का पता लगाया जा सके। एसपी ने कहा कि जनपद में कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने पुलिस टीम की तत्परता और बहादुरी की सराहना करते हुए टीम को पुरस्कृत किए जाने की घोषणा की।उन्होंने कहा कि मुठभेड़ पूरी तरह नियमों और आत्मरक्षा के तहत की गई। पुलिस का दावा है कि आगे भी ऐसे अपराधियों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा, जिससे जनपद में शांति और कानून-व्यवस्था कायम रह सके।

संपादकीय

उड़ान का संकट ! जरा-सी चूक किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है

पायलटों के साप्ताहिक आराम की अवधि बढ़ाने से विमानन कंपनी इंडिगो में उपजा उड़ान परिचालन का संकट इस फैसले को वापस लेने के बाद भी थमता नजर नहीं आया। शनिवार को कंपनी की साढ़े आठ सौ से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं, जबकि शुक्रवार को देश भर के विभिन्न हवाईअड्डों से एक हजार से अधिक उड़ानें निरस्त कर दी गई थीं। इससे न केवल यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में परेशानी हो रही है, बल्कि उन्हें दूसरी उड़ानों की यात्रा टिकट हासिल करने के लिए कई गुना अधिक दाम चुकता करने पड़ रहे हैं।हालांकि, इस समस्या के निराकरण के लिए सरकार ने अब फिलहाल दूरी के आधार पर हवाई किराए की सीमा 7,500 रुपए से 18,000 रुपए तक सीमित कर दी है। मगर उड़ानों के परिचालन का संकट दूर करने के लिए पायलटों के साप्ताहिक आराम की अवधि बढ़ाने का जो फैसला वापस लिया गया है, क्या इस मसले की संवेदनशीलता को देखते हुए उस पर फिर से विचार किया जाएगा? यह सवाल भी महत्त्वपूर्ण है कि आखिर इंडिगो में ही यह संकट क्यों और कैसे पैदा हुआ।दरअसल, पायलटों का संगठन लंबे समय से साप्ताहिक आराम की अवधि बढ़ाने की मांग कर रहा था। उनका कहना था कि लगातार काम के दबाव की वजह से उन्हें थकान समेत कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस पर नागर विमानन महानिदेशालय ने हाल में नई नियमावली जारी कर पायलटों के साप्ताहिक आराम की जरूरत के समय में बारह घंटे की बढ़ोतरी कर उसे अड़तालीस घंटे कर दिया था। इसके बाद इंडिगो की उड़ानों के रद्द होने का सिलसिला शुरू हो गया।कंपनी का तर्क था कि नए नियमों के लागू होने से ज्यादा पायलट अवकाश पर हैं, जिससे उड़ानों का परिचालन बाधित हुआ है। मगर, इस बात पर गौर करना जरूरी है कि नए नियम सभी विमानन कंपनियों पर लागू थे ! दूसरा, इस बात पर भी गहराई से विचार करने की जरूरत है कि उड़ान के दौरान पायलटों की संवेदनशीलता और सक्रियता बेहद महत्त्वपूर्ण होती है, जरा-सी चूक किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। ऐसे में उनके पूरी तरह स्वस्थ रहने के लिए उन्हें जरूरी आराम की सुविधा का पहलू भी अहम है।एक और समस्या है जो उड़ानों के संकट के बीच अक्सर हवाई यात्रियों को परेशानी और चिंता में डाल देती है, वह है किराए में अचानक बढ़ोतरी। यह इसलिए है, क्योंकि विमानन कंपनियों पर किराए की सीमा को लेकर कोई स्पष्ट नियम लागू नहीं है। इसी कारण शनिवार को स्पाइसजेट की कोलकाता-मुंबई की एक तरफ की यात्रा के लिए 'इकोनामी' श्रेणी के हवाई टिकट की कीमत नब्बे हजार रुपए तक पहुंच गई,

इंडियन एविएशन समस्या, वर्षों से सुलग रही समस्या शोले बनकर सामने आई, सरकार दिखाए दृढ़ता

इंडियन एविएशन सेक्टर आज जिस स्थिति में खड़ा है, उसे देखकर यह स्पष्ट हो जाता है कि भारत की आसमान में उड़ान भरने की महत्वाकांक्षा और उसकी जमीनी हकीकत के बीच बेहद गहरा अंतर है। बीते दशक में भारत ने एविएशन के बुनियादी ढांचे, एयरपोर्ट्स, क्षेत्रीय संपर्क और यात्रियों की संख्या के लिहाज से अभूतपूर्व बढ़ोतरी दर्ज की है, लेकिन एयरलाइंस के ऑपरेशन्स, फाइनेंशियल स्टेबिलिटी और कम्पेटिटिव एनवायरमेंट के मोर्चे पर तीव्र संकट से गुजर रहे है। यह विरोधाभास जितना चौंकाने वाला है, उतना ही चिंताजनक भी। भारत में एविएशन सेक्टर में विकास की अपार संभावनाएं हैं, लेकिन यह विकास टिकाऊ तभी होगा, जब मार्केट स्ट्रक्चर हेल्दी हो, नीतियां संतुलित हों और रेगुलेशन स्ट्रॉन्ग हो। आज की स्थिति में इंडिगो जैसी कंपनियों की मोनोपोली जितनी यात्रियों के लिए हानिकारक है, उतनी ही उद्योग के लॉन्ग टर्म फ्यूचर के लिए भी।

(विनोद पाठक)

भारत सरकार को यात्रियों के अधिकारों को केंद्र में रखकर नई नीति बनानी होगी। यह संकट चेतावनी है, यदि इसे समय रहते न सुना गया तो भारत की उड़ानें बढ़ती जरूर दिखेंगी, लेकिन उड़ान भरने का आत्मविश्वास लगातार कम होता जाएगा।

आज एविएशन सेक्टर में जिस प्रकार की अस्थिरता और अनिश्चितता बढ़ी है, वह किसी एक कंपनी की विफलता नहीं, बल्कि उद्योग के स्ट्रक्चरल डिफेक्ट का रिजल्ट है। एयरलाइंस की आर्थिक सेहत बिगड़ चुकी है, किराए आसमान छू रहे हैं और यात्रियों का भरोसा लगातार कमजोर पड़ रहा है। ऐसे में यह आवश्यक है कि इस संकट को केवल कंपनियों की विफलता न मानकर, इसे व्यापक नीतिगत असंतुलन और बाजार संरचना की समस्या के रूप में देखा जाए।

दरअसल, भारत का एविएशन संकट अचानक नहीं आया। यह कई वर्षों से पैदा होती रही उन समस्याओं का परिणाम है, जिन्हें समय रहते संबोधित नहीं किया गया। इनमें सबसे बड़ी समस्या प्रैट एंड व्हिटनी इंजनों की तकनीकी खामियों से जुड़ी रही, जिसने इंडिगो और गो फर्स्ट जैसे प्रमुख खिलाड़ियों को गहरी ऑपरेशन क्राइसिस में धकेल दिया।

इंडिगो के भी 70 से अधिक विमान खड़े हो गए, जो कि उसकी कुल क्षमता का बड़ा हिस्सा है। एक ही इंजन निर्माता पर अत्यधिक निर्भरता ने भारतीय एयरलाइंस को ऐसी स्थिति में पहुंचा दिया कि तकनीकी समस्या का आर्थिक और ऑपरेशन डिजास्टर में बदलना तय था।

दूसरी तरफ, एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों ने एयरलाइंस की कमर तोड़ दी है। एयरलाइन ऑपरेशन में ईंधन का खर्च 35-40 प्रतिशत होता है और वर्ल्ड मार्केट में उतार-चढ़ाव के कारण यह लागत तेजी से बढ़ती गई। रुपया भी डॉलर के मुकाबले कमजोर होता गया, जबकि किराया, लीज पेमेंट और मेंटेनेंस जैसी लगभग सारी लागतें डॉलर में होती हैं।

इससे एयरलाइंस पर फाइनेंशियल प्रेशर कई गुना बढ़ गया, लेकिन तकनीकी और आर्थिक समस्याओं से परे, एक तीसरी समस्या भी उतनी ही गंभीर है, कर्मचारियों का बढ़ता असंतोष।

विस्तारा और एयर इंडिया एक्सप्रेस जैसी एयरलाइंस में पायलटों व केबिन क्रू द्वारा अचानक 'सिक लीव' पर चले जाने की घटनाओं ने उद्योग की गहरी आंतरिक अस्थिरता को उजागर किया था। किसी भी कंपनी में विलय एक संवेदनशील प्रक्रिया होती है और स्पष्ट संवाद के अभाव में यह तय था कि कर्मचारी असंतोष खुले विद्रोह में बदल जाएगा।

वैसे, इंडियन एविएशन क्राइसिस का सबसे बड़ा परिणाम मार्केट स्ट्रक्चर में आया परिवर्तन है। आज इंडिगो न केवल भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन है, बल्कि इसका वर्चस्व चिंताजनक रूप से बढ़ गया है। इंडिगो की बाजार हिस्सेदारी 60 प्रतिशत से अधिक हो चुकी है, जो किसी भी स्वस्थ प्रतिस्पर्धी बाजार के लिए बेहद खतरनाक संकेत है।

गो फर्स्ट के संचालन बंद होने और स्पाइसजेट की लगातार आर्थिक समस्याओं के चलते इंडिगो का वर्चस्व और बढ़ा है। टाटा समूह द्वारा एयर इंडिया, विस्तारा और एयर इंडिया एक्सप्रेस का विलय एक नए शक्ति केंद्र का निर्माण कर रहा है। इंडिगो और टाटा समूह मिलकर इंडियन स्पेस के 90 प्रतिशत से अधिक हिस्से पर कंट्रोल स्थापित कर चुके हैं।

यह स्थिति न तो प्रतिस्पर्धा के लिए ठीक है, न ही यात्रियों के हितों के लिए, क्योंकि कम प्रतिस्पर्धा का सीधा अर्थ है, ऊंचे किराए, अस्थिर समय-सारणी और यात्रियों के अधिकारों की अनदेखी। विश्व के कई देशों में मोनोपॉली या डूओपॉली को रोकने के लिए कठोर एंटी-ट्रस्ट नियम हैं, लेकिन भारत में एविएशन सेक्टर इन नियमों से प्रभावी रूप से अछूता है, जिसके परिणाम आज साफ दिखाई दे रहे हैं। इस बात को कुछ यूं समझ सकते हैं। भारत सरकार ने यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा की रक्षा के लिए कुछ नए नियम लागू करने की कोशिश की, जिनमें उड़ान रद्द होने या लंबी देरी की स्थिति में अनिवार्य मुआवजा, क्रू की कमी के कारण रद्द उड़ानों पर पेनल्टी और टिकट मूल्य में पारदर्शिता जैसे प्रावधान शामिल थे, लेकिन इंडिगो सहित कुछ प्रमुख एयरलाइंस ने इन नियमों को लागू करने में स्पष्ट अनिच्छा दिखाई। एयरलाइंस ने तर्क दिया कि इन नीतियों से ऑपरेशन लागत बढ़ेगी और उनका व्यवसाय प्रभावित होगा। उद्योग लॉबी के दबाव में कुछ नियमों को आगे बढ़ा दिया गया या नरम कर दिया गया। यह स्थिति बताती है कि जब तक सरकार यात्री अधिकारों को सर्वोच्च प्राथमिकता बनाकर नियमों को सख्ती से लागू नहीं करेगी, तब तक एयरलाइंस की मनमानी पर रोक लगाना मुश्किल होगा। हमें यह स्वीकार करना होगा कि भारत सरकार ने एविएशन इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार में प्रभावशाली कार्य किया है। वर्ष 2014 से अब तक एयरपोर्ट्स की संख्या 74 से बढ़कर 150 से अधिक हो चुकी है। उड़ान योजना ने क्षमता निर्माण का नया अध्याय शुरू किया और छोटे शहरों को देश की हवाई मानचित्र पर लाया, लेकिन यही तस्वीर दूसरी तरफ से अधूरी है। डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) लगातार कमजोर साबित हुआ है। गो फर्स्ट के गिरने से पहले उसके फाइनेंस और ऑपरेशनल इंडिकेटर्स की पहचान करना डीजीसीए की जिम्मेदारी थी, जो पूरी तरह विफल रही। यह डीजीसीए की ऐतिहासिक चूक थी। एटीएफ को जीएसटी के दायरे में न लाने का फैसला भी एविएशन सेक्टर की सेहत पर भारी पड़ रहा है। वर्ल्ड मार्केट में जहां फ्यूल पर टैक्स मिनिमम होता है, भारत में यह एक्सेसिव टैक्सेशन का शिकार है। इससे भारतीय एयरलाइंस कभी भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी नहीं बन पातीं। सरकार ने एयरलाइंस में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए। नई कंपनियों के लिए लाइसेंस प्रक्रिया जटिल और महंगी है, जबकि पुरानी कंपनियों के पतन को रोकने के लिए कोई स्पष्ट नीति नहीं है। इससे एविएशन सेक्टर दो बड़े खिलाड़ियों के कब्जे में सिमटता जा रहा है। इससे यात्रियों के लिए इंडियन एविएशन सेक्टर का यह संकट गहरे आर्थिक और सामाजिक प्रभाव लेकर आया है। किराए 30-50 प्रतिशत तक महंगे हो गए हैं। छोटे मार्गों पर प्रतिस्पर्धा लगभग खत्म हो गई है। बड़े मार्गों पर किराए कभी-कभी दो से तीन गुना तक बढ़ जाते हैं। उड़ानों का रद्द होना अब सामान्य बात हो गई है। कंपनियों द्वारा जारी सॉरी संदेश यात्री के समय, धन और उद्देश्य की भरपाई नहीं कर सकते। यूरोप में उड़ान रद्द होने पर यात्रियों को 250 से 600 यूरो (26 हजार से 63 हजार रुपए) तक का मुआवजा मिलता है। भारत में ऐसी कोई सशक्त व्यवस्था नहीं है। एयरलाइंस बिना पेनल्टी के उड़ान रद्द कर सकती हैं और यात्रियों को केवल ई-मेल माफी या वाउचर पकड़ा कर बात खत्म कर दी जाती है। यह स्पष्ट है कि भारत में यात्री अधिकारों का ढांचा बेहद कमजोर है। रेगुलेटरी संस्था को कंपनियों पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई का अधिकार होना चाहिए, जो फिलहाल लगभग नगण्य है। भारत यदि विश्व का तीसरा सबसे बड़ा एविएशन मार्केट बनना चाहता है तो उसे नीतियों को विस्तार से परे जाकर गहराई में सुधारना होगा। सबसे पहला उपाय होना चाहिए, एटीएफ को जीएसटी में लाना, दूसरा डीजीसीए को अधिक स्वायत्त, सशक्त और उत्तरदायी संस्था बनाया जाए, तीसरा यात्रियों को यूरोपीय मॉडल की तरह मुआवजे का कानूनी अधिकार मिले और चौथा नए खिलाड़ियों के प्रवेश को सरल बनाया जाना चाहिए, ताकि प्रतिस्पर्धा बनी रहे। एयरलाइंस को भी अपनी ऑपरेशनल स्ट्रक्चर सुधारनी होगी। इंजन सप्लायरों पर निर्भरता कम करनी होगी और कर्मचारियों के साथ संवाद मजबूत करना होगा, ताकि सामूहिक असंतोष परिचालन ठप न करे। कुल मिलाकर भारत जैसे तेजी से बढ़ते एविएशन मार्केट में कंपनियों की सहूलियत नहीं, यात्रियों की सुरक्षा और अधिकार नीति का केंद्र होना चाहिए। सरकार को इस दिशा में दृढ़ता दिखानी ही होगी। यह लेखक के निजी विचार हैं।

अंबेडकर को बिहार आने पर स्वागत में मिला था तिरस्कार

आफाक आजम

आज के समय देश की चुनावी राजनीति में सभी दल अंबेडकर के नाम चोला ओढ़कर जबर्दस्ती अंबेडकरवादी बन गये हैं। और जो दल अपने आपको शुद्ध अंबेडकरवादी कहते हैं उसके स्वंभू कर्ताधर्ता अपने आप को राजा से कम नहीं समझते हैं। उदाहरण बहुजन समाज पार्टी की सुश्री मायावती, लोक जनशक्ति पार्टी के चिराग़ पासवान, हम पार्टी के जीतन राम मांझी और आजाद समाज पार्टी के चंद्रशेखर(रावण) जैसे कई और है जो बाबा साहेब अंबेडकर का असली वारिस होने का दावा करते हैं। इसी बाबा साहेब अंबेडकर को पटना बिहार में तिरस्कार झेलना पड़ा था। तब भी बिहार में जगजीवन राम जैसे कई दलित अंबेडकरवादी नेता मौजूद थे लेकिन किसी ने भी उस घटना के विरोध में आपत्ति दर्ज नहीं कराया था। 27 सितंबर 1951 को बाबा साहेब अंबेडकर ने नेहरू मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था। उसके बाद पूरे देश में पहला आम चुनाव विधानसभा और लोकसभा का होना था।

ऐसे समय में ही आर एल चंदापुरी और तत्कालीन विधायक अमीन अहमद पूर्व आईसीएस के निमंत्रण पर 6 नवंबर 1951 को अंबेडकर पटना आए थे। जैसे महात्मा गांधी को पहली बार बिहार बुलाने का श्रेय राजकुमार शुक्ल को मिलता है उसी तरह बाबा साहेब अंबेडकर को बिहार बुलाने का श्रेय आर एल चंदापुरी और अमीन अहमद को जाता है।

अंबेडकर ने अपना भाषण पूरा किया और कहा कि मुझे बहुत खुशी है कि महात्मा बुद्ध की पवित्र भूमि में समाजिक क्रांति का बीज फिर से अंकुरित हो गया है ।यह वही स्थान है जहां से ज्ञान का प्रकाश पूरे विश्व में फैला था।

पटना में दो जगह अंजुमन इस्लामिया हाल और गांधी मैदान में अंबेडकर की सभा हुई थी। गांधी मैदान में उनकी सभा शुरू हुई उसी समय वहां की बिजली सप्लाई काट दी गई और उन पर ईंट पत्थर बरसाए गये। अंबेडकर को पत्थरों के वार से बचाने के लिए चंदापरी खुद घायल हो गए थे। फिर भी अंबेडकर ने अपना भाषण पूरा किया और कहा कि मुझे बहुत खुशी है कि महात्मा बुद्ध की पवित्र भूमि में समाजिक क्रांति का बीज फिर से अंकुरित हो गया है ।यह वही स्थान है जहां से ज्ञान का प्रकाश पूरे विश्व में फैला था। यह आयोजन शोषित जन संघ, पिछड़ा वर्ग संघ के बैनर तले हुआ था। इस सभा के सभापति विधायक अमीन अहमद और स्वागताध्यक्ष पिछड़ा वर्ग संघ के अध्यक्ष आर एल चंदापुरी थे। आजादी के बाद बिहार में यह पहली सभा थी ,जब एक मंच पर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक समुदाय के लोग एक साथ मंच पर मौजूद थे। इस आयोजन के समय अंबेडकर दो दिन पटना के उत्तरी मंदिरी इलाके में आर एल चंदापुरी के घर पर रुके थे। अंबेडकर ने इस आयोजन के समय बिहार में जो राजनीति का बीज बोया था उसी का फसल बिहार में कर्पूरी ठाकुर, भोला पासवान शास्त्री, रामसुंदर दास, लालू यादव, जीतन राम मांझी, नीतीश कुमार जैसे लोग मुख्यमंत्री और जगजीवन राम से लेकर रामविलास पासवान जैसे लोग केंद्र में मंत्री बन के उस फसल को काटा है या काट रहे हैं। बाबा साहेब अंबेडकर ने कांग्रेस पार्टी और नेहरू से विरोध दर्ज कराते हुए केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था। तब की जनसंघ पार्टी कभी भी अंबेडकर के विचारधारा का समर्थन नहीं किया बाद के दिनों जनसंघ से नाम बदल कर बनी भारतीय जनता पार्टी ने भी अंबेडकर विचारधारा से अलग रहे। पूर्व प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह ने जब मंडल कमीशन लागू किया तब भाजपा भी अंबेडकर के नाम का माला जपने लगी ताकि सत्ता की प्राप्ति हो। लेकिन यह प्रश्न भाजपा पर आज भी लागू होता है कि पार्टी में दलितों को उचित स्थान और सम्मान क्यों नहीं मिला, अल्पसंख्यकों को पार्टी के संगठन और सरकार से क्यों बाहर कर दिया गया ।बाबा साहेब अंबेडकर अपना सारा जीवन इसी वर्ग संघर्ष को खत्म करने में बिताया। आज उनके तथाकथित वारिस इस बात को स्वीकार नहीं करते।

आर्कटिक के खजाने + ब्रिक्स की नई करेंसी- पुतिन की भारत यात्रा से दुनिया में क्यों हलचल ?

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का दौरा भारत के लिए काफी महत्वपूर्ण है। रूस यूक्रेन युद्ध के शुरू होने के बाद यह ऐसा पहली बार है जब पुतिन भारत आ रहे हैं। पुतिन का यह दौरा न केवल पारंपरिक ऊर्जा जैसे तेल, गैस व रक्षा सहयग तक सीमित है, बल्कि आर्थिक, तकनीकी, स्वास्थ्य, कृषि जैसे कई मोर्चों पर दोनों देशों की साझेदारी को आगे बढ़ाने की एक बड़ी योजना है। इस दौरान दोनों देशों ने 2030 तक व्यापार को 100 बिलियन डॉलर तक बढ़ाने का लक्ष्य भी रखा है। व्लादिमीर पुतिन का यह भारत दौरा केवल एक मुलाकात भर नहीं, बल्कि यह दोनों देशों के रिश्तों में एक नए अध्याय की शुरुआत है। यह विश्व के बदलते समीकरण को भी नए सिरे से परिभाषित करने का काम करेगा।

(संकल्प सिंह)

भारत, रूस संबंध और अमेरिका के लिए चुनौतियां भारत, रूस और चीन का करीब आना अमेरिका के लिए कहीं न कहीं एक बड़ी चिंता है। व्लादिमीर पुतिन का भारत दौरा अमेरिका समेत यूरोप के कई देश करीब से ऑब्जर्व कर रहे हैं। पिछले साल भारत और रूस, साथ ही अन्य ब्रिक्स देश कजान में इकट्ठा हुए थे। इस दौरान डॉलर के प्रभुत्व को कम करने की दिशा में नई करेंसी लाने पर योजना बनाने को लेकर बात की गई थी। इन सब के अलावा सम्मेलन में अमेरिका और पश्चिमी देशों को चुनौती देने के लिए बहु ध्रुवीय विश्व व्यवस्था बनाए जाने पर जोर दिया गया। रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पश्चिम की ओर से रूस के ऊपर कई आर्थिक प्रतिबंध लगाए गए। इसके अलावा अमेरिका ने उन देशों पर करीबी से निगरानी की जो रूस से तेल, गैस या अन्य संसाधन लेते हैं। इन सबके बाद भी भारत ने रूस से लगातार तेल खरीदना जारी रखा। यह सब अमेरिका और पश्चिमी देशों को बिल्कुल पसंद नहीं आ रहा था। ब्रिक्स में नई करेंसी की बात करना और अमरिका के खिलाफ जाकर भारत का लगातार रूस से बड़े पैमाने पर तेल खरीदना इन्हीं सब चीजों को देखते हुए अमेरिका ने भारत के ऊपर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने का एलान किया। इन सब चुनौतियों के बाद भी भारत और रूस का करीब आना एक नए ग्लोबल शिफ्ट के रूप में देखा जा रहा है। यह स्पष्ट करता है कि भारत पश्चिम के दबाव में आकर अपनी विदेश नीति तय नहीं करेगा। भारत की विदेश नीति के केंद्र में उसके राष्टीय हित, ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक विकास प्राथमिकता में हैं। इन सबके बीच पुतिन की भारत यात्रा एक बड़े वैश्विक बदलाव की ओर इशारा करती है। अमेरिका को यह डर है कि भारत रूस संबंधों में मजबूती, रूस, चीन और भारत के बीच रणनतिक साझेदारी को बढ़ाने का काम करेगी। इससे भविष्य में अमेरिका और पश्चिमी देशों का जो प्रभुत्व है, वह कमजोर हो सकता है। हालांकि, हमें कुछ और बातों पर गौर करने की जरूरत है क्योंकि रूस के साथ बढ़ती दोस्ती सिर्फ हमारे लिए लाभ तक ही सीमित नहीं है बल्कि इसमें कई चुनौतियां भी हैं। भारत रूस को 4.9 बिलियन डॉलर का निर्यात करता है, वहीं रूस से करीब 63.8 बिलियन डॉलर का आयात करता है, यानी कुल व्यापार घाटा करीब 59 बिलियन डॉलर है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि इस असंतुलन को कैसे संतुलित किया जाए यह सबसे बड़ी चुनौती है। हालांकि, दोनों देशों के बीच इसको लेकर बात की जा रही है। व्लादिमीर पुतिन का यह दौरा केवल द्विपक्षीय नहीं है बल्कि यह एक बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की नींव में एक अहम कड़ी साबित हो सकता है। इन सबके अलावा रूस के उत्तर में स्थित आर्कटिक क्षेत्र तेजी से पिघल रहा है। यहां दुनिया के सबसे बड़े अछूते प्राकृतिक संसाधन मौजूद हैं। यहां बड़ी मात्रा में तेल भंडार, प्राकृतिक गैस, रेयर अर्थ मिनरल्स और कई दूसरे प्राकृतिक संसाधन मौजूद हो सकते हैं। भारत रूस का ऊर्जा सहयोगी है। रूस का आर्कटिक क्षेत्र के एक बड़े हिस्से पर नियंत्रण है। इस कारण रूस के साथ दोस्ती से हमें कई बड़े फायदे हो सकते हैं। भारत, रूस के आर्कटिक तेल गैस क्षेत्रों में निवेश कर सस्ता और स्थायी ऊर्जा स्रोत पा सकता है। इसके अलावा रेयर अर्थ मिनरल्स की मदद से हम अपने देश में हाई-टेक इंडस्ट्री को ग्रोथ दे सकते हैं। आर्कटिक का पिघलना भले ही पर्यावरणीय खतरा है, पर रणनीतिक रूप से भारत के लिए नए अवसर भी खोल सकता है। यह लेखक के निजी विचार हैं।

हरियाणा में 70 करोड़ के धान घोटाले में सिंगला का दो दिन का रिमांड बढ़ा, कई अधिकारी और कर्मचारी रडार पर

यमुनानगर, एजेंसी। करीब 70 करोड़ के धान घोटाले के मुख्य आरोपित छछरौली निवासी संदीप सिंगला को पुलिस ने सोमवार को कोर्ट में पेश किया। मामले की तह तक जाने के लिए बिलासपुर कोर्ट से दो दिन का पुलिस रिमांड और ले लिया गया। जांच टीम का कहना है कि पूछताछ जरूरी है ताकि मार्केट कमेटी, हैफेड और खाद्य व आपूर्ति विभाग से जुड़े अधिकारी-कर्मचारी व अन्य की भूमिका साफ हो सके। इसी बीच दंपती के राइस मिल में रखे धान की सुपरदारी का कोई निर्णायक फैसला अभी तक नहीं आया है लेकिन मामले में मंगलवार को बिलासपुर अदालत में सुनवाई होने की संभावना है व फैसला आने की उम्मीद जताई जा रही है। आरोपों में नई धाराएं भी जोड़ी गई हैं। संदीप सिंगला छह दिन से पुलिस रिमांड पर चल रहा था। दो दिसंबर को सिंगला को पुलिस ने राजस्थान से गिरफ्तार किया था। फिलहाल वह व्यासपुर थाने में दर्ज धान घोटाले के आरोप में रिमांड पर है। सिंगला व उसकी पत्नी पर 13 नवंबर को केस दर्ज हुआ था। उधर, एसपी कमलदीप गोयल ने बताया कि आरोपित का दो दिन का रिमांड बढ़ गया है। इस दौरान महत्वपूर्ण खुलासे होने की उम्मीद है **एसआइटी में बदलाव किया है**-वहीं, जांच गहनता और टीम की क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से एसआइटी का दायरा बढ़ाया है। पहले डीएसपी टू एसआइटी का नेतृत्व कर रहे थे, अब डीएसपी जगाधरी राजीव मिगलानी इस टीम का नेतृत्व करेंगे। सीआइए टू के साथ एसआइ अमरजीत को भी टीम में शामिल किया गया है। मामले में सीआइए, बिलासपुर, प्रतापनगर, छछरौली सहित कुल पांच थाना प्रभारी गहनता से जांच कर रहे हैं। **कुरुक्षेत्र के छह मंडी सचिव चार्जशीट** - कुरुक्षेत्र में धान की सरकारी खरीद में धांधली की जांच में सामने आया कि मंडी के बजाय अलग-अलग जगहों से गेट पास काटे गए हैं। इसके बाद सरकार ने जिले के छह मार्केट कमेटी सचिव को चार्जशीट कर दिया है। सचिवों में थानेसर के हरजीत सिंह, पिहोवा के बलवान सिंह, शाहाबाद के कृष्ण मलिक, पिपली के गुरमीत सिंह, इस्माईलाबाद के चंद्र सिंह और लाडवा के संत कुमार के नाम शामिल हैं।**कैथल में सीएम फ्लाइंग ने खंगाला राइस मिलों का रिकॉर्ड** -कैथल में पीआर धान की कस्टम मिलिंग का कार्य करने वाले राइस मिलर्स की फिर से परेशानी बढ़ेगी। धान की दोबारा भौतिक जांच होगी। सोमवार को सीएम फ्लाइंग ने डीएफएससी कार्यालय में मिलों के रिकार्ड की जांच की। कैथल की मंडियों में हजारों फर्जी गेट पास काटे गए हैं, गेट पास काटने बाहर में कंप्यूटर और नेट का प्रयोग किया गया है। **आरोप, केस व बढ़ती कानूनी चुनौतियां**-जांच शुरू होने के बाद अब तक लगभग 80 करोड़ रुपये से अधिक के धान घोटाले में छछरौली निवासी दंपती संदीप सिंगला और उनकी पत्नी रीतिका व एक अन्य आरोपित जावेद के विरुद्ध मुकदमे दर्ज किए हैं। पुलिस ने सामूहिक साजिश समेत अन्य संगीन धाराओं को भी केस में जोड़ा है। रिमांड बढ़ने के साथ ही मार्केट कमेटी, हैफेड, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग समेत कई संस्थाओं और संबंधित कर्मचारियों के लिए मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

भीषण हादसे का शिकार हुए 3 दोस्त, 2 की मौत...मृतकों में एक की पिछले महीने हुई थी शादी

हिसार, एजेंसी। हिसार जिले के गांव उगालन के पास भीषण हादसा गया यहां दो दोस्तों की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। तीनों दोस्त बाइक पर काम की तलाश में जींद गए थे। वापस लौटते समय गांव के पास बाइक बेकाबू होकर सड़क पर गिर गई। हादसे में अंकुश व मनमोहन की मौत हो गई और संजीव की गंभीर हालत गंभीर बनी हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि उगालन निवासी मनमोहन अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था और अंकुश की एक महीने पहले ही शादी हुई थी। हादसे में दो दोस्तों की मौत से मातम छा गया। ग्रामीणों ने बताया कि तीनों गहरे दोस्त थे। फिलहाल पुलिस अब हादसे के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

हरियाणा में कुम्हार समाज के लोगों को बड़ी राहत, सरकार बर्तन बनाने के लिए देगी जमीन

चंडीगढ़, एजेंसी। प्रदेश में नगर निगमों, परिषद एवं पालिकाओं में शामिल गांवों में भी कुम्हार समाज के लोगों को बर्तन बनाने पकाने के लिए निर्धारित जमीन के आबंटन पत्र देने पर सरकार विचार कर रही है। निकाय विभाग ने पिछले दिनो सभी संबंधित 87 इकाइयों में पत्र लिख कर गांवों में आंवे पंजावें या कुम्हारधाना के लिए आरक्षित भूमि की रिपोर्ट मांगी है। सरकार द्वारा अगस्त माह 2025 में प्रदेश के सभी गांवों में कुम्हार समाज के नागरिकों को बर्तन बनाने एवं पकाने के लिए जमीन के आबंटन पत्र वितरित किए गए थे तब यह आवाज उठने लगी थी कि विशेषकर नगर निगम में शामिल गांवों में भी यह सुविधा प्रदान की जाए। मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार एवं वर्तमान में सोनीपत के मेयर राजीव जैन ने इस विषय को लेकर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए 18 अगस्त 2025 को पत्र भेजा था। राजीव जैन ने पत्र में लिखा था कि शहरों में भी समाज के लोग बर्तन बनाने एवं पकाने का काम करते हैं जिनके लिए कोई जगह उपलब्ध नहीं है, यह काम उन्हें सडक़ों पर करना पड़ता है। इस कारण वायु प्रदूषण तो फैलता ही है साथ में सडक़ पर भी रुकावटें खड़ी होती हैं।

'डॉक्टर भगवान हैं, उनकी मांगों पर विचार किया जाएगा', हड़ताल पर बोले CM सैनी

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विसेज एसोसिएशन (एचसीएमएसए) से जुड़े डाक्टरों के सोमवार को हड़ताल पर चले जाने से कई स्थानों पर स्वास्थ्य सेवाएं बाधित हुई हैं। एचसीएमएस डॉक्टरों द्वारा 48 घंटे के सामूहिक अवकाश पर जाने पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि इस मामले को लेकर सरकार गंभीर है। बातचीत जारी है और जल्द ही कोई हल निकल आएगा। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में नायब सिंह सैनी ने कहा कि डाक्टरों को भगवान की संज्ञा दी जाती है। यह मानवता की सेवा का पेशा है। इससे पहले भी डाक्टरों की कई मांगें सरकार द्वारा पूरी की गई हैं। वर्तमान में हमारे मंत्रीगण और अधिकारीगण उनसे बातचीत कर रहे हैं। उनकी सभी बातों को सुना जाएगा और किसी के अधिकारों का हनन नहीं होने दिया जाएगा।

बास्केटबॉल खिलाड़ी हार्दिक राठी की मौत के मामले में एफआईआर दर्ज होते ही हरकत में आया प्रशासन, उठाया ये कदम

रोहतक, एजेंसी। राष्ट्रीय बास्केटबॉल खिलाड़ी हार्दिक राठी की मौत के मामले में एफआईआर दर्ज होने के तीसरे दिन प्रशासन हरकत में आया। घटना के 13 दिन एडीसी नरेंद्र कुमार के नेतृत्व में जांच कमेटी हार्दिक के घर पहुंची। पिता संदीप राठी को गांव में इंडोर स्टेडियम बनवाने का भरोसा दिया। दोपहर बाद पूर्व जिला खेल अधिकारी अनूप सिंह भी हार्दिक के घर पहुंचे और अपना पक्ष रखा। कमेटी सदस्यों ने कहा कि सांसद कोटे से मिले 18.50 लाख रुपये का बजट कम रहेगा। ऐसे में डी प्लान के तहत मिलने वाले बजट से भी काम कराया जाएगा। हार्दिक के परिजनों से 25 मिनट तक बातचीत की। 25 नवंबर को बास्केटबॉल खिलाड़ी हार्दिक राठी गांव के स्टेडियम में अभ्यास कर रहा था। सीने पर पोल गिरने से उसकी मौत हो गई थी। परिजनों ने खेल मंत्री से मांग की थी कि गांव में हार्दिक राठी के नाम से इंडोर स्टेडियम बनाया जाए। मंत्री ने मांग पूरी करने का भरोसा दिया था। डीसी ने 26 नवंबर को पत्र जारी कर जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी गठित की थी।

हरियाणा में पुलिस भर्ती का बदल गया नियम, एनसीसी सर्टिफिकेट पर मिलेंगे अतिरिक्त नंबर

पंचकूला, एजेंसी। हरियाणा सरकार ने पुलिस के करीब छह हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू होने से पहले भर्ती नियमों में बदलाव किया है। कॉन्स्टेबल और सब-इंस्पेक्टर की भर्ती के लिए पुलिस पुलिस सेवा नियमों में बदलाव करते हुए राज्य सरकार ने एनसीसी प्रमाणपत्र धारकों को अतिरिक्त वेटेज देने का निर्णय लिया है। 'ए' सर्टिफिकेट पर एक अंक, 'बी' सर्टिफिकेट पर दो अंक और 'सी' सर्टिफिकेट धारत को तीन अंकों का वेटेज प्रदान किया जाएगा।

यह अतिरिक्त वेटेज कॉन्स्टेबल और सब-इंस्पेक्टर दोनों पदों पर लागू होगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पिछले दिनों संकेत दिए थे कि राज्य में पुलिस की भर्ती जल्दी आरंभ होने वाली है। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में हरियाणा पुलिस में कॉन्स्टेबल और सब-इंस्पेक्टर के पदों पर सीधी भर्ती के लिए पंजाब पुलिस नियम 1934 में संशोधन करने को मंजूरी प्रदान की गई।

इन नियमों को पंजाब पुलिस (हरियाणा संशोधन) नियम 2025 के रूप में अधिसूचित किया जाएगा। इन संशोधनों के तहत पंजाब पुलिस नियम 1934 के नियम 12.16 में संशोधन किया गया है।

मौजूदा उप-नियम (8) को प्रतिस्थापित करते हुए यह प्रविधान किया गया है कि हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग शारीरिक मापन परीक्षण (पीएमटी) और शारीरिक स्क्रीनिंग परीक्षण (पीएसटी) में उत्तीर्ण उम्मीदवारों में से प्रत्येक श्रेणी के विज्ञापित पदों की संख्या से 10 गुना उम्मीदवारों को शार्टलिस्ट करेगा, जिन्हें नॉलेज टेस्ट के लिए बुलाया जाएगा। नॉलेज टेस्ट में 97 प्रतिशत वेटेज होगा और यह वस्तुनिष्ठ, बहुविकल्पीय प्रश्नों पर आधारित होगा, जिसमें प्रत्येक प्रश्न समान अंक का होगा। परीक्षा हिंदी और अंग्रेज़ी दोनों भाषाओं में आयोजित होगी, सिवाय उन स्थितियों के जब हिंदी/अंग्रेज़ी भाषा के ज्ञान का परीक्षण किया जाना हो। प्रश्न पत्र में सामान्य अध्ययन, सामान्य विज्ञान, करंट अफेयर्स, सामान्य तर्कशक्ति, मानसिक योग्यता, संख्यात्मक क्षमता, कृषि, पशुपालन तथा संबंधित क्षेत्रों या ट्रेड्स से जुड़े प्रश्न शामिल होंगे।

कम से कम 10 प्रतिशत प्रश्न बेसिक कंप्यूटर ज्ञान से संबंधित और कम से कम 20 प्रतिशत प्रश्न हरियाणा के मूलभूत ज्ञान से संबंधित होंगे। प्रश्नों का स्तर शैक्षणिक योग्यता के अनुरूप होगा, कॉन्स्टेबल के लिए 10 जमा 2 और सब-इंस्पेक्टर के लिए स्नातक स्तर।

सामान्य श्रेणी के पदों के लिए चयन हेतु नालेज टेस्ट में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य होगा। आरक्षित श्रेणी (वर्टिकल या हारिजांटल) के उम्मीदवारों को 10 प्रतिशत छूट दी जाएगी, जिससे उनके लिए न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक आवश्यक होंगे।

हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक में हरियाणा राज्य अभियोजन विभाग विधिक सेवा (समूह क) नियम 2013 में संशोधन को मंजूरी दी गई। यह संशोधन भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023 की आवश्यकताओं के अनुरूप एक आधुनिक, सक्षम और कानूनी रूप से सुदृढ़ अभियोजन संवर्ग के गठन का मार्ग प्रशस्त करेगा।

संसद द्वारा पारित नए आपराधिक कानूनों के अनुरूप बीएनएसएस-2023 में राज्य और जिला स्तर पर लोक अभियोजकों व अभियोजन निदेशालय से संबंधित कई नए प्रविधान शामिल किए गए हैं। इन प्रविधानों को लागू करने के लिए प्रदेश सरकार पहले ही 48 नए पदों को मंजूरी दे चुकी है, जिनमें उप निदेशक के 24 और सहायक निदेशक के 24 पद शामिल हैं।

नूंह को जल्द मिलेगी यूनिवर्सिटी की सौगातराजा शहीद हसन खान मेवाती का बनेगा स्टेचू

नूंह, एजेंसी। जिले में 10 दिवसीय वंदे सरदार एकता पदयात्रा का शनिवार को पिनगवां में संपन्न हो गया. 27 नंबर को शाहपुर नंगली गांवों से यात्रा प्रारंभ किया गया था. 175 किलोमीटर चली यात्रा 100 गांवों से होकर गुजरी. यात्रा का आयोजन लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती, वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने और राजा हसन खान मेवाती के 500वें बलिदान दिवस के अवसर पर किया गया था. पदयात्रा का नेतृत्व सीएम के मीडिया कोऑर्डिनेटर मुकेश वशिष्ठ ने किया. यात्रा की शुरुआत 27 नवंबर को शहीदों की सरजमीं शाहपुर नांगली से की गई थी. इसका समापन शहीदों की सरजमीं अनाज मंडी पिनगवां में आज भव्य तरीके से किया गया. यात्रा के रास्ते में पड़ने वाले सभी शहीद स्मारकों पर शहीदों को नमन कर पुष्प अर्पित किया गया. नूंह को यूनिवर्सिटी की सौगात जल्दः सीएम मीडिया कोऑर्डिनेटर मुकेश वशिष्ठ ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि 'मेवात जिले में जो अमन, भाईचारा और मेहमान

नवाजी देखने को मिल रही है, वह उन्होंने अपने फरीदाबाद जिले में भी नहीं देखी. इस संस्कृति से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पूरी तरह से अवगत कराने के लिए मार्च 2026 में रमजान के महीने के बाद सैकड़ों युवा दिल्ली पैदल यात्रा कर उनको निमंत्रण देने के लिए जाएंगे. इसके अलावा हरियाणा के नूंह जिले में एक यूनिवर्सिटी की सौगात भी जल्द मिलेगी.' उन्होंने कहा कि 'इस यात्रा के दौरान कई औद्योगिक घरानों से जुड़े लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया. मेवात में ज्यादा से ज्यादा उद्योग धंधे लगने चाहिए. मेवात की जिस तरह की तस्वीर पेश की जाती है, उससे मेवात काफी अलग है. यहां लोग आपसी सौहार्द और शांतिपूर्वक ढंग से रहते है मेवात में लगेंगे उद्योगः उद्योगपति डॉ. सुनील सिंह और महिला उद्योगपति स्वराज सिंह भाटी ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि 'वह न केवल खुद यहां उद्योग धंधे लगाएंगे बल्कि अपने उद्योगपति साथियों से मेवात की सही तस्वीर को पेश कर ज्यादा से ज्यादा उद्योग धंधे इस जिले में लगेंगे, ताकि यह जिला भी तेजी से तरक्की कर सके. 'यात्रा में भाग लेकर काफी अच्छा महसूस हो रहाः इस दौरान अंजुम एडवोकेट ने कहा कि महिलाओं, बच्चों और इलाके के लोगों ने फूल बरसा कर वंदे सरदार एकता पदयात्रा का स्वागत किया था. उन्हें यात्रा में भाग लेकर काफी अच्छा महसूस हो रहा है. आगे भी ऐसे कार्यक्रमों में मैं बढ़ चढ़कर हिस्सा लूंगी. राजा शहीद हसन खान मेवाती का बड़ा स्टेचू बनेगाः यात्रा के दौरान निर्णय लिया गया कि जल्दी ही मेवात के गांव-गांव जाकर हर घर से लोहा एकत्रित किया जाएगा और राजा शहीद हसन खान मेवाती का एक बड़ा स्टेचू बनाया जाएगा. राजा शहीद हसन खां की याद में बडकली चौक पर एक स्टैच्यू लगाया गया है और उस समय के मुख्यमंत्री और मौजूदा केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने बडकली चौक पर एक विशाल रैली को भी संबोधित किया था. मुकेश वशिष्ठ के बयान पर विवादः मीडिया कोऑर्डिनेटर मुकेश वशिष्ठ ने पुन्हाना के विधायक मोहम्मद इलियास को लेकर एक बयान दिया, जिसे लेकर सोशल मीडिया पर उन्हें खूब जमकर ट्रोल किया गया. जब इस बारे में सीएम मीडिया कोऑर्डिनेटर मुकेश वशिष्ठ से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि 'इसका गलत अर्थ निकाला गया था. उनका इस तरह का कोई इरादा नहीं था।

पुलिस टीम पर जानलेवा हमला, भागकर बचाई जान

नूंह, एजेंसी। हरियाणा के नूंह जिले के अमीनाबाद गांव में पुलिस टीम पर हमला हुआ। यह गांव राजस्थान सीमा के पास पुन्हाना खंड में स्थित है। पुलिस साइबर ठगी के आरोपी को पकड़ने गई थी, लेकिन जैसे ही आरोपी को पकड़ लिया गया, ग्रामीणों ने अचानक पथराव शुरू कर दिया।

पुलिसकर्मी किसी तरह वहां से बच निकलें, लेकिन ग्रामीणों ने पीछा करते हुए आरोपी को पुलिस से छुड़ा लिया। इस घटना में चार पुलिसकर्मी घायल हुए हैं, जिन्हें सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पथराव के दौरान कुछ ग्रामीण भी चोटिल हुए। घटना का वीडियो भी सामने आया है। जानकारी के अनुसार, सीआईए टीम लोकेशन के आधार पर साइबर ठगी के मामले में आरोपी रियाज पुत्र रफीक को ढूंढ रही थी। सोमवार देर शाम उसकी लोकेशन अमीनाबाद में ट्रेस हुई और पुलिस टीम वहां पहुंची। टीम ने रियाज को पकड़ लिया, लेकिन उसने शोर मचाना शुरू कर दिया। रियाज के शोर मचाने पर उसके परिवार और अन्य ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हो गए। उन्होंने पुलिस से आरोपी को छुड़ाने की कोशिश की। पुलिस उसे लेकर जाने लगी, लेकिन ग्रामीणों ने पथराव शुरू कर दिया। हालात बेकाबू होने पर पुलिस कर्मियों को अपनी जान बचाने के लिए भागना पड़ा। घटना में चार पुलिसकर्मी घायल हुए और पुलिस टीम ने लोकल थाने को सूचना दी। हालांकि, टीम के आने से पहले ही ग्रामीणों ने आरोपी रियाज को छुड़ा लिया।घटना के बाद पुलिस विभाग की ओर से आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई है। बिछोर थाना इस मामले की जांच कर रहा है।

थाना प्रभारी ने कहा कि हमले के दौरान क्या स्थिति बनी, यह जांच के बाद ही स्पष्ट होगा। अमीनाबाद में यह घटना पिछले एक महीने में दूसरी बार हुई है। इससे पहले भी पुलिस टीम पर हमला हुआ था, जिसे स्थानीय नेता के हस्तक्षेप से समझौते के जरिए निपटाया गया था।

हरियाणा के नाइट क्लबों को लेकर सरकार हुई सख्त, गोवा के क्लब हादसे के बाद लिया गया बड़ा फैसला

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा में चल रहे नाइट क्लबों को फायर सेफ्टी ऑडिट कराने के निर्देश दिए गए है। हरियाणा के डीजीपी ओपी सिंह ने सभी जिला और जोन पुलिस को कहा पत्र लिखा है। उन्होंने निर्देश दिए कि जहां कहीं भी नाइट क्लब हैं, उनको कहें कि अपनी फायर सेफ्टी ऑडिट कराएं। उन्हें ये गारंटी देने के लिए कहें कि उनकी जगह पूरी तरह से फायर-प्रूफ है।उन्हें मैंने ये भी कहा है कि इस तरह की घटना से निपटने के लिए अपने एसओपी को अपडेट करें, तैयारियों की समीक्षा करें। सिविल प्रशासन से ताल-मेल कर ये देखें कि दमकल गाड़ियां एवं अस्पताल ऐसी चुनौतियों के लिए पूरी तरह से तैयार है।गौरतलब है कि गोवा के अरपोरा इलाके में शनिवार देर रात एक नाइट क्लब में आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई, मरने वाले में 20 क्लब के ही कर्मचारी हैं। इस पूरे मामले में बड़ी लापरवाही सामने आई। इसलिए हरियाणा पुलिस भी अलर्ट हो गई है। राज्य के सभी क्लबों का सेफ्टी ऑडिट करवाने के निर्देश दिए गए है। हरियाणा के गुरुग्राम जिले सहित कई जिले जहां नाइट क्लब कल्चर है। गुरुग्राम के अलावा फरीदाबाद, बहादुरगढ़, पंचकूला, करनाल, पानीपत जिलों में भी नाइट क्लबों की संख्या ज्यादा है। इन जिलों की पुलिस को डीजीपी ने अलर्ट मोड पर किया है। निर्देश दिए हैं कि वह लगातार इनकी मॉनिटरिंग करें और फायर सेफ्टी एसओपी का सख्ती से पालन कराएं।

इंसानियत शर्मसार!

खाली प्लॉट में नवजात बच्ची के शव का कुत्ते ने किया बुरा हाल लोगों के उड़े होश

पानीपत, एजेंसी। पानीपत के कुटानी रोड स्थित जगदीश नगर में उस समय सनसनी फैल गई जब लोगों ने एक खाली पड़े प्लाट में नवजात बच्ची का शव पड़ा देखा। बच्ची के शव को कुत्ते नोच रहे थे। इसके बाद उन्होंने कुत्तों को भगाया और शव पर कपड़ा डाला। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और कार्रवाई शुरू की। प्रत्यक्षदर्शी महिला ने बताया कि बच्चों ने उन्हें नवजात का शव पड़े होने की सूचना दी जिसके बाद वह मौके पर पहुंची तो देखा शव को कुत्ते नोच रहे थे। महिला ने शव पर कपड़ा ढंका और पुलिस को सूचना दी। वहीं किला थाना प्रभारी नीरज ने बताया कि कंट्रोल रूम के माध्यम से उन्हें नवजात बच्ची के शव पड़े होने की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। बच्ची का पोस्टमार्टम करवा कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

हरियाणा के शिक्षकों के लिए खुशखबरी अब जिला बदलना होगा आसान; मेरिट के आधार पर किया जाएगा ट्रांसफर

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा में प्राथमिक शिक्षक (जेबीटी और पीआरटी), मुख्य शिक्षक और भाषा अध्यापक (सीएंडवी) अब आसानी से अपना जिला बदल सकेंगे। मंत्रिमंडल ने जिला काडर शिक्षकों के लिए काडर परिवर्तन नीति 2025 को मंजूरी दे दी है। शिक्षक संतुष्टि में सुधार, पारदर्शी अंतर-जिला स्थानांतरण और स्कूलों में बेहतर शैक्षणिक माहौल के लिए प्रदेश सरकार ने वर्ष 2018 की नीति में बदलाव किया है। सभी शिक्षकों को एक अप्रैल से पहले नए स्टेशन अलॉट हो जाएंगे। एक अप्रैल से शिक्षक अपने नए स्टेशन पर ज्वाइन करेंगे ताकि नए शैक्षणिक स्तर से पढ़ाई शुरू हो सके। कठिन तैनाती स्थानों, भौगोलिक सीमाओं और शिक्षक तैनाती में समानता से संबंधित लंबे समय से लंबित मांगों को ध्यान में रखकर नई नीति बनाई गई है। इसका उद्देश्य विद्यालयों में आवश्यकतानुसार स्टाफ उपलब्ध कराना भी है। नई नीति में मेरिट के आधार पर स्थानांतरण होंगे। आयु के सबसे ज्यादा अधिकतम 60 अंक दिए जाएंगे। महिला शिक्षकों और विशेष श्रेणियों जैसे दिव्यांग कर्मचारी, गंभीर बीमारी से पीड़ित, विधवा, तलाकशुदा, 40 वर्ष से अधिक आयु की अविवाहित महिलाएं, सैन्य/अर्द्धसैनिक बलों के कर्मचारियों के जीवनसाथी और दिव्यांग बच्चों के माता-पिता को अधिकतम 20 अतिरिक्त अंक दिए जाएंगे। जिन शिक्षकों पर कोई पेनेल्टी लगी हैं, उनके 10 अंक काट लिए जाएंगे। विशेष श्रेणी के शिक्षकों को 80 मेरिट अंक दिए जाएंगे, जिससे उन्हें काडर परिवर्तन प्रक्रिया में प्राथमिकता मिलेगी। यह श्रेणी उन शिक्षकों के लिए है जो पात्रता तिथि से 12 महीनों के भीतर सेवानिवृत्ति पर हों। कैंसर, डायलिसिस, हाल की बाईपास सर्जरी या अंग प्रत्यारोपण जैसी गंभीर बीमारी का इलाज करा रहे हो या 70 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग, या फिर ऐसी विधवा शिक्षिकाएं जिनके सबसे छोटे बच्चे की आयु 10 वर्ष तक है, उन्हें विशेष श्रेणी में रखा गया है। शिक्षक-अभाव वाले जिलों को प्रभावित होने से रोकने के लिए नीति में यह प्रविधान है कि ऐसे जिलों से काडर परिवर्तन की अनुमति नहीं दी जाएगी जहां मौजूदा स्टाफ आवश्यकता के 95 प्रतिशत से कम हो। नूंह जिले में मेवात काडर के लिए नियुक्त शिक्षक जिले से बाहर काडर परिवर्तन के पात्र नहीं होंगे। एक शिकायत निवारण व्यवस्था भी प्रस्तावित की गई है, जिसके अनुसार शिक्षक काडर परिवर्तन आदेश जारी होने के पांच दिनों के भीतर अपनी शिकायत प्रस्तुत कर सकते हैं। इन शिकायतों का निपटान सक्षम प्राधिकारी द्वारा गठित समिति द्वारा तीन दिनों में किया जाएगा।

हरियाणा की छोरी ने इंदौर में जीता सिल्वर मेडल, चोट की वजह से पिता को छोड़नी पड़ी थी कुश्ती, अब बेटी में देख रहे सपने

पानीपत, एजेंसी। पानीपत जिले के गांव नौल्था की 14 वर्षीय बेटी अनु ने मध्य प्रदेश में आयोजित नेशनल एथलीट प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल जीतकर गांव में जिले का नाम रोशन किया। मेडल विजेता अनु ने महज 12:73 सेकंड में 100 मीटर की रेस में यह मेडल हासिल किया। अनु ने बताया कि प्रतियोगिता में 64 लड़कियों ने हिस्सा लिया था। प्रतियोगिता में पुराना रिकॉर्ड तोड़ने का लक्ष्य लेकर पहुंची थी लेकिन एक बार फिर पुराना रिकॉर्ड रिपीट हो गया और वह दूसरा स्थान हासिल कर पाई। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में वह एशियन गेम और कॉमनवेल्थ गेम में गोल्ड मेडल जीत कर प्रदेश में जिले का नाम रोशन करना चाहती है। मेडल विजेता अनु

ने कहा कि वह अपनी जीत का श्रेय अपने पिता- मां और कोच को देना चाहती हैं क्योंकि इन तीनों ही लोगों ने उन पर खूब मेहनत की है। अनु ने कहा कि लड़कियां लड़कों से कम नहीं होती। अगर उन्हें परिवार का साथ मिल जाए तो वह लड़कों से भी ज्यादा मजबूत साबित होती हैं। अनु ने कहा कि वह पहले भी जिला और राज्य स्तर पर काफी मेडल जीत चुकी है।वहीं अनु के पिता ने कृष्ण ने कहा कि वह खुद कुश्ती के खिलाड़ी रहे हैं, लेकिन उन्हें कुश्ती के दौरान चोट लग गई थी जिसकी वजह से उन्हें खेल छोड़ना पड़ा लेकिन वह अपने क वह खुद कुश्ती के खिलाड़ी रहे हैं, लेकिन उन्हें कुश्ती के दौरान चोट लग गई थी जिसकी वजह से उन्हें खेल छोड़ना पड़ा लेकिन वह अपने सारे सपने अपनी बेटी में देख रहे है। उन्होंने बताया कि पिछले 13 साल तक खुद उन्होंने ही बेटी को कोचिंग दी, लेकिन अब उन्हें एक कोच मिला है जिसके बाद वह खूब मेहनत कर रही हैं। पिता कृष्णा ने कहा कि हमारी उम्मीद थी कि बेटी गोल्ड मेडल हासिल करेगी लेकिन प्रतियोगिता में उनसे भी बेहतर खिलाड़ियों से उनका सामना हुआ जिसकी वजह से बेटी दूसरे स्थान पर रह गई। उन्होंने कहा कि बेटी आने वाले समय में इससे भी अच्छी तैयारी के साथ मैदान में उतरेगी और हमारी उम्मीदों पर खरा उतरेगी।

आपको बता दें कि बेटी अनु नौल्था गांव के निजी स्कूल की आठवीं कक्षा की छात्रा है। उन्होंने बताया कि स्कूल की तरफ से उन्हें काफी सपोर्ट मिल रहा है और यही वजह है कि वह पढ़ाई के साथ-साथ खेल को समय दे पा रही हैं। उन्होंने बताया कि स्कूल द्वारा भी उन्हें कल सम्मानित किया गया है।

बजट के कारण रुकी ईशान खट्टर की मेजर ध्यानचंद बायोपिक फिल्म

भा जिन्हें पूरी दुनिया हॉकी का जादूगर कहती रत के महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद, है, उनकी जीवन गाथा को बड़े परदे पर देखने के लिए खेल प्रेमियों और सिनेमा दर्शकों को वर्षों से इंतजार है। हालांकि यह इंतजार अब भी जारी है। मेजर ध्यानचंद की कहानी को फिल्माने के अधिकार एक दशक से भी अधिक समय से बॉलीवुड स्टूडियोज के पास घूम रहे हैं, लेकिन यह महत्वाकांक्षी बायोपिक अब तक ठहरी हुई है। उनसे हुई बातचीत के आधार पर, इस फिल्म के निर्माण में सामने आ रही चुनौतियों का विस्तृत ब्यौरा यहां प्रस्तुत किया गया है।

फिल्म को बनाने में लगेंगे लगभग 100 करोड़...

सूत्रों के मुताबिक... मेजर ध्यानचंद की बायोपिक का वर्तमान स्टेटस रुका हुआ है। इस फिल्म के निर्माण में सबसे बड़ी चुनौती बजट की है। निर्माता पक्ष का कथित दावा है कि इस ऐतिहासिक और बड़े पैमाने पर बनने वाली फिल्म के लिए लगभग 100 करोड़ रुपए का भारी बजट आवश्यक है। वर्तमान में, इस फिल्म के अधिकार जाने-माने स्टूडियो आरएसवीपी मूवीज और एक अन्य जॉइंट पार्टी के पास हैं, जिन्हें यह राइट्स 2018-19 में मिले थे। सबसे अहम बात यह है कि ये राइट्स 2029 तक उनके पास सुरक्षित रहेंगे। 2021-22 में शूट हुआ था फिल्म का फिल्म के मौजूदा मेकर्स ने 2021-22 में एक शुरुआत की थी, जिसे पायलट शूट या फ्लोर शॉट कहा गया। यह शूट झांसी में किया गया और इसका उद्देश्य केवल कानूनी प्रक्रिया पूरी करना था ताकि अधिकारों की अवधि बनी रहे।

वर्षों से स्टूडियो दर स्टूडियो भटक रहा है प्रोजेक्ट...

यह प्रोजेक्ट वर्षों से स्टूडियो दर स्टूडियो भटक रहा है। मौजूदा निर्माता रोनी स्क्रूवाला से पहले 2012 से 2017 तक राइट्स पूजा शेट्टी के पास थे (एडलैब्स वाले मनमोहन शेट्टी की बेटी)। उस दौरान पांच साल में फिल्म नहीं बन पाई और कोई हीरो फाइनल नहीं हुआ। इसके बाद यह अधिकार लगभग एक-दो साल के लिए इंद्र कुमार के पास गए, लेकिन उन्होंने भी फिल्म नहीं बनाई।

जीवन में हर समय हर चीज को पकड़कर रखना जरूरी नहीं होता

अभिनेत्री राधिका आप्टे हमेशा से अपने अलग अंदाज के लिए जानी जाती रही हैं। फिल्मों में अनोखे किरदार निभाने से लेकर निजी जीवन में अपने फैसलों पर कायम रहने तक, वह अक्सर ऐसी बातें कहती हैं जो उनके आत्मविश्वास और स्पष्टता को दर्शाती हैं। इस कड़ी में उन्होंने बातचीत के दौरान बताया कि वह करियर, शहर या मौके खोने जैसे दबावों को बहुत हल्के में लेती हैं।

खास बातचीत में राधिका आप्टे ने बताया कि उन्हें किसी भी चीज के छूट जाने का डर बिल्कुल नहीं होता। उन्होंने कहा, मैं इस तरह का दबाव कभी नहीं लेती। अगर मैं मुंबई में नहीं हूं, तो मैं इस बात की चिंता बिल्कुल भी नहीं करुंगी कि मेरे हाथ से बड़े मौके निकल जाएंगे। फिलहाल मैं लंदन में रहती हूं और काम के लिए भारत आती हूं। कई लोगों का मानना है कि फिल्म इंडस्ट्री का केंद्र मुंबई होने के कारण, वहां स्थायी रूप से रहना जरूरी है, लेकिन यह सोच पूरी तरह से गलत है। राधिका ने कहा, अगर मुझे कोई काम पसंद आएगा या मैं उसे करना चाहूंगी, तो मैं खुद मुंबई आ जाऊंगी। और अगर कभी कोई प्रोजेक्ट छूट भी गया, तो भी यह मेरे लिए कोई बड़ी बात नहीं है। जीवन में हर समय हर चीज को पकड़कर रखना जरूरी नहीं होता। कभी कुछ मिलता है, कभी नहीं, और दोनों ही स्थितियों को अपनाना चाहिए।

उन्होंने कहा, लंदन में रहने के बाद भी मेरे पास अच्छे प्रोजेक्ट्स के ऑफर्स हैं। इसलिए काम के पीछे भागने या लगातार उपलब्ध रहने का दबाव मैं खुद पर कभी नहीं लेती। उन्होंने कहा, किसी भी चीज के छूट जाने का डर मेरे जीवन में ही नहीं है। हम अक्सर सोचते हैं कि कोई बड़ा मौका चला जाएगा, तो जीवन पर असर पड़ेगा, लेकिन असल में ऐसा नहीं है। हम चीजों को जितना बड़ा समझते हैं, वे उतनी बड़ी होती नहीं। मानसिक शांति और जीवन के वास्तविक आनंद ही अहम हैं।

राधिका आप्टे इन दिनों अपनी आने वाली थ्रिलर फिल्म साली मोहब्बत को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में वह एक ऐसी साधारण महिला स्मिता का किरदार निभा रही हैं, जो घर में रहना पसंद करती है। उसे बागवानी का शौक है और बेहद शांत जिंदगी जीती है। उसकी दुनिया छोटी-सी है। लेकिन यही शांत दुनिया अचानक एक घटना के कारण बदल जाती है और कहानी एक रोमांचक दिशा में आगे बढ़ती है। यह फिल्म 12 दिसंबर को जी5 पर स्ट्रीम होगी।

रात अकेली... में रियल कॉप जैसे दिखेंगे नवाज

नेटफ्लिक्स की सफल थ्रिलर फिल्म रात अकेली है का दूसरा पार्ट 5 साल बाद आ रहा है। इस सीक्वल की राइटर स्मिता सिंह ने बताया कि कैसे एक ओपन एंड शट हत्याकांड ने उन्हें दोबारा लिखने के लिए प्रेरित किया और कैसे इस बार इंस्पेक्टर जटिल यादव के रूप में नवाजुद्दीन का किरदार सामाजिक साजिश का सामना करेगा, वह गढ़ना था।

बकौल स्मिता... पहले पार्ट में कहानी एक बंद घर और सीमित माहौल के अंदर हुई हत्या पर थी, जबकि इस नए पार्ट में हत्या पूरे देश के सामने जाहिर है। अपराध के हर पहलू के साथ यह पब्लिक केस है लेकिन फिर भी इसके अंदर एक बड़ी साजिश छिपी हुई है, जिसे सिर्फ जटिल यादव ही समझ सकता है।

दूसरा पार्ट आर्टिकल 15 की सोशल कॉमेंट्री जैसा

स्मिता ने इस बात पर भी जोर दिया कि दूसरा पार्ट आर्टिकल 15 जैसे सोशल कॉमेंट्री वाले मिजाज में है। जहां पहला पार्ट स्मॉल टाउन हत्याकांड का अनुभव देता था, वहीं दूसरा पार्ट पूरे देश की नजरों के सामने ओपन एंड शट केस पेश करता है, जिसे देखना और समझना दोनों ही दर्शकों के लिए चुनौतीपूर्ण और रोमांचक होगा। खास बात है कि इसमें दुनिया जिसको हत्यारा मान रही है, वह जटिल यादव की नजरों में वह नहीं है। अब इस बार दांव बड़ा है, जो हो रहा है, ऐसा लग रहा है कि सबको पहले से पता है। नवाज के किरदार जटिल को मारधाड़ में यकीन कम स्मिता ये भी बताती हैं कि... सीक्वल में लव ट्रायंगल या शादी की कहानी नहीं है। जटिल का किरदार बिल्कुल रियलिस्टिक पुलिस वाले का है, जो असहाय लोगों के पक्ष में खड़ा होता है और अपने काम में पूरी मेहनत करता है लेकिन मारधाड़ और शक्ति प्रदर्शन से मामलों को सुलझाने वाला हीरो नहीं है। यह फिल्म दर्शकों को दिखाती है कि सच्चाई तक पहुंचने के लिए सिर्फ पॉवर या डर दिखाना काफी नहीं है। वास्तविक जज्बात, इंसानियत और सतर्कता ही निर्णायक हैं।

चुनौतियां पैदा करता दिखेगा चित्रांगदा सिंह का किरदार

पहले पार्ट में जटिल का किरदार रूखा और गंभीर था लेकिन अब उसके जीवन में प्यार आने के कारण वह अधिक पॉजिटिव नजर आता है। बावजूद इसके उसकी इंसिक्योरिटी और प्रोफेशनल फ्रस्ट्रेशन अब भी मौजूद हैं। कहानी में चित्रांगदा का किरदार जटिल यानि नवाज के लिए चुनौतीपूर्ण और ट्रैजिक है जो उस क्लास को दिखाता है जिसे लगता है कि उनके सामने पूरी दुनिया ही नहीं है। चित्रांगदा का कैरेक्टर बहुत कॉम्प्लेक्स और ट्रैजिक है।

लोकेश कनगराज निर्देशित इरुंबु काई मायावी में हीरो बनेंगे अल्लू

निर्देशक लोकेश कनगराज अपनी ड्रीम साइंस-फिक्शन फिल्म इरुंबु काई मायावी को फिर से शुरू करने की तैयारी में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने इस फिल्म के लिए अल्लू अर्जुन से मुलाकात की है और अल्लू ने कहानी सुन भी ली है। हालांकि अभी तक अल्लू की ओर से कन्फर्मेशन नहीं आया है। इससे पहले इस फिल्म में सूर्या को कास्ट किया गया था लेकिन यह प्रोजेक्ट अज्ञात कारणों से ठंडे बस्ते में चला गया था। लोकेश ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उन्होंने 10 साल पहले यह स्क्रिप्ट लिखी थी लेकिन बाद में इसकी कई महत्वपूर्ण आइडियाज अपनी नई फिल्मों में इस्तेमाल कर लिए। इसलिए इसका नया वर्जन पहले से काफी अलग होगा। अल्लू फिलहाल निर्देशक एटली की बिग बजट फिल्म में बिजी हैं। इस फिल्म में वह एक ही परिवार के चार किरदार निभाते दिखेंगे।

दीपिका पादुकोण भी इस प्रोजेक्ट का हिस्सा हैं, हालांकि उनका रोल उजागर नहीं किया गया है। लोकेश की पिछली फिल्म कुली रजनीकांत के साथ थी। अब वह अपनी सातवीं फिल्म की प्री-प्रोडक्शन में लगे हैं, जो संभवतः उनकी पहली तेलुगु फिल्म हो सकती है। इसके अलावा वह एक्टर के रूप में भी डेब्यू कर सकते हैं।

बिग बॉस 19 में ऐसा रहा तान्या मित्तल का सफर

बिग बॉस 19 के पांच फाइनलिस्ट में से तान्या मित्तल एक थीं। वह फिनाले में बाहर हुईं। उन्होंने रियलिटी शो में अपने सफर के बारे में खुलकर बात की है। तान्या ने कहा कि वह अक्सर घर में बहुत अकेला और तन्हा महसूस करती थीं। उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें दोस्ती करने में बहुत मुश्किल होती थी। आइए जानते हैं तान्या मित्तल ने शो के बारे में और क्या कहा है?

नीलम गिरी तान्या पर चिल्लाई

न्यूज एजेंसी से बात करते हुए तान्या मित्तल ने बताया कि कंटेस्टेंट नीलम गिरी के साथ अच्छा रिश्ता था लेकिन एक वक्त ऐसा आया जब हमारे रिश्ते में तनाव आ गया। उन्होंने कहा, नीलम ने एक समय मुझसे सवाल पूछा कि क्या तुम झूठ बोलती हो? वह गुस्से में थीं और मुझ पर चिल्लाई थीं।

कल्पू काका से है दोस्ती

उन्होंने बताया मैंने एक पेड़ से दोस्ती की, जिसका नाम कल्पू काका है। मुझे लगता है कि मैं सिर्फ एक ही दोस्त बना सकती हूं, और वो हैं कल्पू काका। बिग बॉस ने मुझे वो पेड़ लाने नहीं दिया। अगर मेरे दोस्त मेरे साथ होते, तो मुझे चीजों से बात नहीं करनी पड़ती। मुझे घर में बहुत अकेलापन और तन्हापन महसूस होता था। मुझे घर में बहुत खोया हुआ महसूस होता था। मैंने कभी झूठ नहीं बोला।

हार नहीं मानती तान्या मित्तल

शो में उनके सबसे खुशी के पल के बारे में पूछे जाने पर, तान्या ने कहा, मैं शो में बहुत रोई हूं, मैं आपको बता नहीं सकती कि किस पल ने मुझे बहुत खुश किया। हर दिन एक नया चैलेंज होता था, मुझसे वो सब करने को कहा जाता था जो मैं करती आई हूं। उन्होंने आगे कहा मेरी सबसे बड़ी खूबी यह है कि चाहे कुछ भी हो जाए, चाहे मैं कितनी भी टूटी हुई क्यों न होऊं, मैं हार नहीं मानती।

आपको बता दें कि बिग बॉस 19 के फिनाले के बाद, एक्टर गौरव खन्ना ने बिग बॉस 19 की ट्रॉफी जीती। बिग बॉस 19 के ग्रैंड फिनाले में गौरव खन्ना का मुकाबला टॉप फाइनलिस्ट फरहाना भट्ट से हुआ, वह फर्स्ट रनर-अप रहीं। कंटेस्टेंट तान्या मित्तल, अमाल मलिक और प्रणित मोरे भी टॉप पांच में शामिल थे। गौरव खन्ना को विनर ट्रॉफी के साथ 50 लाख रुपये की प्राइज मनी दी गई।

सलमान सर के साथ खड़ा होना असली जीत थी

टीवी अभिनेता गौरव खन्ना ने बिग बॉस 19 की ट्रॉफी अपने नाम कर ली है। ग्रैंड फिनाले में उन्होंने न सिर्फ दर्शकों का दिल जीता, बल्कि 50 लाख रुपये की इनामी राशि भी अपने नाम की। इस सीजन में फरहाना भट्ट फर्स्ट रनर-अप रहीं, जबकि प्रणित मोरे ने तीसरा स्थान हासिल किया। जीत के बाद बातचीत में गौरव खन्ना ने अपनी जीत, सलमान खान से मिले सपोर्ट, शो के सफर, दोस्ती, नर्वसनेस और भविष्य की योजनाओं पर खुलकर बात की।

बिना गाली-गलौज के भी ट्रॉफी जीती जा सकती है

मैं बस यही कहना चाहूंगा कि आखिर में जीत हमेशा सच्चाई और अच्छाई की ही होती है। कई बार अच्छे इंसान को भी ताने सुनने पड़ते हैं, उसे नीचा दिखाने की कोशिश होती है, लेकिन हिंदुस्तान की जनता दिल से फैसला करती है। वो कहीं न कहीं अच्छाई को ही चुनती है। मेरी ये जीत इस बात का सबूत है कि बिग बॉस जैसे शो में बिना गाली-गलौज, बिना तोड़फोड़ और बिना नेगेटिविटी के भी आप ट्रॉफी तक पहुंच सकते हैं। आप अपने मुद्दे शांत तरीके से भी रख सकते हैं और अगर आप सही हैं तो जनता आपके साथ खड़ी रहती है।

मेरा मकसद बस लाइन क्रॉस किए बिना फिनिश करना था

ये कोई बनाई हुई स्ट्रैटेजी नहीं थी। मैं जैसा हूं, वैसा ही शो में गया था। मैं हमेशा यही मानता रहा कि ये कोई मैराथन रेस नहीं थी, जहां शुरुआत से ही आपको पूरी रफ्तार से दौड़ना होता है। मैंने शो की शुरुआत से ही भागने की कोशिश नहीं की। मेरा बस एक ही मकसद था कि मैं अपनी ईमानदारी के साथ, अपनी लिमिट में रहते हुए फिनिश लाइन तक पहुंचूं। फिर चाहे मैं कहीं भी आऊं - मेरे लिए सबसे जरूरी था कि मैं किसी भी हाल में अपनी लाइन क्रॉस न करूं और खुद से समझौता न करूं। कई लोग शो को गलत तरीके से समझ लेते हैं और वहीं गड़बड़ कर बैठते हैं।

सलमान सर का हाथ पकड़कर खड़ा होना असली जीत थी

जब सलमान सर मेरे बाजू में खड़े थे, तो मैंने उनसे बिल्कुल दिल से कहा कि ट्रॉफी अपनी जगह है, लेकिन उससे कहीं ज़्यादा बड़ी बात ये है कि आप मेरा हाथ पकड़कर मेरे साथ खड़े हैं। क्योंकि सच कहूं तो बिग बॉस को हां कहने की सबसे बड़ी वजह सलमान खान सर ही थे। मैं बचपन से उनका फैन रहा हूं। भले ही मैं टीवी इंडस्ट्री में करीब 20 साल से काम कर रहा हूं, अच्छा नाम और पहचान बनाई है, लेकिन कभी उनसे मिलने का मौका नहीं मिला। हमारी इंडस्ट्री अलग है, रास्ते अलग हैं। इसलिए उस वक्त मैं वहां एक कलाकार नहीं, बल्कि सिर्फ एक फैन बॉय बनकर आया था।

जब सलमान सर ने कहा कि वो मेरे साथ काम करेंगे, मेरी आंखों में आंसू आ गए

जब सलमान सर ने कहा कि वो जल्द मेरे साथ काम करना चाहते हैं, उस पल मेरी आंखों में आंसू आ गए थे। मैं दिल से बहुत खुश था। मुझे लगा कि अगर 15 लोगों के बीच उन्हें मेरा काम अच्छा लगा है, तो कहीं न कहीं पूरे हिंदुस्तान के लोगों तक भी मेरी सच्चाई पहुंची होगी। इतने बड़े सुपरस्टार के मुंह से ऐसा सुनना मेरे लिए किसी अवॉर्ड से कम नहीं था और जब फरहाना का एपिसोड आया था, तब सलमान सर ने ये भी कहा था कि उनकी मम्मी मेरे शो देखती हैं और वो खुद भी मेरा काम देखते हैं। उस पल मुझे सच में महसूस हुआ कि मेरी मेहनत कहीं न कहीं सही जगह तक पहुंची है। मेरे लिए ये एक बहुत बड़ी अचीवमेंट थी, जिसे मैं जिंदगी भर याद रखूंगा।

मैं सुपर कॉन्फिडेंट नहीं था, मुझे भी नर्वसनेस हुई, दिल की धड़कनें तेज़ थी

सच कहूं तो मुझे भी नहीं पता था कि मैं ही जीतूंगा। अंदर रहते हुए हमें बाहर की कोई खबर नहीं होती, इसलिए मेरे मन में भी पूरी तरह से कोई भरोसा नहीं था। ये कहना गलत होगा कि मैं सुपर कॉन्फिडेंट था - मुझे भी नर्वसनेस हो रही थी, दिल की धड़कनें तेज़ थी, जैसे हर इंसान को उस वक्त होता हैं।

संक्षिप्त समाचार

संसद पुनर्स्थापना की मांग पर नेपाली कांग्रेस पहुंची शीर्ष कोर्ट

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में प्रतिनिधि सभा की पुनर्स्थापना की मांग पर नेपाली कांग्रेस (नेकां) भी सुप्रीम कोर्ट गई है। पार्टी के मुख्य सचेतक श्याम घिमिरे ने बताया कि कांग्रेस ने वकील के जरिये पूर्व महान्यायाधिवक्ता खम्म खाती को इसी मांग पर सुप्रीम कोर्ट भेजा है। खाती कांग्रेस के निर्वाचन समिति संयोजक भी हैं। घिमिरे ने कहा, संसद पुनर्स्थापना की मांग हमारे लिए बेहद जरूरी है। इससे पहले नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) भी इसके लिए रिट याचिका दायर कर चुकी है।

ऑस्ट्रेलिया में जंगल में लगी आग का कहर जारी 40 घर तबाह

केनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में वन आग के कारण रविवार को दो प्रांतों के लगभग 40 घर तबाह हो गए और इसे काबू करने की कोशिश में एक दमकलकर्मी की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि न्यू साउथ वेल्स के बुलादेला शहर के पास रविवार की रात आग बुझाते समय 59 वर्षीय व्यक्ति के ऊपर पेड़ गिर गया और उन्हें बचाया नहीं जा सका। ग्रामीण अग्निशमन सेवा के प्रमुख कमिश्नर ट्रेंट कर्टिन ने बताया कि आग ने 3,500 हेक्टेयर जंगल को तबाह कर दिया है।

सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में छह आतंकी ढेर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सोमवार को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में छह आतंकवादियों को मार गिराया, जबकि कई अन्य घायल बताए जा रहे हैं। गोलीबारी में एक सुरक्षा अधिकारी भी मारा गया और तीन घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों के खिलाफ यह ऑपरेशन अफगानिस्तान की सीमा से सटे मोहमंद कबायली जिले के सोरन दर्रा इलाके में शुरू किया गया था। गोलीबारी थमने के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके को घेर लिया और तलाशी अभियान शुरू किया।

यूएन को एक दशक में पश्चिमी देशों से मिली सबसे कम सहायता राशि

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) को पश्चिमी देशों से मिलने वाली सहायता राशि एक दशक में सबसे निचले स्तर पर आ गई है, जिससे उसे आपदाओं से निपटने में मुश्किल आ रही है। यूएन के मानवीय सहायता समन्वय कार्यालय ने बताया कि उसे इस साल पश्चिमी देशों से मात्र 1,500 करोड़ डॉलर मिले जबकि वह 3,300 करोड़ डॉलर मांग रहा है ताकि अगले वर्ष 13.5 करोड़ लोगों को युद्धों, जलवायु आपदा, भूकंप, महामारी और भूखमरी से निपटने में मदद की जा सके।

टीवी पर फुटबाल मैच देख रहे थे लोग, तभी अचानक हुई एयरस्ट्राइक

नेपीडा, एजेंसी। म्यांमार की सेना द्वारा पिछले हफ्ते सागाइंग में एक चाय की दुकान पर किए गए हवाई हमले में 18 नागरिकों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। यह घटना सशस्त्र लोकतंत्र समर्थक बलों को निशाना बनाकर किए जा रहे घातक हवाई हमलों की श्रृंखला में नवीनतम है। इन हमलों में अक्सर नागरिक हताहत होते हैं। एक फरवरी 2021 को सेना द्वारा आंग सान सू की की निर्वाचित सरकार से सत्ता हथियाने और व्यापक जन विरोध शुरू होने के बाद से म्यांमार में उथल-पुथल मची हुई है। शांतिपूर्ण प्रदर्शनों को घातक बल से कुचल दिए जाने के बाद सैन्य शासन के कई विरोधियों ने हथियार उठा लिए और देश के बड़े हिस्से अब संघर्ष में उलझे हुए हैं। एक स्थानीय निवासी ने बताया कि नया हमला पांच दिसंबर को रात आठ बजे के करीब हुआ। पीड़ितों की मदद के लिए घटनास्थल पर पहुंचे ग्रामीण ने बताया कि चाय की दुकान पर हुए हमले में मारे गए लोगों में एक पांच साल का बच्चा और दो स्कूली शिक्षक भी शामिल हैं। वहां दर्जनों लोग टेलीविजन पर म्यांमार बनाम फिलीपींस फुटबाल टूर्नामेंट देखने के लिए इकट्ठा हुए थे।

चिंता जताने के बावजूद पाकिस्तान को पैसे देते जा रहा आईएमएफ

अब जारी किए 1.2 अरब डॉलर

इस्लामाबाद, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पाकिस्तान की आर्थिक अस्थिरता और सुधारों में कमी पर चिंता जताने के बावजूद देश को 1.2 अरब डॉलर की नई किस्त जारी कर दी है। यह राशि पाकिस्तान की विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूत करने और महंगाई को नियंत्रित करने में सहायक होगी, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम दीर्घकालिक सुधारों के बिना जोखिम भरा हो सकता है। आईएमएफ ने सोमवार को पाकिस्तान को 1.2 अरब डॉलर की तीसरी किस्त जारी करने की घोषणा की। यह धनराशि उन दो कार्यक्रमों के तहत दी गई है, जिनका उद्देश्य देश में आर्थिक सुधारों को समर्थन देना और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करना है। इस ताजा किस्त के साथ वाशिंगटन स्थित संस्था द्वारा इस्लामाबाद को अब तक कुल 3.3 अरब डॉलर जारी किए जा चुके हैं। आईएमएफ के उप प्रबंध निदेशक नाइजल क्लार्क ने एक बयान में कहा

कि पाकिस्तान द्वारा लागू किए गए सुधारों ने हालिया झटकों के बावजूद मैक्रोइकॉनॉमिक स्थिरता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने विशेष रूप से इस वर्ष की मॉनसून बाढ़ों का उल्लेख किया, जिनमें सितंबर तक 1,000 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। क्लार्क ने कहा कि पाकिस्तान सरकार द्वारा प्राथमिक राजकोषीय संतुलन लक्ष्य को हासिल करने की प्रतिबद्धता, साथ ही बाढ़ प्रभावितों को जरूरी आपात सहायता प्रदान करना, उनकी वित्तीय विश्वसनीयता को मजबूत करने की दिशा में एक सकारात्मक संकेत है। हालांकि, आईएमएफ अधिकारी ने सरकार से आर्थिक डेटा कलेक्शन में सुधार, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के निजीकरण और निवेश को बढ़ावा देने जैसे प्रमुख सुधारों की गति तेज करने का आग्रह भी किया। गंभीर आर्थिक संकट में फंसा पाकिस्तान पाकिस्तान पिछले कई वर्षों से लंबे आर्थिक और राजनीतिक संकट से जूझ रहा है। विदेशी कर्ज पर भारी निर्भरता रखने वाला देश 2023 में डिफॉल्टर होने से बाल-बाल बचा। तब 2024 में आईएमएफ द्वारा 7 अरब डॉलर के बेलआउट पैकेज की मंजूरी मिली थी। दक्षिण एशियाई यह देश अर्जेंटीना और यूक्रेन के बाद आईएमएफ का तीसरा सबसे बड़ा देनदार है। वित्तीय मोर्चे पर राहत पाने के लिए पाकिस्तान ने जनवरी 2024 में विश्व बैंक से 10 वर्षों के लिए 20 अरब डॉलर के वित्तीय पैकेज पर भी समझौता किया था। आईएमएफ की ताजा किश्त से पाकिस्तान को विदेशी मुद्रा भंडार को स्थिर रखने और सुधार प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में कुछ राहत मिलने की उम्मीद है, लेकिन आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार वास्तविक आर्थिक सुधारों को तेज़ी से लागू किए बिना स्थिति में स्थायी सुधार की संभावना अभी सीमित है।

हीथ्रो हवाई अड्डे पर मिर्च स्प्रे हमले में ब्रिटेन पुलिस ने 2 और गिरफ्तारियां कीं

लंदन , एजेंसी। लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे पर हुई घटना की जांच कर रही ब्रिटेन की पुलिस ने सोमवार को दो और गिरफ्तारियां कीं। इस घटना में सप्ताहांत में मिर्च स्प्रे के हमले में 21 लोग मामूली रूप से घायल हो गए थे। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने कहा कि डकैती और हमले के संदेह में गिरफ्तार 24 वर्षीय व्यक्ति और डकैती की साजिश के संदेह में गिरफ्तार 23 वर्षीय महिला अभी भी हिरासत में हैं। 31 वर्षीय व्यक्ति को 'जांच के तहत' छोड़ दिया गया है, जबकि पुलिस जांच जारी है। मेट पुलिस ने एक बयान में कहा, 'जांच शुरू की गई, जिसमें पता चला कि हमले से पहले, कार पार्क की लिफ्ट से बाहर निकलने पर दो महिलाओं के सूटकेस लूट लिए गए थे।' पुलिस ने बताया, 'लूट के दौरान, बदमाशों ने महिलाओं पर मिर्च स्प्रे जैसा कोई पदार्थ छिड़का। इस पदार्थ का असर आसपास के लोगों पर पड़ा और उन्हें मामूली चोटें आईं।' ये गिरफ़्तारियां पश्चिम लंदन हवाई अड्डे के टर्मिनल 3 बहुमंजिला पार्किंग में हुए हमले और डकैती के बाद हुईं। लंदन एम्बुलेंस सेवा ने 21 लोगों का इलाज किया, जिनमें से पांच को पास के अस्पताल ले जाया गया और उन्हें छुट्टी दे दी गई।

अफगानों पर पाकिस्तान के हमलों की निंदा

काबुल, एजेंसी। भारत ने पाकिस्तान की ओर से अफगान नागरिकों पर किए गए ताजा हमलों की कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अपनी साप्ताहिक ब्रीफिंग में कहा, हम सीमा पर हुई झड़पों की खबरों से अवगत हैं, जिनमें कई अफगान नागरिक मारे गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत, अफगानिस्तान की क्षेत्रीय अखंडता, संप्रभुता और स्वतंत्रता का दृढ़ता से समर्थन करता है। यह हमला दोनों पक्षों के बीच संघर्ष विराम समझौते के दो महीने से भी कम समय बाद हुआ है।

भारत भ्रम न पाले, सीडीएफ बनते ही आसिम मुनीर ने फिर उगला जहर

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान के रक्षा बलों के प्रमुख (सीडीएफ) फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने सोमवार को कहा कि पाकिस्तान एक शांतिप्रिय देश है और किसी को भी इसकी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की परीक्षा लेने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। उनका इशारा भारतीय राजनेताओं की तीखी बयानबाजी और अफगानिस्तान से चल रहे तनावों पर झड़पों पर था।

गौरतलब है कि भारत ने अप्रैल में पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद सात मई को ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान और गुलाम जम्मू-कश्मीर में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था। सीडीएफ बनने के बाद पहली बार सैन्य अधिकारियों को संबोधित करते हुए आसिम मुनीर ने कहा कि भारत को भ्रम नहीं पालना चाहिए। किसी भी आक्रामक कार्रवाई का गंभीर और त्वरित जवाब दिया जाएगा। मुनीर ने कहा कि अफगान तालिबान को स्पष्ट संदेश दिया जा चुका है। उनके पास केवल एक ही विकल्प है, उन्हें पाकिस्तान और फितना अल ख्वार्जी (टीटीपी) के बीच किसी एक को चुनना है। बता दें कि सीडीएफ की स्थापना पिछले महीने 27वें संविधान संशोधन और उसके बाद पाकिस्तान सेना, वायु सेना और नौसेना (संशोधन) विधेयक 2025 में किए गए बदलावों के बाद की गई थी। मुनीर ने कहा कि हाल में स्थापित रक्षा बल मुख्यालय मौलिक परिवर्तन का प्रतीक है, जो ऐतिहासिक है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक सेवा अपनी परिचालन तैयारियों के लिए अपनी विशिष्टता बनाए रखेगी, और सीडीएफ मुख्यालय सेवाओं के संचालन का समन्वय करेगा।

प्रेग्नेंट पत्नी को बिजनेस ट्रिप बताकर थाईलैंड घूमने गया पति, बाढ़ में फंसा तो खुली पोल

बैंकाक, एजेंसी। मलेशिया का एक शख्स अपनी गर्भवती पत्नी से झूठ बोलकर थाईलैंड के हात याई शहर पहुंच गया। उसने घर पर कहा था कि वो ऑफिस के सहकर्मियों के साथ बिजनेस ट्रिप पर जा रहा है। लेकिन जब थाईलैंड में भयानक बाढ़ आई और वो लापता हो गया, तो उसका भेद खुल गया। असल में वो चार दिन से अपनी प्रेमिका के साथ होटल में रह रहा था।

शख्स की पत्नी चार महीने की गर्भवती है और ये उनका चौथा बच्चा होने वाला था। जब पति से संपर्क नहीं हो पाया तो, परेशान पत्नी ने सोशल मीडिया पर मदद मांगी। इस मामले के बारे में इतनी हैरान करने वाली है कि पूरा मलेशिया और थाईलैंड सोशल मीडिया पर बात कर रहा है।

राज से कैसे उठा पर्दा?त्न शख्स की पत्नी ने मलेशिया की एक महिला से मदद मांगी, जो उस वक्त हात याई में बाढ़ की लाइव अपडेट दे रही थीं। पत्नी ने बताया कि उसका पति होटल में सहकर्मियों के साथ फंसा है और उससे ठीक से बात नहीं हो पा रही। इसके बाद उस महिला ने अपने रिश्तेदारों से

कहा कि वो उस होटल में जाकर पति को ढूंढें और मदद करें।

रिश्तेदार होटल पहुंचे तो जो देखा, उससे सब दंग रह गए। वहां कोई सहकर्मी नहीं थे, सिर्फ एक अकेली औरत थी, जिसके साथ वो शख्स पिछले चार दिनों से कमरे में रह रहा था। महिला ने बताया कि अभी तक उन्होंने पत्नी को कुछ नहीं बताया है। इसकी वजह साफ है कि वो गर्भवती है और चौथा बच्चा पेट में है। इतना बड़ा झटका लगने से कुछ भी हो सकता है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, ÷मैं ये कहानी इसलिए शेयर कर रही हूं ताकि बाकी पत्नियां अपने पतियों पर आंख मूंदकर भरोसा न करें। उन्होंने ये भी बताया कि पति रोज वाइफ से बात कर रहा था, फोटो भेज रहा था, सब कुछ नॉर्मल लग रहा था। पत्नी को जरा भी शक नहीं हुआ था। अब सोशल मीडिया पर लोग कह रहे हैं कि पत्नी को सच पता चलना चाहिए।

थाईलैंड में बाढ़ से अस्त-व्यस्त है जिंदगी: इन दिनों दक्षिण थाईलैंड में भयंकर बाढ़ आई हुई है। बारिश इतनी तेज है कि देश के 12 प्रांत डूब गए हैं। अब तक 185 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और 30 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। इस बाढ़ में हात याई शहर सबसे ज्यादा तबाह हुआ है। शहर की सड़कें, घर, दुकानें सब पानी में डूबे हैं।

जापान में आए 7.5 तीव्रता के भूकंप से 30 लोग घायल, अधिकारियों ने झटकों की चेतावनी दी

टोक्यो, एजेंसी। जापान में आए 7.5 तीव्रता वाले भूकंप की वजह से 30 लोगों के घायल होने की खबर है। इसकी जानकारी स्थानीय मीडिया ने मंगलवार को दी। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के मुताबिक भूकंप सोमवार को स्थानीय समय के मुताबिक रात 11:15 पर आओमोरी प्रीफेक्चर के पूर्वी तट पर आया। भूकंप का केंद्र 54 किलोमीटर नीचे था। क्योडो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, एजेंसी ने चेतावनी दी कि इस झटके के बाद आने वाले दिनों में उसी इलाके में इसी तरह या उससे भी ज्यादा तीव्रता वाला भूकंप आ सकता है।

जापान के प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने प्रभावित इलाकों के लोगों से अगले एक-दो सप्ताह तक स्थानीय अधिकारियों और मौसम एजेंसी से अपडेट के लिए अलर्ट रहने और आने वाले भूकंप के लिए तैयार रहने को कहा

है। स्थानीय लोगों को पर्याप्त मात्रा में घर के जरूरी सामान को रखने को कहा गया है।

एजेंसी के मुताबिक, भूकंप होक्काइडो और उत्तर-पूर्वी जापान के तटों से लगी एक खाई के पास आया। यह एक ऐसा जोन है जहां पैसिफिक प्लेट के होंशू मुख्य द्वीप के नीचे खिसकने से बड़े भूकंप आ सकते हैं।

मौसम विज्ञान एजेंसी ने बाद में भूकंप की तीव्रता को पहले के 7.6 के अनुमान से बदल दिया और झटके के बाद 3 मीटर तक ऊंची सुनामी लहरों की चेतावनी जारी की। इवाते प्रीफेक्चर में सबसे ऊंची सुनामी लहरें 70 सेंटीमीटर तक पहुंच गईं।

भूकंप के लगभग साढ़े तीन घंटे बाद, सुनामी की चेतावनी जारी की गई जिसे मंगलवार सुबह 6:20 में हटा लिया गया।

आओमोरी के कुछ हिस्सों में भूकंप की तीव्रता जापान के भूकंपीय तीव्रता स्केल 7 पर 6 से ज्यादा दर्ज की गई।

झटके के बाद, मौसम एजेंसी ने खाई के पास एक बड़े भूकंप के लिए एक खास अलर्ट जारी किया, जिसे 'ऑफ द कोस्ट ऑफ होक्काइडो एंड सैनरिकु सबसीक्वेंट अर्थक्वेक एडवाइजरी' के नाम से जाना जाता है, जो 7.0 या उससे ज्यादा की तीव्रता वाले भूकंप के बाद सक्रिय होता है।

7 मंजिला ऑफिस बिल्डिंग में लगी भीषण आग, 20 लोगों की मौत

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में सात मंजिला ऑफिस बिल्डिंग में भीषण आग लगने से कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हुए। स्थानीय पुलिस के मुताबिक, आग तेज़ी से फैल गई और आसपास के इलाके में खौफ का माहौल पैदा हो गया। इस पूरे हादसे का एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें आग लगने के बाद भयावह धुंएं का गुबार उठता दिखाई दे रहा है।

बिल्डिंग से काले धुएं की लपटें आसमान की ओर उठती रहीं, जिससे पड़ोसियों और ऑफिस कर्मचारियों में भगदड़ मच गई। केंद्रीय जकार्ता पुलिस प्रमुख सुसात्यो पुरनोमो कोंद्रो ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है और अब बचाव दल बिल्डिंग के अंदर और संभावित पीड़ितों की तलाश में जुटा है।

पुलिस ने बताया कि आग सबसे पहले बिल्डिंग की पहली मंजिल पर दोपहर के समय लगी और तुरंत ऊपर की मंजिलों तक फैल गई। उस समय कुछ कर्मचारी लंच कर रहे थे, जबकि कई बाहर गए हुए थे।

बिल्डिंग में टेरा ड्रोन इंडोनेशिया का कार्यालय था, जो जापान आधारित टेरा ड्रोन कॉर्पोरेशन का इंडोनेशियाई हिस्सा है और खनन से लेकर कृषि तक विभिन्न क्षेत्रों में ड्रोन सर्वेक्षण सेवाएं प्रदान करता है।

स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट में देखा गया कि दमकलकर्मी पीड़ितों को सुरक्षित बाहर निकालते हुए और कुछ शवों को बिल्डिंग से बाहर ले जाते हुए दिखाई दिए। कई कर्मचारियों ने ऊपरी मंजिलों से पोर्टेबल सीढ़ियों का इस्तेमाल कर भागने की कोशिश की।

पुलिस ने मृतकों की संख्या 20 बताई है और बचाव दल अब फोकस कर रहा है कि और कोई फंसा हुआ तो उसे सुरक्षित निकाला जाए और बिल्डिंग को ठंडा किया जाए।

फ्लोरिडा के गवर्नर ने मुस्लिम नागरिक अधिकार समूह को आतंकी संगठन घोषित किया

फ्लोरिडा , एजेंसी। फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस ने सोमवार को अमेरिका के सबसे बड़े मुस्लिम नागरिक अधिकार समूह को विदेशी आतंकी संगठन घोषित किया। डेसेंटिस ने काउंसिल ऑन अमेरिकन-इस्लामिक रिलेशंस और मुस्लिम ब्रदरहुड के खिलाफ एक कार्यकारी आदेश दिया है। हालांकि अमेरिकी सरकार ने अभी तक काउंसिल ऑन अमेरिकन-इस्लामिक रिलेशंस और मुस्लिम ब्रदरहुड को आतंकी संगठन घोषित नहीं किया है।

यह आदेश फ्लोरिडा की एजेंसियों को निर्देश देता है कि वे दोनों समूहों और उन्हें सामान देने वालों को किसी स्टेट एग्जीक्यूटिव या कैबिनेट एजेंसी से कॉन्ट्रैक्ट और फंड लेने से रोकें। वहीं सीएआईआर ने डेसेंटिस पर इसके लिए मुकदमा करने की बात कही है। मुस्लिम ब्रदरहुड की स्थापना लगभग एक सदी पहले मिस्र में हुई थी और इसकी दुनिया भर में ब्रांच हैं। इसके नेताओं का कहना है कि इसने दशकों पहले हिंसा छोड़ दी थी और अब यह चुनावों और दूसरे शांतिपूर्ण तरीकों से इस्लामी राज स्थापित करना चाहता है।

चीन की सत्ता में हड़कंप ! भ्रष्टाचार मामले में खेल मंत्री को मौत की सजा, खास समय पर दी जाएगी फांसी

बीजिंग, एजेंसी। चीन के पूर्व खेल मंत्री गाओ झोंगवेन को अदालत ने भ्रष्टाचार और सत्ता के घोर दुरुपयोग के आरोप में मौत की सज़ा सुनाई है। सज़ा पर दो साल की राहत दी गई है, जिसका मतलब है कि दो साल के भीतर कोई और राहत न मिलने पर सज़ा सीधे फांसी में तब्दील हो सकती है। चीन की अदालतों के मुताबिक, गाओ झोंगवेन ने 33.4 मिलियन डॉलर (लगभग 280 करोड़ रुपये) की रिश्वत ली थी। यह रिश्वत कई कारोबारी समूहों और खेल संगठनों से ली गई थी, जिसमें पदों पर गलत नियुक्तियाँ, फंड जारी करवाना और सरकारी परियोजनाओं में पक्षपात करना शामिल था। गाओ झोंगवेन चीन के खेल मंत्री रहने के साथ-साथ चीन की ओलंपिक कमेटी का भी प्रभारी रह चुका है। आरोप है कि इन पदों का इस्तेमाल उसने करोड़ों की उगाही और 'फेवर' बेचने के लिए किया। चीनी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, गाओ ने न केवल पैसा लिया बल्कि कई बार सत्ता का दुरुपयोग करते हुए अपने करीबी लोगों को बड़े पद दिलाए, अनुबंध फिक्स किए और बड़े खेल आयोजन ठेके के बदले रिश्वत ली।चीन में पिछले कुछ वर्षों से राष्ट्रपति शी जिनपिंग की तरफ से एक बड़े पैमाने

पर एंटी-करप्शन अभियान चलाया जा रहा है।लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि यह अभियान जितना भ्रष्टाचार के खिलाफ है, उतना ही राजनीतिक विरोधियों को खत्म करने का भी तरीका बन चुका है। गाओ झोंगवेन के खिलाफ कार्रवाई ने सीसीपी के भीतर की अंदरूनी खींचतान और सत्ता संघर्ष की परतें भी खोल दी हैं।

चीन दुनिया के उन देशों में शामिल है जहाँ भ्रष्टाचार में भी मौत की सज़ा दी जाती है।लेकिन दो साल की 'रिप्रीव' वाली सज़ा अक्सर राजनीतिक मामलों में दी जाती है, ताकि आरोपी को नियंत्रित रखा जा सके और पूरी व्यवस्था पर सरकार की पकड़ बनी रहे। खेल प्रबंधन को अपनी अंतरराष्ट्रीय छवि का अहम हिस्सा मानता है।ऐसे में, देश के पूर्व खेल मंत्री का 280 करोड़ रुपये की रिश्वत लेते पकड़ा जाना चीन की ग्लोबल छवि पर बड़ा झटका है।

इंडिगो, सीमेंस समेत 10 शेयरों पर रहेगी मार्केट की नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर मार्केट के गिरने के आसार हैं। वहीं, इंडिगो समेत 10 ऐसे स्टॉक्स हैं, जिनपर से अगर आज नजर हटी तो समझो दुर्घटना घटी। भारी संख्या में फ्लाइट कैंसलेशन और सिस्टम में गड़बड़ी के कारण इंडिगोके शेयरों में भारी गिरावट (कल 9-15 प्रतिशत तक) देखी गई। संसद की समिति भी कंपनी के अधिकारियों को तलब कर सकती है। वहीं, फुजियामा पावर सिस्टम्स ने सितंबर तिमाही में मजबूत प्रदर्शन किया है। टोरेंट पावर ने जापान की सबसे बड़ी बिजली उत्पादक कंपनी जेरा कंपनी इंक के साथ एलएनजी की आपूर्ति के लिए एक लंबी अवधिक के लिए बिक्री और खरीद समझौता किया है।

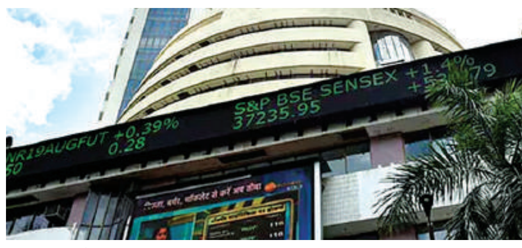

इंडिगो: एयरलाइन ने बताया कि पिछले हफ्ते के व्यवधान के बाद अब उसका नेटवर्क पूरी तरह सामान्य हो गया है। इस मुद्दे की जांच कर रही चार सदस्यीय डीजीसीए समिति संभवतः 10 दिसंबर को इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स और सीओओ इसिड्रे पोर्करेस को और पूछताछ के लिए बुलाएगी।

सीमेंस: सीमेंस के बोर्ड ने अपने लो वोल्टेज मोटर्स और गियर्ड मोटर्स डिवीजन, और संबद्ध ग्राहक सेवा कार्यों को इनोमोटिक्स इंडिया को बेचने को मंजूरी दे दी है। यह लेन-देन 2,200 करोड़ रुपये के उद्यम मूल्य पर, एकमुश्त बिक्री के रूप में कैश फ्री कर्ज-मुक्त आधार पर किया जाएगा।

लार्सन एंड टुब्रो: लार्सन एंड टुब्रो के बोर्ड ने एक योजना के तहत एकमुश्त बिक्री के माध्यम से अपने रीयल एस्टेट व्यवसाय को अपनी सहायक कंपनी एलएंडटी रियल्टी प्रॉपर्टीज में स्थानांतरित करने का रास्ता साफ कर दिया है। यह कदम आवश्यक नियामक मंजूरी मिलने पर निर्भर है।

आईसीआईसीआई बैंक ने प्रूडेंशियल कॉर्पोरेशन होल्डिंग्स से 2,140 करोड़ रुपये में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी की 2 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए एक शेयर खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। बजाज लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड के नवंबर 2025 तथा नवंबर 2025 तक के वित्तीय वर्ष के अस्थायी व्यावसायिक प्रदर्शन के आंकड़े जारी किए हैं।

सैमसंग ने इंस्टामार्ट के साथ साझेदारी की

मेट्रो में 10 मिनट में होगी गैलेक्सी डिवाइसेस की इंस्टैंट डिलीवरी

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने आज भारत के प्रमुख क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म, इंस्टामार्ट के साथ साझेदारी की है। इसके तहत प्रमुख शहरों में गैलेक्सी रेंज के प्रोडक्ट्स फौरन उपलब्ध कराए जाएंगे। इस सहयोग के माध्यम से, सैमसंग गैलेक्सी स्मार्टफोन, टैबलेट, वियरेबल्स और एक्सेसरीज़ के व्यापक पोर्टफोलियो तक त्वरित और सुविधाजनक पहुँच प्रदान करेगा। ग्राहक इंस्टामार्ट पर चुनिंदा गैलेक्सी डिवाइस ऑर्डर कर सकते हैं और उन्हें मिनटों के भीतर अपने दरवाजे पर डिलीवर करवा सकते हैं। सैमसंग इंडिया के एमएक्स बिजनेस के निदेशक, राहुल पाहवा ने कहा, सैमसंग में, हम सार्थक नवाचारों से प्रेरित हैं जो सभी के लिए सुलभ हैं। इंस्टामार्ट के साथ हमारी साझेदारी हमारी ओमनीचैनल रणनीति को मजबूत करने और गैलेक्सी अनुभव को मिनटों में यूजर्स तक उपलब्ध कराने की दिशा में एक और कदम है। हम अपने सबसे पसंदीदा डिवाइस को यूजर्स के और करीब ला रहे हैं।

अनंत नेशनल यूनिवर्सिटी ने डॉ. श्रीधर वेम्बू की उपस्थिति में आयोजित किया 7वाँ दीक्षांत समारोह

अहमदाबाद, एजेंसी। अनंत नेशनल यूनिवर्सिटी ने हाल ही में अपना 7वाँ दीक्षांत समारोह आयोजित किया, जिसमें बैचलर ऑफ डिज़ाइन, बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर, मास्टर ऑफ डिज़ाइन, अनंत फेलोशिप इन सस्टेनेबिलिटी एंड बिल्ट एनवायरनमेंट, एमएससी इन सस्टेनेबिलिटी एंड बिल्ट एनवायरनमेंट और अनंत फेलोशिप इन क्लाइमेट एक्शन सहित कुल 299 छात्रों को उपाधियाँ प्रदान की गईं। इस समारोह के मुख्य अतिथि पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित, ज़ोहो कॉरपोरेशन के चीफ़ साइंटिस्ट और सह-संस्थापक डॉ. श्रीधर वेम्बू थे। अनंत नेशनल यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष श्री अजय पीरामल, प्रोवोस्ट डॉ. संजीव विद्यासागर तथा बोर्ड के सदस्य भी समारोह में उपस्थित थे। दीक्षांत संबोधन देते हुए डॉ. वेम्बू ने कहा, अनंत नेशनल यूनिवर्सिटी आकर मुझे अत्यंत आनंद हुआ। अनंत के छात्रों की रचनात्मकता और उद्देश्य-प्रधान डिज़ाइनों ने मुझे प्रभावित किया। यहाँ मैंने अद्भुत कार्य देखा, वह नवाचार जिसकी हमारे देश को आज अत्यंत आवश्यकता है। हम अक्सर अपने अतीत की उपलब्धियों का जश्न मनाते हैं, लेकिन बहुत कम ही हम इस बात पर ध्यान देते हैं कि हम वर्तमान में क्या निर्माण कर रहे हैं। हमें अपनी जीवन-सीमा से परे सोचकर भविष्य के लिए निर्माण करना चाहिए और अनंत अपने छात्रों को यही सिखा रहा है।

पैजसन एग्रो इंडिया लिमिटेड का आईपीओ आज खुलेगा

मुंबई, एजेंसी। रॉ काजू नट्स को प्रोसेस कर रॉयल मेवा ब्रांड के तहत कर्नेल बनाने वाली पैजसन एग्रो इंडिया लिमिटेड अपनी प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) गुरुवार, 11 दिसंबर 2025 को खोलने जा रही है। कंपनी का लक्ष्य ऊपरी प्राइस बैंड पर 74.45 करोड़ जुटाने का है। इस आईपीओ के शेयर बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होंगे। इश्यू आकार 63,09,600 इक्विटी शेयरों का है, जिनका फेस वैल्यू 10 प्रति शेयर है, और प्राइस बैंड 112 – 118 प्रति शेयर रखा गया है। आईपीओ से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग विजयनगरम, आंध्र प्रदेश में दूसरी काजू प्रोसेसिंग सुविधा की स्थापना के लिए पूंजीगत व्यय (पूंजीगत व्यय) तथा सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों (सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्य) के लिए किया जाएगा। एंकर पोर्शन 10 दिसंबर 2025 को खुलेगा, जबकि पब्लिक इश्यू 11 दिसंबर 2025 को खुलेगा और 15 दिसंबर 2025 को बंद होगा। इस इश्यू के लिए बुक रनिंग लीड मैनेजर स्मार्ट होराइजन कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड है और रजिस्ट्रार टू द इश्यू बिगशेयर सर्विसेज़ प्राइवेट लिमिटेड है। पैजसन एग्रो इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर श्री आयुष जैन ने बताया, हमारी यात्रा एक सरल विश्वास के साथ शुरू हुई—उच्च गुणवत्ता वाले, नैतिक रूप से प्राप्त किए गए काजू उत्पाद प्रदान करना, जो स्थिरता, स्वाद और भरोसे के मानक स्थापित करें। वर्षों के दौरान, कंपनी एक क्षेत्रीय प्रोसेसर से बढ़कर एक पैन-इंडिया ब्रांड बन गई है, जिसकी 18 राज्यों, 3 केंद्र शासित प्रदेशों और 71 डिस्ट्रीब्यूटर्स के नेटवर्क के साथ मजबूत उपस्थिति है।

सोनाक्षी बत्रा ने सायंतनी घोष के साथ अपना पहला सीन बताया 'एक यादगार अनुभव'

मुंबई, एजेंसी। ज़ी टीवी का नया शो जगद्धात्री हाल ही में लॉन्च हुआ है और शुरुआत से ही दर्शकों का खूब प्यार पा रहा है। ड्रामा, रहस्य और एक्शन से भरी इसकी कहानी में सोनाक्षी बत्रा (जगद्धात्री), फरमान हैदर (शिवाय), सायंतनी घोष (माया) और कई अन्य कलाकार नजर आ रहे हैं। ये कहानी जगद्धात्री के उस सफर को दिखाती है, जिसमें घर में अनदेखी-सी रहने वाली एक साधारण लड़की आगे बढ़कर एक निडर अंडरकवर एजेंट बन जाती है। अपनी दिलचस्प और तेज़ रफ्तार कहानी के चलते यह शो बहुत ही कम समय में दर्शकों का पसंदीदा बन गया है।

एमएसईडीसीएल ने बनाया गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड

सी.आर.आई. सोलर ने गर्व के साथ दिया ऐतिहासिक उपलब्धि में योगदान

मुंबई, एजेंसी।
भारत के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की एक ऐतिहासिक सफलता में, महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने मात्र एक महीने के भीतर 45,911 सोलर पंपिंग सिस्टम स्थापित करके गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड हासिल किया है। यह असाधारण उपलब्धि एमएसईडीसीएल के दूरदर्शी नेतृत्व, मजबूत क्रियान्वयन क्षमताओं और देश के कृषक समुदायों को सशक्त बनाने की उनकी अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

सी.आर.आई. पंप्स के सोलर डिवीजन को इस परिवर्तनकारी सौर पहल का प्रमुख योगदानकर्ता होने पर गर्व है। महाराष्ट्र के 1,686 गाँवों में सोलर पंप स्थापित करके, सी.आर.आई. सोलर ने हज़ारों किसानों को टिकाऊ जल समाधान प्रदान किए हैं। प्रत्येक स्थापना उत्कृष्ट सटीकता, अनुशासित निष्पादन और समन्वित टीमवर्क के साथ पूरी की गई – जो सी.आर.आई. की विशिष्ट क्षमताओं को दर्शाती है।

यह उपलब्धि भारत की स्वच्छ ऊर्जा क्रांति को आगे बढ़ाने के सी.आर.आई. के व्यापक मिशन से पूर्णतः मेल खाती है। कंपनी अब तक 2,10,000 से अधिक आईओटी-सक्षम सोलर पंपिंग सिस्टम स्थापित कर चुकी है और पूरे देश में 30.4 लाख बीईई स्टार-रेटेड ऊर्जा-कुशल पंपों की तैनाती की है। इन पहलों के माध्यम से भारत ने 7,600 मिलियन केडब्ल्यूएच ऊर्जा की बचत की है और लगभग 6 मिलियन टन सीओ2 उत्सर्जन को टालने में सफलता प्राप्त की है। सी.आर.आई. के ये प्रयास समुदायों को स्मार्ट, टिकाऊ और दीर्घकालिक पंपिंग समाधान प्रदान करते हुए निरंतर सशक्त बना रहे हैं।

इस उपलब्धि पर सी.आर.आई. समूह के चेयरमैन श्री जी. सुंदरराजन ने कहा: यह गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड केवल एक असाधारण उपलब्धि नहीं है–यह राष्ट्र के गर्व का क्षण है और भारत की स्वच्छ ऊर्जा यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। हम एमएसईडीसीएल के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं और भारत को बुद्धिमान, भविष्य-उन्मुख ऊर्जा तकनीकों की ओर अग्रसर करने के अपने संकल्प को दोहराते हैं।

छह दशकों से अधिक समय से, सी.आर.आई. पंप्स ने उद्योगों, शहरों और समुदायों को अत्याधुनिक फ्लूड-मैनेजमेंट समाधान प्रदान कर सशक्त किया है। 10,000+ उत्पादों का मजबूत पोर्टफोलियो, 120+ देशों में वैश्विक उपस्थिति, 22 श्वश्वक्ष्ट एक्सपोर्ट एक्सीलेंस अवॉर्ड, 8 नेशनल एनर्जी कंज़र्वेशन अवॉर्ड, 30,000+ रिटेल आउटलेट्स, और 1,500+ सर्विस सेंटर्स के साथ, सी.आर.आई. विश्वसनीयता, स्थिरता और नवोन्मेष के नए मानक स्थापित कर रहा है। इसका उन्नत स्नद्बद्धस्न4ठ्ठ ञ्जद्गष्द्धठ्ठश्रद्यश्चद्द4 ऋष्ठ सेंटर, जिसे विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा अनुमोदित किया गया है,

मेहनत और लगन का सम्मान और कमियों को दूर करने का संकल्प

इंदौर, एजेंसी। किसी कंपनी की ताकत उसके दफ्तरों में लगे हाई-टेक सिस्टम नहीं होते, बल्कि वे लोग होते हैं, जो सपनों को लक्ष्य बनाकर, लक्ष्य को उपलब्धि में बदलने के लिए दिन-रात जुटे रहते हैं। इसे और भी विशिष्ट बनाता है वह दिन, जो आधार होता है उस कंपनी विशेष की इबारत का.. बिल्कुल इसी तरह भारत की प्रमुख और उत्तर भारत की सर्वश्रेष्ठ पीआर संस्था, पीआर 24×7 के लिए भी इसका स्थापना दिवस सिर्फ कैलेंडर की तारीख नहीं, बल्कि उन कदमों की गूँज है, जिन्होंने इस कंपनी को शुरुआत में एक कमरे के छोटे-से ऑफिस से उठाकर देश की प्रमुख रीजनल पीआर एजेंसीज़ की कतार में सबसे आगे ला खड़ा किया है। इसी भाव, इसी गर्व और इसी समर्पण को प्रखर रखते हुए, पीआर 24×7 ने बुधवार को अपना स्थापना दिवस उत्साह, गर्मजोशी और टीम भावना के साथ मनाया। इसी के साथ समीक्षा बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें उन बातों पर विशेष रूप से विचार-विमर्श किया गया, जहाँ टीम कहीं न कहीं पीछे है, ताकि खुद को पॉलिश करते हुए और कमियों को दूर करते हुए नए उत्साह और ऊर्जा के साथ टीम अपनी छवि और काम को मजबूत बना सके।

इस दौरान, उन चुनिंदा एम्प्लॉयीज़ को सम्मानित किया गया, जिन्होंने वर्षभर न सिर्फ मेहनत और लगन के साथ काम किया, बल्कि टीम की ऊर्जा और कंपनी के मूल्यों को नए आयाम भी दिए। इस अवसर पर कंपनी ने एम्प्लॉयीज़ की उपलब्धियों को तीन प्रमुख श्रेणियों में पहचानते हुए सम्मानित किया।

ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर ने फैशन को फास्ट लेन में दौड़ाया

जयपुर, एजेंसी। ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर ने जयपुर में नई रफ्तार पकड़ी, जहां यह हाई-फैशन और मोटरस्पोर्ट के संगम में बदल गया। सीमाओं को आगे बढ़ाते हुए, जयपुर एडिशन में मोटरस्पोर्ट से प्रेरित डिज़ाइन, ग्लैमरस परफॉर्मेंस वियर और हाई-ऑक्टेन फैशन शोकेस देखने को मिला, जिसने गति और सटीकता के साथ आगे बढ़ते हुए 'फैशन के अगले कदम' को दर्शाया।

फैशन डिजाइन कौंसिल ऑफ इंडिया (एफडीसीआई) के साथ सहयोग में, इस शोकेस ने रनवे को स्टाइल और पावर के हाई-स्पीड सर्किट के रूप में फिर से कल्पित किया। प्रमुख डिजाइनर नम्रता जोशीपुरा और अभिषेक पाटनी ने हाई-ऑक्टेन मोटरकोर एस्थेटिक्स को नए रूप में पेश किया, और रेसिंग कल्चर को स्टेटमेंट-मेकिंग फैशन में बदल दिया। बॉलीवुड स्टार हरनाज संधू ने फिनाले शोस्टॉपर के रूप में रनवे पर जलवा बिखेरा, जहां उन्होंने ग्लैमर और स्पीड के फ्यूजन को दर्शाया, जबकि रैप संसेशन रफ्तार ने अपनी ऊर्जा से पूरी रात को इलेक्ट्रिफाइंग परफॉर्मेंस के साथ बंद किया, जो शो की धड़कती एनर्जी से मेल खाती थी। यह शो थ्री-लैप रनवे एक्सपीरियंस के साथ आगे बढ़ा, जिसने स्टेज को एक इमर्सिव मोटरस्पोर्ट एरीना में बदल दिया। 'द स्टार्ट लाइन' के रेसिंग सिल्हूट्स से लेकर 'द पिट लेन' के क्रोम-ड्रिवन स्लीक और टैक्टिकल लुक्स तक,

और 'द ग्लैम नाइट' की हाई-ऑक्टेन ग्लैमर तक, शो का अंत रोमांचक स्पोर्ट्स कार स्टंट के साथ हुआ, जिसने पूरे माहौल को नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया।

इस अनुभव ने भारत की सांस्कृतिक और रचनात्मक नब्ज को और तेज किया ङ्क तेज, शार्प और न रुकनेवाला ङ्क और ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर को फैशन को अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ाने वाले इंजन के रूप में स्थापित किया। पर्नोड रिकार्ड इंडिया की सीएमओ देबाश्री दासगुप्ता ने कहा, ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर हमेशा से फैशन और संस्कृति से जुड़ी बातचीत को आकार देने में सबसे आगे रहा है। जयपुर एडिशन ने इस विजन को और आगे बढ़ाया है, जहां हाई-ऑक्टेन मोटरस्पोर्ट और ग्लैमरस हाई-फैशन की दुनिया को जोड़कर एक इमर्सिव अनुभव बनाया गया, जो बोल्डनेस, स्टाइल और इनोवेशन का जश्न मनाता है।

प्रधानमंत्री ने एचटी 100 'माई कंट्री, माई लेंस' फ़ोटोग्राफ़ी प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया

नई दिल्ली, एजेंसी।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिंदुस्तान टाइम्स की शताब्दी के हिस्से के रूप में शुरू की गई देशव्यापी फ़ोटोग्राफ़ी प्रतियोगिता एचटीञ्च100 माई कंट्री, माई लेंस के शीर्ष 12 विजेताओं को सम्मानित किया। यह समारोह हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट 2025 में आयोजित हुआ, जहाँ प्रधानमंत्री ने हिंदुस्तान टाइम्स की चेयरपर्सन और एडिटोरियल डायरेक्टर शोभना भारतीया की उपस्थिति में विजेता फ़ोटोग्राफ़रों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए।

एचटी100 माई कंट्री, माई लेंस प्रतियोगिता ने नागरिकों को यह दिखाने के लिए आमंत्रित किया कि वे अपने देश को कैसे देखते हैं। इस पहल को शानदार प्रतिक्रिया मिली, जिसमें 30 से अधिक शहरों से 10,000 से अधिक प्रविष्टियाँ चार विषयों, सीमाएँ, नदियाँ, स्मारक और मेरे देश की समुदायें, पर प्राप्त हुईं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मेरा मानना है कि यह देश में फ़ोटोग्राफ़ी के लिए एक बड़ी ताकत बन सकता है।

हिंदुस्तान टाइम्स की चेयरपर्सन और एडिटोरियल डायरेक्टर शोभना भारतीया ने कहा, जब हिंदुस्तान टाइम्स 100 वर्ष पूरे कर रहा है, तो हम सिर्फ़ अपनी उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत और उसके लोगों की सामूहिक कहानियों का भी उत्सव मनाना चाहते थे। रोहित चावला, धृतिमान मुखर्जी और अजय अग्रवाल की जूरी ने हर फोटोग्राफ का मूल्यांकन किया और शीर्ष 100 फ़ोटोग्राफ़ों का चयन किया।

दोगुना हुआ सोलर कंपनी का मुनाफा

शेयर खरीदने की मची लूट

क्रिकेटर सूर्यकुमार यादव से भी कनेक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यू लिस्टेड सोलर कंपनी फुजियामा पावर सिस्टम्स के शेयर सोमवार, 9 दिसंबर को 5 प्रतिशत उछलकर दिन के ऊपरी स्तर 209.45 पर पहुंच गए। कंपनी ने सितंबर 2025 तिमाही के शानदार नतीजे जारी किए, जिसके बाद स्टॉक में खरीदारी तेज हुई। दूसरी तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 567.9 करोड़ रहा, जो पिछले साल की इसी तिमाही के 329.1 करोड़ से 72.6 प्रतिशत ज्यादा है। ईबीआईटीडीए भी दोगुना बढ़कर 103 करोड़ हो गया और मार्जिन 18.1 प्रतिशत पर पहुंचा। कंपनी का मुनाफा 62.9 करोड़ रहा, जो साल-दर-साल लगभग 100 प्रतिशत की बढ़त है।

सीक्वेंशियल आधार पर रेवेन्यू में हल्की 4.9 प्रतिशत गिरावट जरूर दिखी, लेकिन पहले छह महीनों का परफॉर्मेंस बेहद मजबूत रहा। एच1 वित्त वर्ष 26 में फुजियामा पावर सिस्टम्स ने 1,165.3 करोड़ का रेवेन्यू दर्ज किया, जो पिछले साल की पहली छमाही से 61.5 प्रतिशत अधिक है। ईबीआईटीडीए 79 प्रतिशत बढ़कर 208.9 करोड़ और पीएटी 74 प्रतिशत उछलकर 130.5 करोड़ तक पहुंच गया। कंपनी ने बताया कि उसका बिज़नेस तेजी से बढ़ रहा है और एच1 वित्त वर्ष 26 में कुल रेवेन्यू का 91.7 प्रतिशत इसी से आया। तिमाही के दौरान कंपनी ने 70+ नए डिस्ट्रीब्यूटर, 350 डीलर्स

और 20 से ज्यादा एक्सक्लूसिव शॉप्स जोड़कर अपनी रिटेल मौजूदगी भी बढ़ाई।

फुजियामा ने अपने बड़े एक्सपेंशन प्लान्स पर भी अपडेट दिया है। कंपनी दादरी में 1 त्नङ्ख ष्टष्टक्र सोलर सेल प्लांट तैयार कर रही है, जो एच3 वित्त वर्ष 26 में कमिशन होने की उम्मीद है। इसके अलावा रतलाम में 2 त्नङ्ख की फुलीङ्कइंटीग्रेटेड स्क्वर्स मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी भी समय पर आगे बढ़ रही है और एच4 वित्त वर्ष 26 में शुरू होने की संभावना है। कंपनी ने बताया कि भारत में तेजी से बढ़ती रूफटॉप सोलर की मांग, खासकर टियर-2 और टियर-3 शहरों में, उनके बिजनेस को और मजबूत बना रही है। कंपनी ने क्रिकेटर सूर्यकुमार यादव को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाने की घोषणा भी की। कंपनी के चेयरमैन पवन कुमार गर्ग ने कहा कि फुजियामा अब 'तेज ग्रोथ फेज' में प्रवेश कर चुकी है और मजबूत बैलेंस शीट के साथ बड़े स्तर पर विस्तार करने के लिए तैयार है।

एएससीआई ने लॉन्च किया एडवाइज़ स्कूल प्रोग्राम

10 लाख बच्चों में विज्ञापनों को लेकर बढ़ाएगा जागरुकता

संरचित कक्षा सत्रों के माध्यम से 2026-अंत तक लक्ष्य प्राप्त करने का उद्देश्य

मुंबई, , एजेंसी।
एडवर्टाइजिंग स्टैण्डर्ड्स काउंसिल ऑफ इंडिया (एएससीआई) ने सितंबर में एडवाइज़ नामक एक देशव्यापी उपभोक्ता शिक्षा प्रोग्राम शुरू किया है। यह स्कूलों में तीसरी से आठवीं कक्षा तक के बच्चों को विज्ञापनों को समझने की शिक्षा देने के लिए तैयार है। इसका लक्ष्य भारत के कई शहरों में 15-18 महीनों में बच्चों में विज्ञापनों को लेकर जागरूकता बढ़ाना है। एएससीआई एकेडमी के नेतृत्व में, यह कार्यक्रम 2026 के अंत तक पूरे देश के 2,000 स्कूलों में कक्षा सत्रों के जरिए 10 लाख छात्रों तक पहुंचेगा।

इसने पहले ही सात राज्यों और 240 स्कूलों में 1,14,000 से अधिक छात्रों तक पहुंच बनाई गई है। यह कार्यक्रम तेजी से डिजिटल दुनिया में विज्ञापन संदेशों की पहचान करने, प्रश्न और मूल्यांकन करने के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण गंभीर चिंतन से स्कूल के बच्चों को लैस करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। एएससीआई एकेडमी विज्ञापन साक्षरता में सुधार

पर नजर रखती है, जिसमें छात्रों के विज्ञापन पहचानने और समझने के प्रतिशत में वृद्धि, सामग्री से विज्ञापन को अलग करने, और छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों की संलग्नता मेट्रिक्स तथा फीडबैक गुणवत्ता को मापना शामिल है। सत्रों से पहले और बाद में छात्रों का मूल्यांकन कार्यक्रम के प्रभाव को समझने के लिए किया गया था। कार्यक्रम में महत्वपूर्ण प्रभाव दिखाई दिया है, जिसमें कक्षा 3-5 के छात्रों द्वारा विज्ञापन साक्षरता से संबंधित प्रश्नों के सही उत्तर देने में 59 प्रतिशत-86 प्रतिशत की वृद्धि और कक्षा 6-8 के लिए 57 प्रतिशत-95 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। एएससीआई की सीईओ और जनरल सेक्रेटरी मनीषा कपूर ने कहा, आज के बच्चे विज्ञापन ऐसे तरीकों से देखते हैं जो पुरानी पीढ़ियों से बिल्कुल अलग हैं। उनके पास विज्ञापन को समझने और उनसे निपटने के लिए मजबूत सोच की कमी है, लेकिन वे इंटरनेट और असल जिंदगी में मार्केटिंग के कई रूपों से तेजी से घिरते जा रहे हैं। एएससीआई बच्चों पर खासतौर से फोकस कर रहा है, इसलिए हम बच्चों, माता-पिता और टीचर्स को विज्ञापन के असर को गहराई से समझने और जांचने के लिए तैयार कर रहे हैं। इससे बच्चे जिम्मेदारी से मीडिया का इस्तेमाल सीखेंगे और सही जानकारी वाले दर्शक बनेंगे।

एक सफल पायलट चरण के बाद, एडवाइज़ को दिल्ली एनसीआर, मुंबई, पुणे, नागपुर, लखनऊ, वाराणसी, इंदौर, भोपाल, पटना, जयपुर, जोधपुर और कोलकाता में रोल आउट किया जा रहा है। एनजीओ स्कूल हेल्थ एनुअल रिपोर्ट प्रोग्राम (शार्प) एएससीआई का कार्यान्वयन भागीदार है। फेज 1 के आधार पर, एएससीआई फेज 2 में तमिलनाडु, तेलंगाना, पंजाब, असम और कर्नाटक जैसे अतिरिक्त राज्यों में एडवाइज़ का विस्तार करने की योजना बना रहा है, जबकि मौजूदा बाजारों में भी पहुंच बढ़ाई जा रही है है। एक घंटे के इंटरएक्टिव वर्कशॉप दो समूहों के लिए हैं- कक्षा 3-5 और 6-8, जिसमें एएससीआई एकेडमी द्वारा उम्र के अनुसार डिज़ाइन की गई सामग्री है।

बीसीसीआई की नाक के नीचे बड़ा घोटाला

पैसा दो, टीम में घुसो, असली टैलेंट बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट दुनिया में सबसे ताकतवर कहलाता है, कड़ी प्रतिस्पर्धा, विशाल टैलेंट पूल, आईपीएल जैसी लीग और कठोर चयन प्रक्रिया इसकी पहचान है। खिलाड़ियों का भरोसा इसी बात पर टिका है कि सिस्टम निष्पक्ष है, लेकिन पुडुचेरी में यह पूरा उलट चुका है।

यहां पते बनाए जाते हैं। फर्जी पते पर खिलाड़ियों के आधार कार्ड बनते हैं। एक समानांतर चयन प्रक्रिया काम करती है और यह

1.2 लाख में बन रहे 'लोकल' खिलाड़ी!

सब कुछ क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ पांडिचेरी और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की नाक के नीचे चल रहा है। द इंडियन एक्सप्रेस की तीन महीने की जांच में ऐसे कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। जांच में 2,000 से ज्यादा खिलाड़ियों के फार्म चेक किए गए, दर्जनों खिलाड़ियों से बात हुई और कई पतों की मौके पर जांच की गई। पता चला कि, 1.2 लाख रुपये लेकर खिलाड़ियों को 'स्थानीय खिलाड़ी' बनाया जाता है। कोच और निजी क्रिकेट अकादमियां खिलाड़ियों को फर्जी एड्रेस, बैकडेट से कॉलेज में दाखिला और नकली जॉब रिकॉर्ड उपलब्ध कराती हैं। बीसीसीआई का जरूरी एक साल का निवास प्रमाणपत्र कागजों में पूरा कर दिया जाता है। फिर इन खिलाड़ियों को सीएपी की टीमों में सीधा रास्ता मिल जाता है।

'फीस दो, लोकल बनो': ऐसे चलता है पूरा खेल

बाहरी राज्यों के क्रिकेटरों को बीसीसीआई की अनिवार्य एक साल की निवास आवश्यकता को दरकिनार करने और 'स्थानीय' बनने के लिए 1.2 लाख रुपए या उससे अधिक के 'पैकेज' का भुगतान करना पड़ता है। निजी क्रिकेट अकादमियों के कोच की मदद से निवास प्रमाण पत्र बेचे जा रहे हैं। इसमें फर्जी आधार कार्ड पते, पिछली तारीखों से शैक्षिक संस्थानों में दाखिले या नकली नौकरी रिकॉर्ड का इस्तेमाल किया जाता है। पैसे देने वाले खिलाड़ियों को पुडुचेरी क्रिकेट एसोसिएशनकी टीमों में तुरंत जगह मिल रही है, जिससे उन्हें रणजी ट्रॉफी जैसे बड़े टूर्नामेंट खेलने का मौका मिलता है।

बड़े बच्चे रिटायर होकर पीएसएल खेलते हैं, इस पाकिस्तानी को किया आईपीएल की बुराई पर ट्रोल

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेट कप्तान वसीम अकरम पड़ोसी देश के उन चुनिंदा क्रिकेटरों में शामिल हैं, जिनके फैंस भारत में भी आपको जमकर मिल जाएंगे। अकरम उन चुनिंदा पाकिस्तानी क्रिकेटरों में भी शामिल हैं, जिन्हें लंबे समय तक इंडियन प्रीमियर लीग का हिस्सा बनने का मौका मिला है। अकरम पहले इस लीग में कोच की भूमिका में जुड़े रहे और पिछले कुछ साल में कमेंटेटर के तौर पर उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग से कमाई करने का मौका मिला है। इसके बावजूद अकरम ने एक ऐसा काम कर दिया है, जिसके चलते उन्हें सोशल मीडिया पर भारतीय क्रिकेट फैंस के मजाक और गुस्से का सामना करना पड़ा है। दरअसल अकरम ने पाकिस्तान सुपर लीग को आईपीएल के मुकाबले नंबर-1 लीग बता दिया है। अकरम ने पाकिस्तान में एक कार्यक्रम के दौरान आईपीएल की बुराई करते हुए पीएसएल को नंबर-1 लीग बताया है। अकरम ने पीएसएल के प्रमोशन से जुड़े इवेंट में पीएसएल के लिए कहा,'बच्चे बड़े हो जाते हैं, वो लीग खत्म ही नहीं होती।' अकरम के इसी कमेंट को लेकर क्रिकेट फैंस ने उन्हें ट्रोल करते हुए कहा है कि बच्चे बड़े होकर रिटायर हो जाते हैं और फिर वे पीएसएल में खेलने लगते हैं। इसके अलावा कई फैंस ने अकरम को 'जिस थाली में खाया, उसी में छेद किया' वाली कहावत कहकर भी बुरा-भला कह रहे हैं।

एशेज: एडिलेड टेस्ट में कमिंस की वापसी तय, जोश हेजलवुड सीरीज से बाहर

एडिलेड, एजेंसी। एशेज 2025-26 में 2-0 से आगे चल रही ऑस्ट्रेलिया को एडिलेड में 17 दिसंबर से शुरू हो रहे सीरीज के तीसरे टेस्ट से पहले बड़ी खुशखबरी मिली है। पैट कमिंस को पूरी तरह फिट घोषित कर दिया गया है। वहीं तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड एशेज सीरीज से बाहर हो गए हैं। उन्हें रिकवरी में समय लगेगा। अब वह टी20 विश्व कप तक पूरी तरह फिट होने की कोशिश करेंगे। ऑस्ट्रेलिया मंगलवार को 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर सकती है। ऑस्ट्रेलिया के हेड कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'कप्तान कमिंस वापसी के लिए तैयार हैं। बदकिस्मती से, जोश एशेज का हिस्सा नहीं होंगे। इंजरी की वजह से वह पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं। हम उनसे इस सीरीज में अहम योगदान की उम्मीद थी। अब वह टी20 विश्व कप की तैयारी करेंगे। मैकडोनाल्ड ने कहा, 'पैट कमिंस की एडिलेड में तैयारी को लेकर कोई चिंता नहीं है। बेशक उन्होंने जुलाई से क्रिकेट नहीं खेली है, लेकिन वह तैयार हैं। सेलेक्टर्स उन्हें ब्रिस्बेन में चुनने के बहुत करीब थे। उनके पास मैच का मौका नहीं होगा। ऐसा कमिंस के साथ पहले भी हो चुका है। उन्होंने फिट होने के लिए कड़ी मेहनत की है। उन्होंने अभ्यास सत्र में अपनी फॉर्म और फिटनेस दिखाई है। इसलिए हमें लगता है कि वह तैयार हैं। हेड कोच ने कहा कि पीठ दर्द की वजह से पिछले टेस्ट से बाहर उस्मान ख्वाजा को एडिलेड टेस्ट में जगह मिल सकती है, लेकिन उन्हें मध्यक्रम में बल्लेबाजी करनी होगी। पिछले मैचों में ट्रैविस हेड और जेक वेदराल्ड का प्रदर्शन बतौर ओपनर अच्छा रहा है। उन्होंने कहा कि नाथन लियोन को पिछले दो टेस्ट मैचों की प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला, लेकिन अगले तीन टेस्ट मैचों में उनकी भूमिका बहुत अहम होगी। लियोन पिछले 13 साल में पहली बार घरेलू टेस्ट की प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं बना पाए।

द ग्रेट खली 8 साल बाद करेंगे रिंग में वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। डब्ल्यूडब्ल्यूई के पहले भारतीय सुपरस्टार द ग्रेट खली आठ साल के लंबे ब्रेक के बाद एक बार फिर से रिंग में वापसी करने वाले हैं. द ग्रेट खली ने साल 2006 में डब्ल्यूडब्ल्यूई के जजमेंट डे में डेब्यू किया था और डब्ल्यूडब्ल्यूई में आते ही अपने पहले मैच में द अंडरटेकर को हराकर तहलका मचा दिया था. 7 फीट 1 इंच लंबे इस दिग्गज रेसलर ने साल 2007 में डब्ल्यूडब्ल्यूई की वर्ल्ड हैवीवेट चैंपियनशिप जीती थी. यहां हम आपको बताने जा रहे हैं कि द ग्रेट खली 8 साल बाद रिंग में कब और कहां वापसी करने वाले हैं.

डब्ल्यूडब्ल्यूई में कैसा रहा द ग्रेट खली का सफर: भारत के पहले सुपरस्टार द ग्रेट खली का डब्ल्यूडब्ल्यूई में सफर शानदार रहा. डब्ल्यूडब्ल्यूई में अपने पहले ही मैच से सुर्खिया बटोरने वाले द ग्रेट खली ने रॉ में ड्राफ्ट होने के बाद केन को रेसलमेनिया 23 में हराया था. इसके बाद, उन्होंने उस समय के वर्ल्ड हैवीवेट चैंपियन जॉन सीना के साथ भी मुकाबला किया. द ग्रेट खली ने रॉ में जून 2007 में 20 मैन रॉयल बैटल मैच को जीतकर पहली बार और एकमात्र वर्ल्ड हैवीवेट चैंपियनशिप जीती, लेकिन वो सिर्फ तीन महीने तक ही टाइटल को अपने पास रख पाए थे. डब्ल्यूडब्ल्यूई में अपने करियर के दौरान खली ने पंजाबी प्लेबॉय जैसे मजेदार किरदारों में भी पहचान बनाई. द ग्रेट खली का नवंबर 2014 में डब्ल्यूडब्ल्यूई के साथ कॉन्ट्रैक्ट समाप्त हो गया, जिसके बाद उन्होंने ये कंपनी छोड़ दी थी.

द ग्रेट खली ने सीडब्ल्यूई की स्थापना: कंपनी छोड़ने के बाद, भारत में प्रो-रेसलिंग को बढ़ावा देने के लिए द ग्रेट खली ने फैसला किया और इसी सोच के साथ उन्होंने 2015 में कॉन्टिनेंटल रेसलिंग एंटरटेनमेंट की स्थापना की. पंजाब के जालंधर शहर में स्थित सीडब्ल्यूई अकादमी ने कई प्रतिभाओं को तराशा है, जिनमें डब्ल्यूडब्ल्यूई की पहली भारतीय महिला रेसलर कविता देवी और दिलशेर शंकी जैसे नाम शामिल हैं और इन दोनों रेसलर ने डब्ल्यूडब्ल्यूई में अपनी जगह बनाई है. वहीं, साल 2021 में द ग्रेट खली को डब्ल्यूडब्ल्यूई हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया था.

द ग्रेट खली ने वापसी की घोषणा

'ग्रेटेस्ट रॉयल रंबल' में देखा गया था. अब, उनकी अकादमी सीडब्ल्यूई ने सोशल मीडिया पर उनकी रिंग में वापसी की ऐलान किया है. द ग्रेट खली जनवरी 2026 में सीडब्ल्यूई के साथ वापसी करते हुए पार्कर बोरदॉ का सामना करेंगे, जो डब्ल्यडब्ल्यूई और एईडब्ल्यू दोनों के लिए रेसलिंग कर चुके हैं. द ग्रेट खली और पार्कर बोरदॉ के बीच ये मुकाबला भारतीय रेसलिंग फैंस के लिए एक बड़ा उत्साहजनक होगा.

मंगेतर ट्रैविस केल्स का मैच देखने पहुंचीं टेलर स्विफ्ट, साथ में दिखीं सेलेना गोमेज

न्यूयॉर्क, एजेंसी। टेलर और सेलेना की यह उपस्थिति सिर्फ एक मैच नहीं बल्कि उनके रिश्ते की मजबूती का नया उदाहरण है। चाहे म्यूजिक, लाइफ या बड़े सेलिब्रेशन, दोनों हमेशा एक-दूसरे का साथ निभाती आई हैं। अमेरिकी पॉप वर्ल्ड की दो सबसे बड़ी हस्तियां, टेलर स्विफ्ट और सेलेना गोमेज, एक बार फिर चर्चा में हैं।

अपनी गहरी दोस्ती और एक-दूसरे का साथ निभाने के लिए जानी जाने वाली यह जोड़ी हाल ही में कैनसस सिटी चीफ्स और ह्यूस्टन टेक्सन्स के बीच हुए एनएफएल मैच (अमेरिकन फुटबॉल मैच) में साथ नजर आई। यह मुकाबला इसलिए भी खास था क्योंकि स्विफ्ट के मंगेतर ट्रैविस केल्स चीफ्स टीम के स्टार खिलाड़ी हैं।

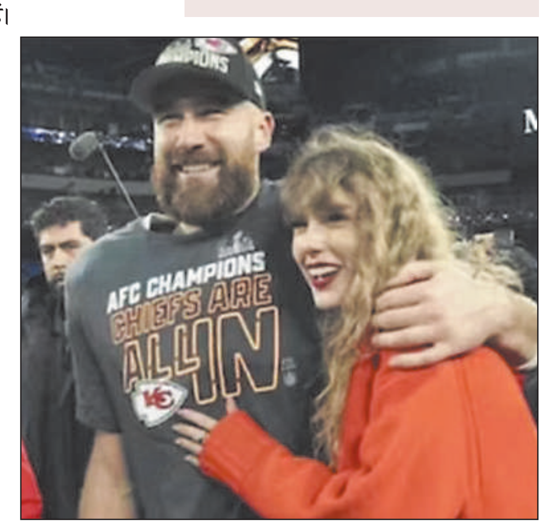

पहली बार चीफ्स गेम में पहुंचीं सेलेना गोमेज

सेलेना और स्विफ्ट को ऐरोहेड स्टेडियम में मैच का आनंद लेते देखा गया। जहां टेलर पांचवीं बार चीफ्स का मैच देखने पहुंचीं, वहीं सेलेना पहली बार स्टेडियम में नजर आई। उनकी मौजूदगी सोशल मीडिया पर तुरंत वायरल हो गई। एक यूजर ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखा, 'मेरे माता-पिता टेलर स्विफ्ट के बगल में बैठे हैं। अविश्वसनीय!' कुछ तस्वीरें धुंधली जरूर थीं, लेकिन फैंस का उत्साह कम नहीं हुआ। कई पोस्ट में दोनों को साथ बैठकर मैच का आनंद लेते देखा गया।

शाहिद अफ्रीदी ने गौतम गंभीर को सीधे निशाने पर लिया, रोहित-विराट की तारीफों के बांधे पुल

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व पाकिस्तानी कप्तान शाहिद अफ्रीदी ने एक बार फिर भारतीय क्रिकेट पर बड़ा और विवादित बयान देकर सुर्खियां बटोर ली हैं। इस बार उन्होंने भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर को सीधे निशाने पर लेते हुए उनकी रणनीति पर सवाल खड़े किए हैं। इसके साथ ही अफ्रीदी ने विराट कोहली और रोहित शर्मा की जमकर तारीफ करते हुए कहा है कि यह दोनों दिग्गज न सिर्फ भारतीय बल्लेबाजी की रीढ़ की हड्डी हैं, बल्कि 2027 ओडीआई वर्ल्ड कप तक टीम के लिए अत्यंत जरूरी रहेंगे। अफ्रीदी ने रोहित के रिकॉर्ड को तोड़ने पर भी प्रसन्नता जताई और दोनों खिलाड़ियों के महत्व को रेखांकित किया।

कोहली और रोहित भारतीय ओडीआई टीम की असली ताकत

अफ्रीदी ने स्पष्ट कहा कि विराट कोहली और रोहित शर्मा दुनिया के सबसे भरोसेमंद ओडीआई बल्लेबाजों में शुमार हैं। उन्होंने बताया कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ हालिया सीरीज में जिस तरह इन दोनों ने टीम को मजबूत शुरुआत दी, उससे साफ है कि उनकी फॉर्म और फिटनेस अभी भी उच्च स्तर पर है।

अफ्रीदी ने कहा, 'विराट और रोहित भारतीय बल्लेबाजी की बैकबोन हैं। उनके प्रदर्शन से जाहिर है कि वे 2027 वर्ल्ड कप तक आराम से खेल सकते हैं और टीम को मजबूती देते रहेंगे। '

कमजोर टीमों के खिलाफ मिल सकता है आराम

अपनी राय को और स्पष्ट करते हुए अफ्रीदी ने कहा कि भारत को शीर्ष टीमों और बड़े टूर्नामेंट में कोहली व रोहित जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को हमेशा प्लेइंग इ्लेवन में रखना चाहिए। लेकिन अगर भारत कमज़ोर टीमों के खिलाफ खेलता है, तो रोटेशन पॉलिसी के तहत इन दिग्गजों को विश्राम दिया जा सकता है ताकि नए खिलाड़ियों को भी मौके मिलते रहें। उनके अनुसार, 'बड़े मैचों में यह दोनों ही टीम की सबसे बड़ी मजबूती हैं, लेकिन छोटे मुकाबलों में भारत युवा खिलाड़ियों को आजमा सकता है।

विराट कोहली अपना स्पोर्ट्सवियर ब्रांड 'वन8' बेच रहे हैं

● एजिलिटास में करेंगे 40 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली अपना स्पोर्ट्सवियर ब्रांड वन8 एजिलिटास स्पोर्ट्स को बेच रहे हैं। एजिलिटास स्पोर्ट्स एक वर्टिकली इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग-टू-रिटेल स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म है। इसे अभिषेक गांगुली ने शुरू किया था।

विराट कोहली इस व्यापारिक समझौते के तहत एजिलिटास में एक निवेशक के तौर पर शामिल हो रहे हैं। वह कंपनी में हिस्सेदारी खरीदने के लिए एजिलिटास में 40 करोड़ रुपये निवेश करेंगे। एजिलिटास उत्पादन, आर एंड डी, ब्रांड-निर्माण और खुदरा वितरण के क्षेत्र में काम करती है। 2023 में, कंपनी ने भारत की सबसे बड़ी स्पोर्ट्स फुटवियर बनाने वाली मोचिको शूज को खरीदा। इससे कंपनी की घरेलू और निर्यात क्षमता मजबूत हुई थी। वन8 एक स्पोर्ट्सवियर ब्रांड है। विराट कोहली इसके को-फाउंडर रहे हैं। यह ब्रांड स्पोर्ट्सवियर, कपड़े, फुटवियर और एक्सेसरीज तक फैला हुआ है। एजिलिटास की तरफ से जारी बयान के मुताबिक, 'कोहली और गांगुली के बीच आपसी सहयोग पिछले कुछ सालों में बढ़ा है। कुछ वास्तविक उत्पादन के औपचारिक बातचीत से शुरू हुई प्रक्रिया जल्द ही वन8 के रूप में हमारे सामने आ गई।

कंपनी ने आगे कहा कि कोहली के पास सिर्फ वन8 में निवेश करने का विकल्प था। उन्होंने उत्पादन, डिजाइन, आर एंड डी, और देश भर में कंपनी की वितरण क्षमता देखने के बाद एजिलिटास में शेयरधारक बनने का फैसला किया। विराट कोहली का वन8 को एजिलिटास को बेचने का फैसला रणनीतिक और दीर्घकालिक सोच पर आधारित है। इस अवसर पर विराट ने कहा, 'अभिषेक के साथ मेरा रिश्ता बहुत वास्तविक है।

एक दिन, जब मैं यूं ही अपनी कुछ बनाने की इच्छा के बारे में बात कर रहा था, तो उसने कहा, 'चलो करते हैं' और इस तरह वन8 शुरू हुआ। खेल ने मेरी जिंदगी बनाई है। मूवमेंट, कम्फर्ट और परफॉर्मेंस मेरे लिए सब कुछ डिफाइन करते हैं। यही सोच ब्रांड में बदल गयी। मैं हमेशा स्टाइल के लिए स्पोर्ट्स-फर्स्ट अप्रोच चाहता था। वहीं अभिषेक गांगुली ने कहा, 'हम सब मिलकर भारत से एक हाई-परफॉर्मेंस ब्रांड बना रहे हैं, जो स्पोर्ट्स फंक्शनैलिटी, बेस्ट-इन-क्लास और क्वालिटी पर आधारित है। हमारा लक्ष्य अगले दशक में वैश्विक स्तर पर कुछ उद्देश्यपूर्ण बनाना है। '

युवराज सिंह ही नहीं, ये स्टार क्रिकेटर भी बेचते हैं शराब, करोड़ों में है कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी युवराज सिंह ने अपना लग्जरी टकीला ब्रांड फिनो भारत में लॉन्च कर दिया है. इस दौरान लॉन्च इवेंट में भारत के कई दिग्गज खिलाड़ी शामिल हुए. उनसे पहले कई क्रिकेटर इस बाजार में उतर चुके हैं.

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी युवराज सिंह अब स्पिरिट्स की दुनिया में धमाल मचाने को तैयार हैं. उन्होंने अपनी अल्ट्रा-प्रिमियम टकीला ब्रांड 'फिनो' को भारत में लॉन्च कर दिया है. गुरुग्राम में आयोजित एक लॉन्च इवेंट में पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना, युजवेंद्र चहल और मोहम्मद कैफ जैसे सितारे शामिल हुए, जहां फिनो की पहली झलक देखने को मिली. भारतीय क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी युवराज सिंह अब स्पिरिट्स की दुनिया में धमाल मचाने को तैयार हैं. उन्होंने अपनी अल्ट्रा-प्रिमियम टकीला ब्रांड 'फिनो' को भारत में लॉन्च कर दिया है. गुरुग्राम में आयोजित एक लॉन्च इवेंट में पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना, युजवेंद्र चहल और मोहम्मद कैफ जैसे सितारे शामिल हुए, जहां फिनो की पहली झलक देखने को मिली.

भारत में फिनो हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र और चुनिंदा ड्यूटी-फ्री स्टोर्स (दिल्ली, अहमदाबाद, मुंबई) में उपलब्ध है. वहीं, शुरुआती कीमत करीब 14,000 रुपए के आसपास है. 'फिनो' का मतलब 'फेलियर इज नॉट एन ऑप्शन' युवराज के करियर से प्रेरित है.भारत में फिनो हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र और चुनिंदा ड्यूटी-फ्री स्टोर्स (दिल्ली, अहमदाबाद, मुंबई) में उपलब्ध है. वहीं, शुरुआती कीमत करीब 14,000 रुपए के आसपास है. 'फिनो' का मतलब 'फेलियर इज नॉट एन ऑप्शन' युवराज के करियर से प्रेरित है.

युवराज सिंह से पहले, इंग्लैंड के पूर्व कप्तान और दिग्गज ऑलराउंडर इयन बॉथम, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पॉन्टिंग, इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन और केविन पीटरसन जैसे खिलाड़ी भी शराब के कारोबार में उतर चुके हैं.

युवराज सिंह से पहले, इंग्लैंड के पूर्व कप्तान और दिग्गज ऑलराउंडर इयन बॉथम, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पॉन्टिंग, इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन और केविन पीटरसन जैसे खिलाड़ी भी शराब के कारोबार में उतर चुके हैं.

इयन बॉथम अब एक बड़ी वाइन कंपनी चलाते हैं. उन्होंने अपने वाइन के बिजनेस की शुरुआत साल 2018 में की थी. उनकी वाइन ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड जैसे देशों में बेची जाती है. इयन बॉथम अब एक बड़ी वाइन कंपनी चलाते हैं. उन्होंने अपने वाइन के बिजनेस की शुरुआत साल 2018 में की थी. उनकी वाइन ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड जैसे देशों में बेची जाती है.

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पॉन्टिंग भी अब वाइन का बिजनेस करते हैं, जिसका नाम पॉन्टिंग वाइंस है. बता दें, उनकी कंपनी की ये वाइन ऑस्ट्रेलिया में ही नहीं बल्कि भारत में भी मिलती है. बता दें, पॉन्टिंग तीन बार वनडे वर्ल्ड कप का खिताब जीतने वाले खिलाड़ी हैं, जिसमें से 2 बार उन्होंने बतौर कप्तान ट्रॉफी उठाई थी. ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पॉन्टिंग भी अब वाइन का बिजनेस करते हैं, जिसका नाम पॉन्टिंग वाइंस है. बता दें, उनकी कंपनी की ये वाइन ऑस्ट्रेलिया में ही नहीं बल्कि भारत में भी मिलती है. बता दें, पॉन्टिंग तीन बार वनडे वर्ल्ड कप का खिताब जीतने वाले खिलाड़ी हैं, जिसमें से 2 बार उन्होंने बतौर कप्तान ट्रॉफी उठाई थी.इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन भी इस लिस्ट में शामिल हैं, जो वाइन के बिजनेस में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं. जेम्स एंडरसन ने साल 2015 में अपना वाइन लेबल लॉन्च किया था. बता दें, उन्होंने पिछले साल ही इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था. वह इंग्लैंड के सबसे सफल गेंदबाजों में से एक हैं. इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन भी इस लिस्ट में शामिल हैं, जो वाइन के बिजनेस में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं. जेम्स एंडरसन ने साल 2015 में अपना वाइन लेबल लॉन्च किया था. बता दें, उन्होंने पिछले साल ही इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था. वह इंग्लैंड के सबसे सफल गेंदबाजों में से एक हैं.

कृष्णायन

बुधवार 10 दिसम्बर 2025 स्वराज खबर

कर्ण के कवच-कुंडल दान में लेकर भी इस वजह से स्वर्ग नहीं ले जा पाए थे इंद्र

अंत में हार मानकर भारत की इस जगह पर छुपाना पड़ा

महाभारत की कथा के अनुसार देवराज इंद्र ने कर्ण से छल से कवच और कुंडल प्राप्त किए थे। कर्ण ने अपनी दानवीरता का परिचय देते हुए इंद्र को कवच और कुंडल दान में दे दिए थे। इंद्र ने कवच-कुंडल को अपने साथ स्वर्ग में ले जाने की कोशिश की, लेकिन इसमें वे कामयाब नहीं हो सके। तब इंद्र ने कर्ण के इन कवच-कुंडल को समुद्र में छुपा दिया। आइए, विस्तार से जानते हैं महाभारत में कर्ण के कुंडल कवच का रहस्य। महाभारत में कर्ण की दानवीरता की कई कहानियां सुनने को मिलती हैं। महाभारत की ऐसी ही कथा कर्ण के कवच-कुंडल से भी जुड़ी है। कुरुक्षेत्र के युद्ध में कर्ण ऐसा महान योद्धा था, जिसे हरा पाना किसी के लिए भी आसान नहीं था। खुद अर्जुन का पराक्रम भी कर्ण के सामने घटकर आधा रह जाता था। श्रीकृष्ण यह बात जानते थे कि कर्ण को हराने के लिए उसके कवच-कुंडल को उसके पास से लेना बहुत जरूरी है, इसलिए श्रीकृष्ण ने इंद्रदेव को यह कार्य सौंपा। स्वर्ग के देवता देवराज इंद्र ने कर्ण के कवच-कुंडल स्वर्ग ले जाने की कोशिश की लेकिन अंत में हार मानकर समुद्र में छुपाने पड़े। आइए, जानते हैं इंद्र ने कर्ण के कवच-कुंडल कहां छुपाए थे।

एक साधु का वेश बनाकर कर्ण से मिले थे देवराज इंद्र

श्रीकृष्ण ने कर्ण के कवच और कुंडल का रहस्य अर्जुन को बताया था। कृष्ण ने अर्जुन को अपने मानस पिता इंद्र से सहायता लेने का सुझाव दिया। तब कुंडल और कवच का रहस्य जानकर देवराज इंद्र एक साधु का वेश बनाकर कर्ण के पास पहुंचे। उस समय कर्ण स्नान करके नदी से निकल रहे थे। अचानक एक साधु को अपने सामने खड़ा देखकर कर्ण ने उन्हें प्रणाम किया और सेवा बताने के लिए कहा। साधु का वेश लिए इंद्र ने अपना मायाजाल फेंका और गंभीर होते हुए कहा-÷वत्स ! तुम बहुत बड़े योद्धा प्रतीत होते हो लेकिन मैं जिस दान की अपेक्षा रखता हूं, वो तुम नहीं दे सकते।÷ साधु की बात सुनकर कर्ण ने उसे वचन दिया कि वे दान में जो कुछ भी पाने की इच्छा रखते हैं, कर्ण उसे जरूर देंगे।

देवराज इंद्र ने कर्ण से मांग लिए कवच-कुंडल

कर्ण साधु बने देवराज इंद्र की बातों से अंदाजा लगा चुके थे कि सामने खड़ा साधु कोई साधारण व्यक्ति नहीं बल्कि किसी लक्ष्य के साथ आया कोई देवता है। फिर भी कर्ण ने साधु की बात का मान रखते हुए अपने कवच- कुंडल निकालकर देवराज इंद्र को दान में दे दिए। कवच-कुंडल को प्राप्त करने के बाद देवराज इंद्र अपने असली रूप में आ गए। कर्ण ने इंद्र को प्रणाम किया और मुस्कुराने लगे। कर्ण की दानवीरता देखकर इंद्र उनसे बहुत प्रभावित हुए और उन्होंने अमोघ अस्त्र प्रदान किया।

कवच-कुंडल को इस कारण से स्वर्ग नहीं ले जा पाए देवराज इंद्र

कर्ण को अमोघ शस्त्र भेंट करके इंद्र कवच-कुंडल को लेकर स्वर्ग जाने लगे लेकिन इंद्र जैसे ही कवच-कुंडल को लेकर स्वर्ग की ओर प्रस्थान करते। कवच-कुंडल जड़ अवस्था में एक जगह पर टिके रह जाते। इसका सबसे बड़ा कारण यह था, कि इंद्र ने कर्ण के कवच-कुंडल को छल से प्राप्त किया था। छल से प्राप्त की हुई किसी चीज को स्वर्ग नहीं ले जाया जा सकता था। छल से लेने के कारण कवच-कुंडल में नकारात्मक ऊर्जा के कण भी आ चुके थे। इस कारण से इंद्र ने कर्ण के कवच-कुंडल को समुद्र में छुपाने का निर्णय लिया।

देवराज इंद्र ने भारत की इस जगह छुपाए थे कर्ण के कवच-कुंडल

कर्ण के कवच-कुंडल एक प्रकाशमय ऊर्जा कणों के रूप में थे, जिसे देवराज इंद्र ने रात्रि के समय समुद्र में छुपा दिया। चंद्रदेव यह पूरा दृश्य देख रहे थे इसलिए उन्होंने कवच और कुंडल लेने का प्रयास किया लेकिन तभी समुद्र देव ने उन्हें टोककर कहा- चंद्रदेव ! कर्ण के ये कवच और कुंडल मेरे संरक्षण में हैं इसलिए आप इसे बिना किसी अधिकार के नहीं ले सकते। सूर्यदेव ने भी समुद्र देव का साथ दिया और हमेशा-हमेशा के लिए इन कवच-कुंडल के संरक्षण की जिम्मेदारी ली। मान्यता है कि इंद्र ने ओडिशा के पुरी के पास स्थित कोर्णाक के समुद्र में कर्ण के कवच-कुंडल को सूक्ष्म रूप में छुपाया था। आज भी कई वैज्ञानिक कई अध्ययन करने के बाद भी इन कवच-कुंडल का पता नहीं लगा पाए हैं।

कामधेनु गाय की मूर्ति घर में रखने से क्या होता है?

घर को सुंदर बनाने के लिए लोग अपने घर में तरह तरह के शो-पीस और तस्वीरें आदि लगाते हैं. वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में सजावट के रूप में इस्तेमाल होने वाली चीजों का संबंध व्यक्ति के जीवन से जुड़ा होता है. घर या फिर कार्यक्षेत्र में लगाई जाने वाली ये तस्वीरें यदि वास्तु के हिसाब से शुभ हों तो आपके जीवन में सकारात्मकता लाती हैं. वहीं घर में लगाई जाने वाली कुछ तस्वीरें आपके ऊपर नकारात्मक प्रभाव भी डाल सकती हैं. ज्योतिषाचार्या एवं वास्तु विशेषज्ञ नीतिका शर्मा की मानें तो वास्तु में ऐसी कई शुभ अशुभ चीजों के बारे में विस्तार से बताया गया गया है. ऐसी ही एक चीज है कामधेनु गाय की मूर्ति. वास्तु के अनुसार, घर में कामधेनु गाय की मूर्ति लगाना शुभ माना गया है. ऐसी मान्यता है कि घर में सही दिशा में कामधेनु गाय की मूर्ति रखने से घर में सुख, समृद्धि और वैभव आता है. साथ ही परिवार के सदस्य हमेशा खुशहाल जीवन जीते हैं.

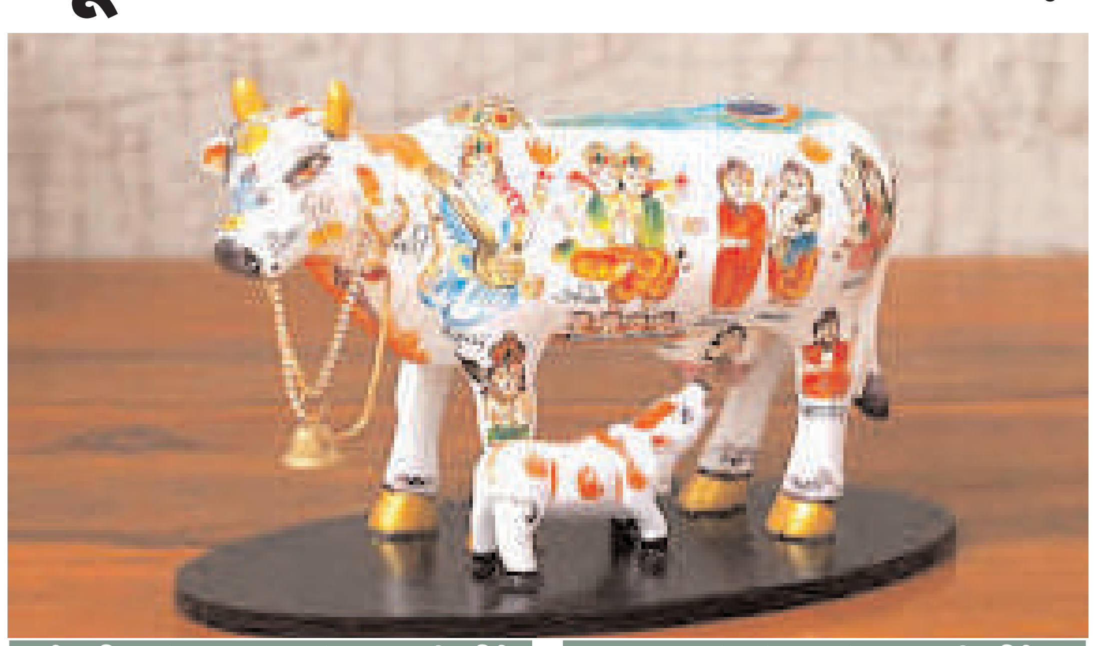

पूर्वोत्तर दिशा में लगाएं कामधेनु गाय की मूर्ति

यदि आप कामधेनु गाय की मूर्ति घर पर लगाना चाहते हैं, तो ईशान कोण यानी पूर्वोत्तर दिशा में लगाएं. हिंदू धर्म में मान्यता है कि इस दिशा में देवी देवताओं का वास होता है. साथ ही इसे सबसे पवित्र स्थान माना जाता है. ऐसे में इस दिशा में कामधेनु गाय की मूर्ति लगाना आपके लिए शुभ होगा.

पूजा घर में रखें कामधेनु गाय की मूर्ति

वास्तु विशेषज्ञ नीतिका शर्मा बताती हैं कि कामधेनु गाय की मूर्ति को आप पूजा घर में स्थापित कर सकते हैं. इसके अलावा आप अपने घर के मुख्य दरवाजे पर भी इस मूर्ति को स्थापित कर सकते हैं.

घर में कामधेनु गाय की प्रतिमा किसी भी धातु में लगाई जा सकती है. यदि आप धातु की मूर्ति नहीं रख पा रहे हैं तो सामान्य कामधेनु की तस्वीर भी लगा सकते हैं.

कामधेनु गाय की मूर्ति से लाभ

कामधेनु गाय की कृपा जिस पर बनी रहती है, उस घर के सदस्य कभी भी आर्थिक संकट से नहीं जूझते हैं. वास्तु के अनुसार कामधेनु गाय में मां दुर्गा, मां लक्ष्मी और देवी सरस्वती के गुण मौजूद होते हैं. ऐसे में कामधेनु गाय की तस्वीर लगाने से भी कई लाभ मिलते हैं.

क्या कहते आपके सितारे

मेष

मेष- आज का दिन आपके लिए कुछ उलझनों से भरा रहने वाला है। आपको अपने कामों को करने में कुछ समस्याएं आएंगी। आपका मन थोड़ा परेशान रहेगा। जीवनसाथी से भी खटपट हो सकती है, जो लोग किसी यात्रा पर जाने की तैयारी कर रहे हैं ,उन्हें अपने कीमती सामानों पर थोड़ा ध्यान देने की आवश्यकता है। राजनीति में कार्यरत लोगों के कुछ नए विरोधी उत्पन्न हो सकते हैं, जो उनके कामों में विघ्न डालने की कोशिश करेंगे।

वृषभ

वृषभ- आज का दिन आपके लिए तरक्की के नए-नए मार्ग खोलेगा। आपको अपनी मेहनत का पूरा फल मिलेगा। आप किसी भी काम में हाथ डालेंगे उसमें आपकी इनकम में बढ़ोतरी होगी। आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। यदि आपको कोई काम पूरा होने में समस्या आ रही थी, तो वह भी पूरा होगा। विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई लिखाई पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है। घूमने फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।

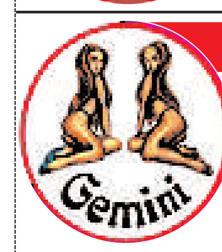

मिथुन

मिथुन- आज का दिन आपके लिए भागदौड़ से भरा रहेगा। आपको अपने कुछ पिछले कामों को निपटाने की कोशिश में लगे रहेंगे और व्यापार में भी यदि आपके कुछ काम रूके हुए थे, तो उन्हें भी पूरा करने की कोशिश करेंगे। आपका कोई मित्र आपके लिए कोई निवेश संबंधी प्लान लेकर आ सकता है। संतान को तरक्की करते देख आपको खुशी होगी। आपको अपने पिताजी की कोई बात बुरी लग सकती है। पारिवारिक समस्याएं फिर से सिर उठाएंगी।

कर्क

कर्क- आज का दिन आपके लिए किसी नए काम की शुरुआत करने के लिए रहेगा। आपको अपने विरोधियों से थोड़ा सतर्क रहना होगा। यदि आपको रूपए पैसे से संबंधित कोई समस्या आएगी, तो उसमें आपके परिवार के सदस्य आपकी मदद अवश्य करेंगे। किसी प्रॉपर्टी को लेकर आप कोई लोन अप्लाई कर सकते हैं। आपके घर में किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। संतान को तरक्की करते देख आपको खुशी

सिंह

सिंह- आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आपको अपने धन को लेकर थोड़ा सतर्क रहना होगा। आप किसी को उधार देने से बचें। आपका डूबा हुआ धन आपको मिलने की संभावना है। बिजनेस में भी आप अपनी योजनाओं पर अच्छा खासा धन लगाएंगे। किसी पैतृक संपत्ति की प्राप्ति होने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। प्रेम जीवन जी रहे लोगों का कोई पुराना साथी वापस आ सकता है।

कन्या

कन्या- आज का दिन आपके लिए सोच समझकर कामों को करने के लिए रहेगा। विद्यार्थियों को बौद्धिक और मानसिक बोझ से छुटकारा मिलेगा। आप किसी नए मकान और दुकान आदि की खरीदारी कर सकते हैं, जो आपके लिए अच्छा रहेगा। यदि आपकी कोई डील लंबे समय से रुकी हुई थी, तो वह भी फाइनल हो सकती है। आप अपनी संतान को कुछ जिम्मेदारियां दे सकते हैं।

तुला

तुला- आज का दिन आपके लिए अचानक लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपको वाहनों का प्रयोग सावधान रहकर करना होगा। आपके बिजनेस में कुछ गुप्त शत्रु हो सकते हैं, जो आपके मित्र के रूप में होंगे, जिन्हें आपको पहचाना होगा। संतान की शिक्षा को लेकर आपको कहीं बाहर जाना पड़ सकता है, तभी उन्हें किसी नये कोर्स में एडमिशन मिलेगा। सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोग अपने कामों पर पूरा ध्यान देंगे। प्रतिस्पर्धा का भाव आपके मन में बना रहेगा।

वृश्चिक

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान रहने वाला है। आप अपनी ऊर्जा को सही कामों में लगाएं, नहीं तो कामों को करने में समस्या आएगी। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। आप किसी की कहीसुनी बातों में ना आएं। माताजी की सेहत में कुछ गड़बड़ी होने से आपको समस्या आएगी। आपको अपनी किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। आपका कोई पुराना मित्र आपसे लंबे समय बाद मिलने आ सकता है।

धनु

धनु- आज का दिन आपके लिए धन-धान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है। यदि आपकी किसी बात को लेकर कहासुनी चल रही है, तो आप उस पर पूरा ध्यान दें। किसी पैतृक संपत्ति को लेकर कोई कानूनी विवाद हो सकता है। आप अपने घर के रिनोवेशन पर भी पूरा ध्यान देंगे। आपको भाई और बहनों का पूरा सहयोग मिलेगा। प्रतिस्पर्धा का भाव आपके मन में बना रहेगा। तरक्की की राह में आ रही बाधाएं दूर होंगी।

मकर

मकर- आज का दिन आपके लिए सेहत के मामले में उतार चढ़ाव भरा रहने वाला है। आपको अपनी सेहत पर पूरा ध्यान देना होगा। यदि आपने किसी को धन उधार दिया था, तो वह भी आपको वापस मिल सकता है। आपको अपनी पारिवारिक समस्याओं पर पूरा ध्यान देना होगा, जो लोग रोजगार की तलाश में दर-दर भटक रहे हैं, उन्हें कोई शुभ सूचना सुनने को मिल सकती है। आपको अपनी माताजी से कोई मन की बात कहने का मौका

कुंभ

कुंभ- आज का दिन आपके लिए किसी काम में बिना सोचे समझे हाथ डालने से बचना होगा। आपकी दीर्घकालिन योजनाओं को गति मिलेगी। बिजनेस में आप किसी से पार्टनरशिप ना करें। आपको किसी नए प्रोजेक्ट पर काम करने का मौका मिलेगा। नौकरी में कार्यरत लोगों को मन मुताबिक काम मिलने से उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपका कोई पारिवारिक विवाद बढ़ सकता है, जिसमें आपसी रिश्ते खराब हो सकते हैं।

मीन

मीन- आज का दिन आपके लिए उन्नति की राह पर आगे बढ़ाने के लिए रहेगा। आपको किसी काम में बहुत ही सोच समझकर आगे बढ़ना होगा। आप कोई निर्णय जल्दबाजी में ना लें, नहीं तो बाद में आपको उसके लिए पछतावा होगा। जीवनसाथी आपके कामो में आपका पूरा साथ देंगे। परिवार में यदि किसी सदस्य के विवाह में यदि कोई बाधा आ रही थी, तो वह भी दूर होगी। आपको अपनी संतान की संगति पर विशेष ध्यान देना होगा। आपको अपने किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलकर खुशी होगी।

स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक, संपादक- **विजयेन्द्र कुमार सिंह** द्वारा समग ट्र्यू इंटरप्राइजेज प्रा.लि., ए-157, सेक्टर-80, फैज-1, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा 227 पटपड़गंज गांव , मेन रोड , मयूर विहार फेज 1 दिल्ली - 110091 से प्रकाशित। **सलाहकार संपादक -निविड़ शिवपुत्र***
दूरभाष- 7503976650 (पत्र से संबंधित सभी विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र नई दिल्ली होगा)